@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 329 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

•रायगढ़ के दिवेआगर बीच पर बड़ा हादसा

समुद्र में डूबने से 8 छात्रों की मौत

•पिकनिक मनाने गए थे छात्र, पुणे की कोचिंग से आए थे, सभी के शव मिले

एजेंसी

रायगढ़ । महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में गुरुवार को समुद्र में डूबने से आठ छात्रों की मौत हो गई। सभी छात्र पिकनिक मनाने के लिए दिवेआगर बीच पहुंचे थे। पुलिस के मुताबिक, हादसे के बाद तलाशी और बचाव अभियान चलाया गया। सभी आठ छात्रों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे का शिकार हुए छात्र 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ते थे। वे पुणे जिले के आलंदी स्थित निजी कोचिंग संस्थान 'विनर्स अकादमी' के समूह के साथ पिकनिक मनाने आए थे। दिवेआगर बीच मुंबई से करीब 170 किलोमीटर दूर है।

पिकनिक मनाने पहुंचा था 48 लोगों का समूह - पुलिस अधिकारी के अनुसार, कुल 48 लोगों का समूह समुद्र तट पर आया था। इसमें 25 लड़के, 17 लड़कियां और छह शिक्षक शामिल थे। यह इलाका दिघी तटीय पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में आता है।

गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके छात्र

पुलिस के मुताबिक, आठ छात्र समुद्र में उतर गए थे। वे पानी की गहराई और समुद्री बहाव का सही अंदाजा नहीं लगा सके और लहरों के साथ बह गए। सूचना मिलने के बाद तलाशी और बचाव दल मौके पर पहुंचे। अभियान के दौरान सभी आठ छात्रों के शव बरामद कर लिए गए।

युद्ध और संघर्ष के दौर में महात्मा गांधी का शांति व अहिंसा का संदेश अधिक प्रासंगिक : मुर्मु

•'भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष का माहौल है और ऐसे समय में महात्मा गांधी का शांति एवं अहिंसा का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि वह देशवासियों की ओर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करती हैं। उन्होंने कहा कि गांधीजी के जीवन और आदर्शों का विश्व समुदाय व्यापक रूप से सम्मान

करता है। मुर्मु ने कहा कि आज दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष का वातावरण है, जिसका प्रभाव सभी देशों पर पड़ रहा है। ऐसे हालात में महात्मा गांधी का शांति और अहिंसा का संदेश पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में सहानुभूति और समावेशिता के मूल्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि कोई भी नागरिक विकास के लाभों से वंचित न रहे।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह दृष्टिकोण महात्मा गांधी के 'सर्वोदय' के आदर्श की भावना को दर्शाता है, जो सभी के कल्याण और उत्थान के सिद्धांत पर आधारित है।उन्होंने गांधी जयंती के अवसर पर देशवासियों से नैतिक आचरण और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का आह्वान किया।

•संबित पात्रा का राहुल गांधी पर निशाना

स्मित मच्छर को लेकर ट्वीट न करने पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने स्मित मच्छर की बहादुरी की सराहना करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। पात्रा ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी ने इस घटना को लेकर ट्वीट क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहते, लेकिन राहुल गांधी के किसी मुद्दे पर कुछ करने या न करने के पीछे हमेशा कोई न कोई कारण होता है।भाजपा सांसद ने दावा किया कि राहुल गांधी के ऐसे रुख के पीछे 'तुष्टीकरण' भी एक कारण हो सकता है। पात्रा ने कहा कि उनके अनुसार कई मुद्दों में कहीं न कहीं तुष्टीकरण एक प्रमुख कारक बना रहता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और खबरों में उन्होंने देखा है कि देशभर के लोगों ने स्मित मच्छर के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और उनकी बहादुरी

के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।संबित पात्रा ने कहा कि स्मित मच्छर ने करीब 180 से 200 लोगों की जान बचाई। उन्होंने कहा कि हर भारतीय ने अपने-अपने तरीके से उन्हें बधाई दी और उनके लिए प्रार्थना की।

चुनाव के पहले भाजपा के मोर्चों की नई टीम घोषित, अनस उस्मानी बने अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष

कौमी पत्रिका

लखनऊ। लंबे समय तक चिंतन-मंथन और लामबंदी के बाद प्रदेश भाजपा ने बृहस्पतिवार को विभिन्न मोर्चों के प्रदेश की नई टीम का एलान कर दिया है। इनमें किसान मोर्चा, महिला मोर्चा पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित मोर्चा शामिल है। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अनस साजिद उस्मानी को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही महिला, पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है। इन टीमों में दर्जनों जातियों के कार्यकर्ताओं को स्थान देकर पार्टी ने जातीय के साथ ही क्षेत्रीय समीकरणों का खास ख्याल रखा है। नई टीम में असंतुष्ट चल रहे पूर्व सांसद कौशल किशोर के पुत्र विकास किशोर को अनुसूचित मोर्चा में उपाध्यक्ष बनाकर उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश की गई है। वहीं, एमएलसी रामचंद्र प्रधान को भी पिछड़ा वर्ग मोर्चा में उपाध्यक्ष बनाया गया है। बता दें कि इन मोर्चों के अध्यक्षों की घोषणा तो काफी पहले हो गई थी, लेकिन आपसी खींचतान के चलते मोर्चो के नई टीम का गठन लटका हुआ था। कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही प्रदेश में के खाली चल रहे अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष पद पर अनस साजिद उस्मानी की नियुक्ति की गई है। ये अब तक प्रदेश मोर्चा में प्रदेश मंत्री थे। कानपुर के रहने वाले अनस भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तनवीर हैदर उस्मानी के पुत्र हैं। सभी मोर्चा के टीम में प्रदेश उपाध्यक्ष, महामंत्री और मंत्री के अलावा कोषाध्यक्ष, सह-कोषाध्यक्ष, मीडिया संयोजक व सह-संयोजक, कार्यालय मंत्री व सह मंत्री, शोध विभाग प्रमुख और सह प्रमुखों की भी नियुक्ति की गई है। मोर्चों की नई टीम में पार्टी ने सवर्ण. पिछड़े और दलित समाज से आने वाले दर्जनों जातियों को प्रतिनिधित्व देकर जातीय समीकरण का खास ख्याल रखा गया है। खास तौर से पिछड़ा वर्ग, महिला और किसान मोर्चा में जातीय समीकरण को साधने की कोशिश की गई है। टीम में बिंद, निषाद, जाट, लोध, मौर्य, शाक्य, गुर्जर, वैश्य, कुशवाहा, विश्वकर्मा, राजभर, निषाद, सैनी, पाल समेत दलित समाज के कई जातियों को स्थान दिया गया है। किसान मोर्चा और के प्रदेश अध्यक्ष की ओर से जारी टीम की सूची में 12 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री और 12 मंत्री बनाए गए हैं। इसी तरह अनुसूचित मोर्चा के अध्यक्ष अशोक रावत की टीम में जाटव, पासी, कोरी समेत दलित समाज की विभिन्न जातियों को शामिल किया गया है। इनमें भी 12 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री और 12 मंत्री बनाए गए हैं। वहीं महिला की मोर्चा की अध्यक्ष सरोज कुशवाहा की टीम में भी 12 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री और 11 मंत्री शामिल हैं।

'ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें, नहीं तो आंदोलन जारी रहेगा'

अभिजीत दीपके ने 2 अक्टूबर से देशभर में प्रदर्शन का किया ऐलान

एजेंसी

मुंबई। मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा कि CJP 2 अक्टूबर से मुंबई में प्रदर्शन शुरू करेगी और यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते। मुंबई प्रेस क्लब में गुरुवार को बातचीत के दौरान दीपके ने कहा कि CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर को मुंबई के दादर स्थित शिवाजी पार्क में प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद गोवा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में भी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। अगर CEC इस्तीफा नहीं देते हैं तो अक्टूबर के अंत से दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी प्रदर्शन करने की बात कही गई है।

राम मंदिर में तैनात सुरक्षाकर्मियों को जमा करना होगा मोबाइल

लखनऊ। राम मंदिर की सुरक्षा में तैनात करीब 440 निजी सुरक्षाकर्मियों के लिए ड्यूटी के आठ घंटे मोबाइल से पूरी तरह दूरी वाले होंगे। ड्यूटी शुरू होने से पहले मोबाइल जमा होगा और शिफ्ट पूरी होने के बाद ही वापस मिलेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि इस दौरान घर से कोई जरूरी खबर आए तो परिवार सुरक्षा कर्मी तक कैसे पहुंचेगा। इसके लिए मंदिर परिसर में आधिकारिक संपर्क व्यवस्था रखी गई है। कर्मियों ने अपने परिजनों को यात्री सेवा केंद्र का नंबर दे रखा है। परिवार में किसी की तबीयत खराब हो, बच्चे को कोई परेशानी हो या घर से कोई जरूरी सूचना देनी हो तो सीधे निजी मोबाइल पर संपर्क नहीं किया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में परिजन सेवा केंद्र के आधिकारिक नंबर पर फोन कर सकते हैं। वहां से संबंधित सुरक्षा कर्मी तक सूचना पहुंचाई जा सकेगी। राम मंदिर के नए सीईओ जितेंद्र मिश्र ने मंदिर में नई व्यवस्था लागू की है। राम मंदिर परिसर में एसआईएस के करीब 350 और बीपीआईएस सुरक्षा एजेंसी के करीब 90 सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। यात्री सुविधा केंद्र, सेवा केंद्र, दर्शन मार्ग समेत अलग-अलग महत्वपूर्ण स्थानों पर उनकी ड्यूटी लगाई गई है। सभी की आठ-आठ घंटे की शिफ्ट है। सुरक्षा व्यवस्था में मोबाइल प्रतिबंध का मकसद ड्यूटी के दौरान किसी तरह का ध्यान भटकाव रोकना है। सुरक्षा कर्मियों को आठ घंटे तक अपने निर्धारित प्वाइंट पर पूरी सतर्कता के साथ तैनात रहना होगा। साथ ही ड्यूटी पर आने और जाने की फेस रीडिंग से हाजिरी दर्ज हो रही है। इससे यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि कर्मचारी निर्धारित समय पर ड्यूटी पर पहुंचा और पूरी शिफ्ट तक तैनात रहा। यही नहीं सीईओ ने राममंदिर में तैनात कर्मियों की स्क्रीनिंग भी शुरू कराई है। कर्मचारियों का सत्यापन और पुलिस वेरीफिकेशन भी कराया जा रहा है। नई व्यवस्था का मकसद ड्यूटी के दौरान ध्यान भटकने की आशंका को खत्म करना है। सुरक्षाकर्मी मोबाइल में व्यस्त रहते थे, श्रद्धालुओं की मदद भी नहीं करते थे, खराब व्यवहार की भी शिकायत मिली थी, निगरानी में भी ढिलाई बरती जा रही थी। सुरक्षा प्वाइंट पर तैनात कर्मियों को लगातार अपने आसपास की गतिविधियों पर नजर रखनी होती है। ऐसे में मोबाइल का इस्तेमाल सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन सकता है। शिकायत के बाद यह नई व्यवस्था लागू की गई है।

सरकार ने दिया बेसिक शिक्षकों को तोहफा

कौमी पत्रिका

लखनऊ। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों का लगभग 10 साल से पदोन्नति का इंतजार खत्म होता दिख रहा है। बेसिक शिक्षा परिषद ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि वे जिलों में वरिष्ठता सूची तैयार करें। ऐसे में लगभग 70 हजार शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ मिल सकेगा। शिक्षकों के अनुसार 2016 के बाद परिषदीय विद्यालयों में पदोन्नति नहीं हुई है। यहां के शिक्षकों को प्राथमिक स्कूल में प्रधानाध्यापक या उच्च प्राथमिक स्कूल में सहायक अध्यापक पद पर प्रोन्नति मिलती है। ऐसे ही परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व उच्च प्राथमिक स्कूलों के सहायक अध्यापकों को उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नति दी जाती है। प्रदेश के 3.30 लाख शिक्षकों में से लगभग 70 हजार को प्रोन्नति का तोहफा मिलेगा। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत परिषदीय विद्यालयों में 150 छात्रों पर प्रधानाध्यापक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में 100 छात्रों पर प्रधानाध्यापक का पद स्वीकृत किया गया है। बेसिक शिक्षा परिषद सचिव सुरेन्द्र तिवारी की ओर से सभी बीएसए को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने जिलों में पदोन्नति के लिए शिक्षकों की वरिष्ठता सूची तैयार करें। वरिष्ठता सूची तीन सप्ताह में तैयार करनी है। परिषद के कार्यालय को शिक्षकों की वरिष्ठता सूची 23 अक्तूबर तक भेजनी होगी। उसके बाद नवंबर से पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। वहीं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शिव शंकर सिंह व प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजेश श्रीवास्तव ने कहा है कि लंबे समय से शिक्षक पदोन्नति की मांग कर रहे थे। अब शिक्षकों को इसका लाभ मिल सकेगा।

ट्विशा शर्मा सुसाइड- रिटायर्ड जज से सीबीआई ने हटाया दहेज उत्पीड़न का आरोप

भोपाल(एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ट्विशा शर्मा आत्महत्या मामले की आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ दहेज के लिए परेशान करने का आरोप हटा लिया है। गिरिबाला सिंह के वकील ने बुधवार को हाईकोर्ट को यह जानकारी दी, साथ ही अपनी मुवक्किल के लिए जमानत अर्जी भी दाखिल की। गिरिबाला सिंह अपने बेटे और ट्विशा के पति समर्थ सिंह के साथ फिलहाल जेल में हैं। इस नई जानकारी के बाद, हाईकोर्ट ने गिरिबाला सिंह के वकील को जमानत की संशोधित अर्जी दाखिल करने का निर्देश दिया है और मामले की अगली सुनवाई के लिए 8 अक्टूबर की तारीख तय की है। वकील सुरेंद्र सिंह ने कोर्ट को बताया कि 14 अगस्त को दाखिल चार्जशीट में सीबीआई ने गिरिबाला सिंह पर दहेज से जुड़े कोई आरोप नहीं लगाए हैं। चार्जशीट में कहा गया है कि गिरिबाला और समर्थ सिंह ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 85 (पति और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा क्रूरता और उत्पीड़न), 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और 3(5) (साझा इरादा) के तहत अपराध किए हैं। हालांकि, सीबीआई को दहेज के लिए उत्पीड़न से जुड़ा कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। मूल जमानत अर्जी में इस बात का जिक्र नहीं था कि सीबीआई ने उन पर दहेज से जुड़े आरोप नहीं लगाए हैं, जिसके चलते हाईकोर्ट ने संशोधित अर्जी दाखिल करने को कहा।

मंदिर में दो साधुओं की हत्या, शव जलाने का आरोप मुख्य आरोपी हिरासत में

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में मंदिर परिसर में दो साधुओं की हत्या और उनके शव जलाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मामला सूथा गांव का है। पुलिस ने घटना के सिलसिले में गांव के ही सुमित नामक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। मृतकों की पहचान साधु गोपालदास और उनके शिष्य बिहारीदास के रूप में हुई है। दोनों मंदिर परिसर में ही रहते थे। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार सुबह करीब सात बजे ग्रामीणों ने गांव के बाहर स्थित देवस्थान परिसर में दो शव जली हुई अवस्था में पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के कारण और घटना के समय से जुड़ी जानकारी स्पष्ट हो सके।

फीज बैंक खातों के इस्तेमाल की ममता बनर्जी गुट को नहीं मिली अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) गुट को करीब 804 करोड़ रुपये वाले चार फीज बैंक खातों को संचालित करने की अंतरिम अनुमति देने से इंकार किया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इंकार किया, जिसमें इन खातों के संचालन की मांग वाली याचिका पर अंतरिम राहत देने से मना किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मामले के गुण-दोष में नहीं जा रहा है और संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करना उचित नहीं समझता। अदालत ने कलकत्ता हाईकोर्ट से मामले की सुनवाई में तेजी लाने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत ने ध्यान में रखा कि चुनाव आयोग ने टीएमसी के मूल नाम और चुनाव चिह्न को लेकर अंतरिम कदम उठाया है। इसके बाद बैंक खातों में जमा रकम पर अधिकार किस गुट का है, यह बड़ा सवाल अभी विचाराधीन है। मामले से जुड़े चार बैंक खातों में करीब 804 करोड़ रुपये जमा हैं। इन खातों को पश्चिम बंगाल पुलिस ने डेबिट के लिए फीज किया था। ममता बनर्जी गुट ने खातों के संचालन की अनुमति मांगते हुए दावा किया था कि उन्हें फीज करने के आधार वाली एफआईआर में खामियां हैं। पार्टी की ओर से दलील दी गई कि खातों पर रोक से उसके कामकाज पर असर पड़ रहा है।

चुनावी सुधार पर सोनम वांगचुक... सभी को मिलकर करना होगा प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने चुनावी प्रक्रिया में सुधार को लेकर कहा कि इस दिशा में किसी एक व्यक्ति के बजाय सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करना होगा। यह प्रतिक्रिया कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके की उस अपील के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में सुधार होने तक विपक्षी दलों से चुनावों में हिस्सा नहीं लेने की बात कही थी। दीपके ने हाल में चुनाव आयोग को लेकर भी कई मांगें उठाकर विरोध का ऐलान किया है। वांगचुक ने पॉडकास्ट में चुनाव बहिष्कार के बजाय चुनावी प्रक्रिया को सुधारने के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को पूरी ताकत के साथ चुनावी प्रक्रिया को साफ करने के लिए काम करना चाहिए और इसके बाद चुनाव में जरूर हिस्सा लेना चाहिए। इस तरह उन्होंने चुनाव से दूरी बनाने के बजाय प्रक्रिया में सुधार के प्रयासों को प्राथमिकता देने की बात कही। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग से जुड़े आंदोलन के संदर्भ में जब पूछा गया कि क्या दीपके अपने दम पर यह लड़ाई लड़ सकते हैं, तब वांगचुक ने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति का मुद्दा नहीं होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली , एजेंसी।
सर्वोच्च न्यायालय ने संकेत दिया है कि वह दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ने के लिए तयशुदा घंटों की इजाजत दे सकता है, इस प्रकार उसने पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध या पूरी तरह से छूट दोनों की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने कहा कि किसी भी नियामक ढांचे में दिवाली से जुड़ी धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं के साथ-साथ वायु और ध्वनि प्रदूषण की चिंताओं, खासकर समाज के संवेदनशील तबके पर उनके असर को भी ध्यान में रखना होगा। पीठ ने स्पष्ट किया, हम पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाने जा रहे हैं। न ही हम दिन रात पटाखे फोड़ने की अनुमति देंगे। न्यायालय ने माना कि जहां पूर्ण प्रतिबंध जन भावनाओं को प्रभावित कर सकता है, वहीं बेलगाम उपयोग पर्यावरण और बुजुर्गों, बच्चों तथा बीमारों पर गंभीर बुरा असर डाल सकता है। न्यायालय ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से रिपोर्ट मिलने के बाद वह यह तय करने पर विचार करेगा कि पटाखों का इस्तेमाल किन खास समय-सीमाओं के दौरान किया जा सकेगा।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सीपीसीबी को बेरियम आधारित पटाखों पर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय देने का अनुरोध किया, यह बताते हुए कि ऐसे पटाखों का खुले में परीक्षण अभी बाकी है। भाटी ने यह भी सुझाव दिया कि संयुक्त पटाखों या 'लड़ी' के निर्माण की अनुमति कुछ शर्तों के अधीन दी जा सकती है। अदालत ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के पक्ष में संकेत दिया, अपने आदेश में लिखा, सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने संयुक्त पटाखों से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की। हम दिए गए सुझावों को स्वीकार करने के पक्ष में हैं। अदालत 2015 से लंबित उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य राज्यों में उस अवधि के दौरान पटाखों पर प्रतिबंध से संबंधित मांग की गई है जब वायु प्रदूषण का स्तर आमतौर पर खराब हो जाता है। राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग को नियंत्रित करने के लिए अदालत पिछले कई वर्षों में कई आदेश पारित कर चुकी है। लगातार खराब वायु गुणवत्ता को देखते हुए पहले दिल्ली में पटाखों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया था, हालांकि पिछले साल सर्वोच्च न्यायालय ने दिवाली के आसपास सीमित अवधि के लिए दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री और उपयोग की अनुमति दी थी। इस वर्ष जुलाई और अगस्त में पीठ ने सीपीसीबी से राय मांगी थी कि क्या पटाखों की कुछ श्रेणियों के लिए प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है।

राहुल गांधी मानहानि मामले में फिर टली सुनवाई

सुल्तानपुर (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में बृहस्पतिवार दो बजे सुनवाई टल गई। परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने अस्वस्थ होने का हवाला दिया, जिस पर कोर्ट ने छह अक्टूबर सुनवाई की तिथि नियत की है। इससे पहले 21 सितंबर को अधिवक्ता संतोष पांडेय ने आंशिक बहस की जो पूरी नहीं हो पाई। वहीं राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ल ने बताया कि परिवादी की बहस पूरी होने पर वे बहस करेगें। राहुल गांधी पर वर्ष 2018 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बेंगलुरू में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। राहुल गांधी के खिलाफ चार अगस्त 2018 को जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने मानहानि का परिवाद कोर्ट में दायर किया था। 27 नवंबर 2023 को कोर्ट ने राहुल गांधी को विचारण के लिए अदालत में तलब किया था। इसके बाद राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को कोर्ट में हाजिर होकर जमानत कराई थी। 25-25 हजार के दो जमानतदार उन्होंने लगाए थे। 26 जुलाई 2024 को कोर्ट में राहुल गांधी का बयान दर्ज हुआ था। दोबारा 20 फरवरी 2026 को सीआरपीसी की धारा 313 बयान दर्ज कराया था। इसके बाद परिवादी विजय मिश्र ने राहुल गांधी की वायस सैम्पल का मिलान कराने के लिए अर्जी दी थी, जिसे ट्रायल कोर्ट ने दो मई को खारिज कर दिया था। इसके खिलाफ दायर निगरानी अर्जी भी सेशन कोर्ट से 15 जुलाई को खारिज कर दी गई थी। राहुल गांधी के वायस सैम्पल का विधि विज्ञान प्रयोगशाला से मिलान कराने की अर्जी ट्रायल कोर्ट व सेशन कोर्ट से खारिज होने के आदेश को चुनौती देने वाली परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र की याचिका हाईकोर्ट ने भी सितम्बर माह में खारिज कर दी थी।

विजय पर कनिमोझी का तंज, सी-फेसिंग ऑफिस से शायद प्रधानमंत्री बनने की चाह'

चेन्नई , एजेंसी।
तमिलनाडु में प्रस्तावित नए सचिवालय को लेकर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और विपक्ष के बीच विवाद तेज हुआ है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए परियोजना को उनके ज्योतिषी रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल से जोड़ा है। उन्होंने व्यंग्य कर कहा कि संभव है ज्योतिषी ने विजय से कहा हो कि समुद्र की ओर देखने से वह मुख्यमंत्री बने हैं और फिर समुद्र की ओर देखने से प्रधानमंत्री बन सकते हैं। कनिमोझी ने यह टिप्पणी डीएमके के एक कार्यक्रम में की।

विजय सरकार ने चेन्नई के पट्टिनापक्कम में करीब 26.36 एकड़ जमीन पर नए विधानसभा-सह-सचिवालय परिसर की योजना बनाई है। प्रस्तावित 15 मंजिला परिसर का निर्मित क्षेत्र करीब 20 लाख वर्ग फुट और अनुमानित लागत 1,200 करोड़ रुपये है। परियोजना के लिए तमिलनाडु हाउसिंग बोर्ड और अन्य सरकारी जमीन के इस्तेमाल की योजना है।

इस परियोजना का मछुआरा समुदाय और विपक्षी दल विरोध कर रहे हैं। मछुआरों का कहना है कि प्रस्तावित स्थल उनके पारंपरिक रोजगार और तटीय गतिविधियों से जुड़ा है। रिपोर्टों के अनुसार, पट्टिनापक्कम और आसपास के इलाकों में करीब 1,500 मछुआरा परिवार क्षेत्र का इस्तेमाल नाव रखने, जाल सुखाने और उनकी मरम्मत जैसे कामों के लिए करते हैं। परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं।

नए सचिवालय की योजना को लेकर मद्रास हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की गई है, जिसमें परियोजना पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका में सरकारी खर्च, मछुआरों की आजीविका और तटीय पर्यावरण को लेकर सवाल उठाए गए हैं। रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल को विजय का करीबी और ज्योतिषी बताया जाता है। मई में विजय सरकार ने उन्हें मुख्यमंत्री के ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) के रूप में नियुक्त किया था, लेकिन राजनीतिक विरोध के बाद अगले ही दिन नियुक्ति रद्द कर दी गई थी।

सीजेपी प्रमुख दीपके का मास्क वीडियो वायरल, दिया बड़ा संदेश

मुंबई में सीईसी के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी

मुंबई, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके इन दिनों अपनी पार्टी के आगामी आंदोलन की तैयारियों के सिलसिले में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हैं। यह आंदोलन 2 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित है, जिसके लिए कॉकरोचों को शिवाजी मैदान में शाम 4 बजे एकत्रित होने का आह्वान किया गया है। इसी बीच, दीपके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह रुमाल का नकाब बांधे सड़क पर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी नाम का सोशल मीडिया हैंडल बनाने के बाद से अभिजीत दीपके रातों-रात खासे मशहूर हो गए हैं। सोशल मीडिया पर उनके करोड़ों फॉलोअर्स हैं। जहां एक ओर उनके प्रशंसकों की एक विशाल फौज है, वहीं आलोचकों की भी कमी नहीं। ऐसे में दीपके के लिए अब आम लोगों की तरह खुलकर घूमना-फिरना मुश्किल हो गया है। हाल ही में मुंबई में ट्रैफिक जाम के कारण जब उनकी गाड़ी आगे नहीं बढ़ पा रही थी, तो दीपके ने इस मौके को अपने लिए एक अवसर में बदल दिया। उन्होंने चेहरे पर रुमाल से नकाब बांधा और चेहरा छिपाकर सड़क पर पैदल चलने का लुत्फ लेने लगे। सीजेपी प्रमुख के किसी साथी ने इस पल को कैमरे में कैद किया और उनसे उनके अनुभव के बारे में पूछा। दीपके कई महीनों बाद इस तरह अकेले सड़क पर चलकर बेहद खुश हुए। उन्होंने इसे मस्त अनुभव बताया और कहा, मैं कई महीने बाद इस तरह सड़क पर चल रहा हूं। थैंक्स टू रोड ब्लॉक, यहां एक रोड ब्लॉक हुआ था इसलिए हमें कार से उतरकर पैदल चलना पड़ रहा है। कोई नहीं है साथ में, अच्छा लग रहा है। इससे पहले नीट पेपर लीक मामले में दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक चले आंदोलन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया था। इस सफलता से सीजेपी के हौसले बुलंद हैं। अब संगठन ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाने की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर को मुंबई के शिवाजी मैदान में होगी। सीजेपी ज्ञानेश कुमार से एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाकर उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। हालांकि, मुंबई पुलिस ने शिवाजी मैदान में आंदोलन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है, लेकिन सीजेपी अभी भी वहीं प्रदर्शन करने पर अड़ी है। संगठन मुंबई चलो के नारे के साथ लगातार पोस्टर साझा कर रहा है। मुंबई के बाद देश के अन्य शहरों और राजधानी दिल्ली में भी आंदोलन चलाने की बात कही गई है।

राहुल गांधी को गिरिराज की चुनौती....अपने दम पर यूपी चुनाव लड़कर दिखाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधकर उन्हें उत्तर प्रदेश में अपने दम पर चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं। बीजेपी नेता सिंह ने कहा कि राहुल गांधी में अपने दम पर चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है और यदि वह उत्तर प्रदेश में बिना गठबंधन के मैदान में उतरते हैं, तब कांग्रेस प्रत्याशियों की जमानत जप्त होगी। उन्होंने विपक्षी दलों पर बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उनके इन दावों की राजनीतिक विपक्ष की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रिया रही है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संभावित गठबंधन पर बातचीत कर रही हैं। दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे और चुनावी रणनीति को लेकर मतभेदों की खबरें सामने आई हैं, हालांकि दोनों पक्षों ने गठबंधन की संभावनाओं को लेकर बातचीत जारी रखी है।

वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक के संदर्भ में टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि अलग-अलग विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के कारण एक साथ आ रहे हैं। 30 सितंबर को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की थी।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने सोनिया गांधी की ओर से नीतीश कुमार को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देकर आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता के बजाय राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की कोशिश को समझ लिया था। यह टिप्पणी उन्होंने विपक्षी गठबंधन की राजनीति के संदर्भ में की। कैप्टन स्मित माछर की बहादुरी का जिक्र कर गिरिराज सिंह ने उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि माछर ने संकट की स्थिति में साहस दिखाकर लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इससे देश का गौरव बढ़ा है।

विपक्ष ने 'वोट चोरी' और ईवीएम के खिलाफ छेड़ा राष्ट्रव्यापी अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी।
विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने बुधवार को 'वोट चोरी' और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी कथित अनियमितताओं के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प लेते हुए देशव्यापी अभियान चलाने और निर्वाचन आयोग के मुख्यालय तक विपक्षी सांसदों का मार्च निकालने का फैसला किया। गठबंधन ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की जगह मतपत्रों से चुनाव कराने की भी मांग की। गठबंधन के 19 घटक दलों के नेताओं ने तीन घंटे से अधिक समय तक मंथन के बाद छह-सूत्री साझा कार्ययोजना पर सहमति जताई। इसके तहत आगामी 2 से 8 अक्टूबर तक जिला स्तर पर 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च निकाले जाएंगे। 6 अक्टूबर को विपक्षी सांसद निर्वाचन आयोग तक मार्च करेंगे और अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगेंगे। विपक्षी दलों की ओर से 5 बड़ी रैलियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें 1 नवंबर को दिल्ली में विशाल रैली भी शामिल है।

विपक्षी नेताओं ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया कि वह एसआईआर और चुनाव संबंधी सभी लंबित मामलों का जल्द निपटारा करे। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह निर्वाचन आयोग का इस्तेमाल 'कठपुतली' की तरह कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल भारतीय संविधान के 'सामूहिक रक्षक' हैं और वे मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि विपक्षी दल आने वाले कुछ महीनों में देश में महत्त्वपूर्ण बदलाव लाएंगे। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 'चोर और डाकू' बताते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में 'वोट चोरी' की गई और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम जलाकर सबूत नष्ट करने की कोशिश की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और ममता बनर्जी सहित विभिन्न विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ऑनलाइन माध्यम से अपने सुझाव साझा किए। आम आदमी पार्टी और द्रमुक बैठक में शामिल नहीं हुए, लेकिन उन्होंने वैचारिक रूप से गठबंधन के साथ होने की बात कही। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने राज्यसभा उम्मीदवारों के नामांकन के कारण अनुपस्थित रहे। वाम दलों ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ आंदोलन को 'इंडिया' गठबंधन तक सीमित नहीं रखने की अपील की, बल्कि सभी गैर-राजग दलों, नागरिक समाज, कलाकारों और प्रमुख हस्तियों को इसमें शामिल करने का आह्वान किया। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब मतदाता सूची के 'एसआईआर' में कथित अनियमितताओं को लेकर निर्वाचन अधिकारियों की आपत्तियों से संबंधित खबरें सामने आई थीं।

यूपी में 'अल नीनो' का नहीं रहा असर, जमकर बरसे बादल, 18 साल का रिकॉर्ड टूटा

लखनऊ, एजेंसी।
उत्तर प्रदेश में इस साल मॉनसून की बारिश को लेकर लगाया गया पूर्वानुमान गलत साबित हुआ है। 'अल नीनो' के प्रभाव के चलते राज्य में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका निर्मूल साबित हुई और राज्य के कई जिलों में जून से सितंबर तक के मॉनसून सीजन के प्रमुख चार महीनों में पिछले 18 सालों में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। राज्य के 37 जिलों में औसत से कम बारिश हुई, जबकि 37 जिलों में औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के मुताबिक, एक जून से 30 सितंबर के बीच उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में औसत बारिश सामान्य से 8 फीसदी अधिक हुई। इस दौरान राज्य के हर जिले में औसत बारिश 802.9 मिलीमीटर हुई, जबकि सामान्य बारिश 746.2 मिलीमीटर होती है। साल 2008 के बाद यह पहली बार है जब यूपी के हर जिले में औसत से ज्यादा बारिश हुई है। सन 2008 में सामान्य से 12 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई थी।

यूपी में में इस बार मॉनसून करीब दो सप्ताह की देरी से पहुंचा था। इसके चलते मानसून की शुरुआत कमजोर रही। इससे जून में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद जुलाई माह में मॉनसून की हवाएं कमजोर रहीं जिससे हर जिले में औसत बारिश 43.7 मिलीमीटर हुई। इससे जून की तुलना में बारिश की स्थिति में थोड़ा सुधार आया था। जून में औसत से 54 और जुलाई में 17 प्रतिशत कम बारिश हुई थी। अगस्त में हुई 24 प्रतिशत अधिक बारिश ने कमी पूरी की। अगस्त में मानसून के लिए अनुकूल स्थितियां बनने से औसत बारिश 291.3 मिलीमीटर हो गई। इसके बाद सितंबर में भी यह तेजी बनी रही और 250.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के सीनियर साइंटिस्ट मोहम्मद दानिश के अनुसार, बाद के दो महीनों में हुई ज्यादा बारिश ने शुरुआती दो महीनों की कमी पूरी कर दी।

इस मॉनसून सीजन में उत्तर प्रदेश के नौ जिलों बांदा, चित्रकूट, कन्नौज, कानपुर शहर, एटा, हमीरपुर, महोबा, मेरठ और संभल में 60 प्रतिशत से अधिक बारिश दर्ज की गई। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और बरेली सहित 17 अन्य जिलों में 20 फीसदी से 59 फीसदी तक अधिक बारिश दर्ज की गई। यूपी के अयोध्या, बाराबंकी, बस्ती, सीतापुर, रायबरेली और उन्नाव सहित 29 जिलों में बारिश सामान्य रही।

दिल्ली-एनसीआर में इस साल एक्यूआई पांच सालों में सबसे कम, सितंबर में 102 रहा

-2025 में 105, 2024 में भी 105, 2023 में 108 और 2022 में 104 रहा था

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर की हवा में सुधार का ट्रेंड जारी है। राजधानी ने इस साल 2026 के सितंबर महीने में पिछले पांच सालों का सबसे कम एक्यूआई दर्ज किया। आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2026 में दिल्ली का मासिक औसत एक्यूआई 102 रहा, जबकि 2025 में 105, 2024 में भी 105, 2023 में 108 और 2022 में 104 रहा था यानी इस बार सितंबर की हवा पिछले पांच सालों की तुलना में सबसे साफ रही।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ सितंबर ही नहीं, पूरे साल की हवा भी बेहतर है। जनवरी से सितंबर 28 तक की अवधि में इस साल 194 दिन ऐसे रहे जब दैनिक औसत एक्यूआई 200 से कम रहा। इससे पहले 2025 में 187 दिन, 2024 में 188 दिन, 2023 में 193 दिन और 2022 में सिर्फ 146 दिन ही हवा इस श्रेणी में थी। वहीं, खराब हवा वाले दिनों में भी बड़ी गिरावट आई है। जनवरी से सितंबर 2026 में खराब से लेकर बेहद खराब प्लस वाले दिन सिर्फ 79 दिन रहे, जो पिछले पांच सालों में सबसे कम रहे हैं। 2025 में 86 दिन, 2024 में 86 दिन, 2023 में 80 दिन और 2022 में 127 दिन हवा बहुत खराब श्रेणी में रही थी।

रिपोर्ट के मुताबिक पीएम2.5 के स्तर में भी सुधार देखा गया है। जनवरी से सितंबर तक दिल्ली में पीएम2.5 का औसत 69 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो 2022 के बाद से सबसे कम है। पिछले साल 2025 में भी 69 था, 2024 में 81, 2023 में 73 और 2022 में 80 माइक्रोग्राम था। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने कहा कि वह दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर काम कर रहा है और आने वाले दिनों में हवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है।

सुपरटेक का दावा, 15 हजार खरीदार अब भी कर रहे घर का इंतजार

नई दिल्ली। दिवालियापन प्रक्रिया का सामना कर रही संकटग्रस्त रियल्टी फर्म सुपरटेक लिमिटेड ने पिछले तीन वर्षों में 6,121 फ्लैट अपने ग्राहकों को सौंपे हैं। कंपनी के पूर्व निदेशक आरके अरोड़ा ने बताया कि ये इकाइयां 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) की ओर से नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की देखरेख में सौंपी गई हैं। हालांकि, अभी भी 15,000 फ्लैट सौंपे जाने बाकी हैं। 25 मार्च 2022 को एनसीएलटी ने सुपरटेक लि. को कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में भेजा था। इसके खिलाफ प्रमोटर ने राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) में अपील दायर की। जून 2022 में एनसीएलएटी ने केवल परियोजना के लिए लेनदारों की समिति (सीओसी) गठित करने का निर्देश दिया, जबकि अन्य परियोजनाओं को पूर्व प्रबंधन द्वारा अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) की देखरेख में पूरा करने का आदेश दिया गया। सोमवार को एक बयान में, सुपरटेक लि. के निलंबित बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष आरके अरोड़ा ने कहा कि कंपनी ने 10 जून, 2022 से रिवर्स दिवालियापन के दौरान 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं में 6,121 फ्लैट सौंपे हैं। ये परियोजनाएं नोएडा, ग्रेटर नोएडा और मेरठ में हैं। यह उपलब्धि कंपनी के पूर्व प्रबंधन ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की निगरानी में हासिल की है। अरोड़ा ने बताया कि कंपनी अगले तीन महीनों में 1,000 और फ्लैट सौंपने की योजना बना रही है। अरोड़ा ने बताया कि सुपरटेक और एपेक्स हाइट्स प्रा. लि. ने संयुक्त रूप से सुप्रीम कोर्ट में 16 निर्माणाधीन परियोजनाओं को सह-डेवलपर के रूप में पूरा करने के लिए एक समाधान योजना पेश की है। इस योजना के तहत, एपेक्स हाइट्स 12 महीनों में 500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश निर्माण कार्य पूरा करने, इकाइयां आवंटियों को सौंपने, और ऋणदाताओं व भूमि प्राधिकरणों को भुगतान करने के लिए होगा। दो वर्ष में परियोजनाएं पूरी करने का लक्ष्य : अरोड़ा ने कहा कि यदि सुप्रीम कोर्ट इस संयुक्त समाधान योजना को मंजूरी देता है, तो सभी 16 परियोजनाएं दो वर्षों में पूरी हो सकती हैं। यह खरीदारों के लिए एक बड़ी राहत होगी, जो लंबे समय से अपनी इकाइयों का इंतजार कर रहे हैं। इस योजना से कंपनी की वित्तीय स्थिति को भी स्थिर करने में मदद मिल सकती है। पिछले महीने, एनसीएलएटी ने सुपरटेक ग्रुप की कंपनी, सुपरटेक रियलटर्स के खिलाफ दिवालियापन कार्यवाही का रास्ता साफ किया। यह कंपनी नोएडा में सुपरनोवा परियोजना विकसित कर रही है, जिसमें आवासीय फ्लैट, कार्यालय, रिटेल स्थान और एक लक्जरी होटल शामिल हैं। भविष्य पर और स्पष्टता की उम्मीद है। सुपरटेक की यह प्रगति उन खरीदारों के लिए उम्मीद की किरण है जो वर्षों से अपने घर का इंतजार कर रहे हैं। कंपनी का अगले तीन महीनों में 1,000 और फ्लैट सौंपने का लक्ष्य और सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत समाधान योजना खरीदारों को राहत दे सकती है। हालांकि, 15,000 फ्लैट के सौंपे जाने का इंतजार अभी भी एक बड़ी चुनौती है।

दिल्ली में अदृश्य दुश्मन: हवा में उड़ रहा घातक बैक्टीरिया

नई दिल्ली। दिल्ली की हवा लंबे समय से प्रदूषण के लिए कुख्यात रही है, लेकिन अब एक नए अध्ययन ने और भी गंभीर खतरे का खुलासा किया है। हवा में न केवल धूल और जहरीली गैसें, बल्कि रोग पैदा करने वाले बैक्टीरिया भी बड़ी मात्रा में मौजूद हैं, जो दिल्लीवासियों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर रहे हैं। ये बैक्टीरिया सांस के जरिए शरीर में प्रवेश कर फेफड़ों, पेट, त्वचा और मुंह से जुड़ी कई बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। बोस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों की तरफ से किए गए एक ताजा शोध ने दिल्ली की हवा में खतरनाक बैक्टीरिया की मौजूदगी को उजागर किया है। यह शोध एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन के अनुसार, दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हवा में रोगजनक बैक्टीरिया की मात्रा ग्रामीण या कम भीड़ वाले इलाकों की तुलना में दोगुनी है। ये बैक्टीरिया सांस, पेट, त्वचा और मुंह से संबंधित कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद पीएम2.5 कण, जो बेहद सूक्ष्म धूलकण हैं, बैक्टीरिया के लिए वाहक का काम करते हैं। ये कण बैक्टीरिया को हवा में लंबी दूरी तक ले जाते हैं और सांस के जरिए हमारे फेफड़ों तक पहुंचाते हैं। इस तरह, पीएम2.5 न केवल प्रदूषण, बल्कि बैक्टीरिया के प्रसार का भी माध्यम बन रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली एक है, जो सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में बसी है, जहां घनी आबादी और प्रदूषण की समस्या पहले से ही गंभीर है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण तापमान में गिरावट और हवा की गति कम होने से प्रदूषक कण और बैक्टीरिया हवा में फंस जाते हैं। नमी का बढ़ना इन बैक्टीरिया के लिए अनुकूल माहौल बनाता है, जिससे ये लंबे समय तक हवा में जीवित रहते हैं। अध्ययन के मुताबिक, सर्दियों में गर्मियों की ओर मौसम बदलने के दौरान, खासकर धुंध या हल्की बारिश के समय, बैक्टीरिया सबसे ज्यादा सक्रिय होते हैं। इस दौरान हवा में नमी और प्रदूषण का मिश्रण बैक्टीरिया के लिए आदर्श स्थिति बनाता है, जिससे ये लंबे समय तक जीवित रहते हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। दिल्ली में हर दिन करोड़ों लोग प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं। इस हवा में बैक्टीरिया की मौजूदगी स्वास्थ्य के लिए दोहरा खतरा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि प्रदूषण और बैक्टीरिया के इस संयुक्त खतरे से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। प्रदूषण नियंत्रण, बेहतर स्वच्छता और सार्वजनिक जागरूकता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। साथ ही, व्यक्तिगत स्तर पर मास्क पहनना, घर के अंदर हवा को शुद्ध करने वाले उपकरणों का उपयोग और स्वच्छता बनाए रखना जैसे कदम इस खतरे को कम करने में मददगार हो सकते हैं।

13 की उम्र में पहली हत्या 16 में बन गया शातिर, नाबालिग ने खेला खूनी खेल

नई दिल्ली। मालवीय नगर में खूनी खेल को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी नाबालिग है। 13 साल की उम्र में हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले 16 वर्षीय नाबालिग पर कत्ल, हत्या का प्रयास समेत पांच मामले दर्ज हैं। आरोपी नाबालिग ने रंजिश में चार युवकों की मदद से मौसेरे भाइयों पर चाकू से हमला कराया, जिसमें एक भाई की जान चली गई। हमले का मास्टर माइंड खुद की पिटाई का वीडियो दोनों मौसेरे भाइयों की ओर से इंस्टाग्राम में डाले जाने से नाराज था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि अब तक मुख्य आरोपी सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दिल्ली के मालवीय नगर में चार नाबालिगों ने दो मौसेरे भाई विवेक (19) और अमन (21 साल) पर शुक्रवार रात चाकूओं से हमला किया था। घटनास्थल पर चारों ओर खून ही खून बिखर गया। विवेक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि अस्पताल में भर्ती अमन की हालत गंभीर है। पुलिस के आला अधिकारी ने बताया कि मालवीय नगर में दोनों भाइयों और मुख्य आरोपी का इंस्टाग्राम एकाउंट है। इस खूनी खेल का मुख्य आरोपी नाबालिग है और बदमाशी में पूरे मालवीय नगर में प्रसिद्ध है। करीब एक माह पहले विवेक ने अपने साथियों के साथ उसे पीट दिया था और इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर डाल दिया था। वीडियो के वायरल होने पर नाबालिग की दादागिरी कम हो रही थी और उसकी बेइज्जती होने लगी थी। इससे नाराज होकर उसने दोनों भाइयों से बदला लेने का फैसला किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मुख्य नाबालिग आरोपी ने चारों नाबालिगों को निर्देश दिए थे कि विवेक और अमन पर तब तक चाकुओं से हमला करना है जब तक मौत न हो जाए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार साजिश का आरोपी नाबालिग हाल में साथियों के साथ कांवड़ लेने गया था। इस दौरान वह हरिद्वार से छह धारदार चाकू लेकर आया था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि हर बार हरिद्वार से चाकू लेकर आता था।

शाहदरा में महिला का फोन छीनने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके में महिला का मोबाइल फोन छीनने और भागते समय मोटरसाइकिल में टक्कर मारने के मामले में दो आरोपियों मोहम्मद राशिद उर्फ साहिल और फैसल को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वारदात के समय वे नशे की हालत में थे। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पेशे से ड्राइवर हैं और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। शाहदरा जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला से मोबाइल छीनने की घटना 30 अगस्त को उस समय हुई जब शिकायतकर्ता रोशनी काम पर जा रही थीं। उसी दौरान सफेद रंग के स्कूटी पर सवार दो युवकों ने उनका फोन छीन लिया और भाग गए। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पीड़िता के शोर मचाने पर बाइक सवार ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उसकी बाइक में टक्कर मार दी और भागने में सफल हो गए। सीसीटीवी फुटेज की जांच में स्कूटी का नंबर सीलमपुर निवासी मोहम्मद नदीम अहमद के नाम शाहदरा जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला से मोबाइल छीनने की घटना 30 अगस्त को उस समय हुई जब शिकायतकर्ता रोशनी काम पर जा रही थीं। उसी दौरान सफेद रंग के स्कूटी पर सवार दो युवकों ने उनका फोन छीन लिया और भाग गए। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि पीड़िता के शोर मचाने पर बाइक सवार ने पर पंजीकृत पाया गया। पूछताछ के दौरान नदीम ने बताया कि उसने स्कूटी अपने परिचित मोहम्मद राशिद को दी थी। इसके आधार पर न्यू सीलमपुर में छापा मारकर दोनों को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिला का मोबाइल फोन, सिम कार्ड और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की गई।

साइकिल पर प्रचार कर पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में महज 17 दिन का समय शेष है। ऐसे में संभावित प्रत्याशी प्रचार के अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। प्रशासन की सख्ती और डूसू चुनाव को स्वच्छ व हरित बनाने में प्रत्याशी लगे हैं। इसी कड़ी में एबीवीपी के संभावित प्रत्याशियों ने सोमवार को प्रचार करने के लिए साइकिल का सहारा लिया। कैंपस को स्वच्छ व हरित बनाने के लिए एबीवीपी संभावित प्रत्याशियों ने कैंपस में साइकिल रैली निकाल कर प्रचार किया। यह रैली विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन से शुरू हुई और रामजस कॉलेज, हिन्दू कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज व दौलत राम कॉलेज से होते हुए कला संकाय पर जाकर संपन्न हुई। एबीवीपी ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और पर्यावरण अनुकूल ही संपन्न होने चाहिए। एबीवीपी के सभी संभावित प्रत्याशी दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा जारी दिशा निर्देश का पालन करते हुए चुनाव प्रचार विभिन्न कॉलेजों में कर रहे है और छात्रों से मिलकर उन्हें एबीवीपी-डूसू के कार्यों व उपलब्धियों से अवगत करा रहे हैं। इसके साथ ही आगामी छात्रसंघ चुनाव के प्रति मतदाताओं को जागरूक कर रहे हैं।

हम हिंदू हैं, बहन मान जाओ ये कह डेढ़ मिनट में भाई ने घोंटा गला

फतेहपुर। बहन...हम लोग हिंदू हैं। दूसरे समुदाय में शादी नहीं हो सकती है। अब, तो तुम्हारी शादी भी हो चुकी है। तुम अपने पति के घर की लक्ष्मी हो। वहीं रहो...और खुशी-खुशी जीवन बिताओ। बहन मान जाओ, प्रेमी के पास मत जाने की सोचो। साहब! इसी तरह मैंने बहन को खूब समझाया। जब वह नहीं मानी तो उसका गला घोंट दिया और फिर शव को कुएं में फेंक दिया। ये बातें पुलिस के सामने आरोपी भाई ने कबूलीं। थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा में बहन को मौत के घाट उतारने के बाद पुलिस की पूछताछ में आरोपी भाई संदीप ने बताया कि बहन का प्रेमी विशेष समुदाय के कसाई बिरादरी का है। हम हिंदू यादव हैं। वह और परिवार के लोग किसी हालत में इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर सकते थे। वह और परिवार के लोग किसी हालत में इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर सकते थे। आरोपी ने बताया कि अहमदाबाद से लौटकर बहन की ससुराल पहुंचा था। यहां उसने समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं मानी और वहां भी हंगामा करती रही। बाद में वह बहन को साथ घर ले जाने लगा और रास्ते में भी समझाता रहा। इसके बाद भी वह मानने को तैयार नहीं थी। इसी दौरान गुस्से में उसने हत्या कर दी और बाद में शव को कुएं में फेंक दिया। आरोपी ने यह भी कहा कि पहले वह भागना चाहता था लेकिन बाद में उसे लगा कि इससे शक परिवार और ससुराल वालों पर जाएगा। इसलिए वह खुद पुलिस के पास चला गया। आरोपी ने बताया कि वह बहन को समझाने से थक गया था। रास्ते में अचानक गुस्से में उसने जोर से चिल्लाया और उसका गला दबाकर खेत में गिरा दिया। जान बचाने के लिए वह हाथ-पैर चलाकर छटपटाती रही लेकिन करीब डेढ़ मिनट बाद उसकी सांसें थम गईं। परिजन के अनुसार करीब तीन साल से युवती का गांव के एक विशेष समुदाय के युवक से प्रेम संबंध था। पिता शिव सिंह यादव ने बताया कि घर मुख्य मार्ग पर होने के कारण युवक का आना-जाना था। इसी दौरान उसने बेटी से संपर्क बढ़ाया और बाद में फोन पर बातचीत शुरू हो गई। परिवार का आरोप है कि धीरे-धीरे उसका ब्रेनवॉश कर दिया गया। इससे वह परिवार की बात मानने को तैयार नहीं थी। बाद में उसकी शादी कर दी गई थी लेकिन स्थिति नहीं बदली। पिता ने बताया कि घटना से पहले रात में बेटे से कई बार फोन पर संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उसका फोन बंद आ रहा था। रिश्तेदारों और आसपास गांव में भी तलाश की गई। इसके बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। सुबह ग्रामीणों से घटना की जानकारी मिली। परिजन का आरोप है कि तीन दिन पहले युवती के प्रेमी ने पुलिस चौकी में उसकी जान को खतरे की शिकायत दी थी। पिता शिव सिंह यादव ने बताया कि इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि चौकी प्रभारी अरुण मौर्या ने कहा है कि उनके पास ऐसा कोई शिकायती पत्र नहीं आया है। थरियांव थाने के हसवा कस्बे के चौधराना मोहल्ले में 16 जनवरी को प्रेम संबंध के चलते हुए दोहरे हत्याकांड की घटना की यादें एक बार फिर ताजा हो गई हैं। इस वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया था और लोग अभी तक उसे भूले नहीं थे। चौधराना मोहल्ला निवासी दिलदार कुरैशी ने अपनी सगी भाभी जिकरा और दोस्त फैजान की चापड़ व चाकू से हत्या कर दी थी। वारदात के बाद वह पुलिस चौकी पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया था। हमले के दौरान बहन पर भी चाकू से हमला किया गया था। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अवैध संबंधों को लेकर हत्या की बात स्वीकार की थी। अब एक बार फिर हसवा क्षेत्र में भाई द्वारा बहन की हत्या की घटना सामने आने से लोग उस पुराने हत्याकांड को याद कर रहे हैं। पांच माह के भीतर रिश्तों के कत्ल की दूसरी बड़ी वारदात से क्षेत्र में दहशत और स्तब्धता का माहौल है। शादी के बाद विशेष समुदाय के युवक के साथ रहने की जिद पर अड़ी युवती की शुक्रवार रात भाई ने गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को कुएं में फेंक दिया और पूरी रात जंगल में बिताई। शनिवार सुबह करीब आठ बजे आरोपी स्वयं पुलिस चौकी पहुंचा और बहन की हत्या करने की बात कबूल कर ली। यह सुनकर पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। इसके बाद फौरन दमकल टीम की मदद से शव को कुएं से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा कस्बा निवासी शिव सिंह यादव उर्फ कल्लू की पुत्री की शादी एक मई को राधानगर थाना क्षेत्र के सोनहीं बड़नपुर निवासी पिंटू उर्फ अजय के साथ हुई थी। शादी के बाद वह पहली बार चौथी पर मायके आई थी। परिजन ने बताया कि 13 मई की रात वह गांव के रहने वाले प्रेमी विशेष समुदाय के युवक के साथ चली गई थी। इसकी सूचना चौकी पुलिस को दी गई थी। करीब तीन दिन बाद 16 मई को परिजन उसे खोजकर घर ले आए। इसकी जानकारी ससुराल पक्ष को होने के बाद दोनों के बीच पंचायत हुई। समझौते के बाद युवती की विदाई कर दी गई लेकिन ससुराल में भी उसकी प्रेमी से बातचीत जारी रही। इसकी जानकारी अहमदाबाद में मजदूरी करने वाले भाई संदीप को हुई। वह 10 जून को बहन की ससुराल पहुंचा और दो दिन तक वहीं रुका। यहां भाई से बहन प्रेमी के साथ रहने की जिद करती रही। शुक्रवार देर शाम संदीप बहन को गांव ले जाने के बहाने बिलंदा लेकर पहुंचा। टैक्सी से उतरने के बाद दोनों पैदल गांव की ओर जा रहे थे। परिजन ने बताया कि हसवा कस्बा स्थित गुड्डू सिंह के खेत के पास संदीप ने गुस्से में आकर बहन का गला दबा दिया। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसने शव को कुएं में फेंक दिया। दूसरे समुदाय के युवक से युवती के प्रेम संबंध थे। युवती ससुराल में नहीं रहना चाहती थी।

इसी बात से नाराज होकर भाई ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

NAME CHANGE
I SHUCHI CHAWLA W/O VARUN MADAN R/O H-344:NEW RAJINDER NAGAR DELHI 110060 have changed my name to SHUCHI MADAN Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, Dharmender Bhardwaj S/o Om Prakash Sharma R/o K-300, Near Old Police Control Room, Swami Dayanand Colony, Kishan Ganj, North Delhi-110007 have changed my name to Dharmender Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHAFI S/o MOHD UMAR R/o HOUSE NO-J-4/80A BLOCK-J-4 FIRST FLOOR LEFT SIDE KHIRKI EXTENTION MALVIYA NAGAR DELHI 110017 have changed my name to MOHD SHAFI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHEHNAZ PARVEEN D/O MOHD YUNUS R/O HOUSE NO 2400 KUCHA MIR HASHM, CHITLI QABAR JAMA MASJID, CENTRAL DELHI- 110006 HAVE CHANGED FROM SHEHNAZ PARVEEN TO SHAHNAZ PARVEEN PERMANENTLY.

NAME CHANGE
I, NAZNEEN BEGUM W/O MOHD NISHAT KHAN R/O HOUSE NO 1723 TEHSILDAR STREET DARYA GANJ DELHI- 110002 HAVE CHANGED FROM NAZNEEN BEGUM TO NAZNEEN PERMANENTLY.

NAME CHANGE
I, MD IQBAL S/O MOHD SIRAJ reading at A-18/143-C DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD IQBAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MD ZAID S/O MOHD IQBAL residing at A-15/116 DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD ZAID for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SWALENA W/O DIN MOHD residing at B-10/74-C DDA FLATS INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to SWALEHA KHATOON for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SARFARAJ ALIAS SARFARAZ S/O ABDUL KHALIKH residing at HOUSE NO 313/105-D FLAT NO 9 2ND FLOOR GALI NO-14 TULSI NAGAR INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHAMMAD SARFARAZ for all future purpose.

NAME CHANGE
I, S Ketan S/o Surendra Pal R/o C-116, Gali No. Dashrath Puri, Dabri Palam Road, South West Delhi-110045 have changed my name to Ketan Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I MANDEEP KOUR W/O GUDEV SINGH R/O WZ-118 GALI NO 34 MBS NAGAR SANTGARH TILAK NAGAR DELHI 110018 have changed my name to MANDEEP KAUR Permanently for future purposes

NAME CHANGE
I TAUHID AHAMAD S/O TAUFIK AHAMA R/O WZ-511 BASAI DARA PUR DELHI -110015 have changed my name toTAUHID AHMED Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, ABHINANDAN S/o Ashwani Katyal R/o 14/17A, 2nd Floor, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018 have changed my name to ABHINANDAN KATYAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHARAD KUMAR S K S/o Shashi Kumar R/o J-79/F-2, Dilshad Colony, East Delhi, Delhi-110095 have changed my name to SHARAD KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rumee D/o Rana Pratap Singh R/o Form House Number 2, Phase 6, Near Samsan Ghat Green Beauty Farm House Sector -135 Noida Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name to Rumee Singh for all purpose.

NAME CHANGE
I, SUDHA SHARMA mother of No. 14676835W, Rank-NK, Name-ANIL KUMAR SHARMA residing at-MAKAN NUMBER-174, WARD NO-15, CHAR BHUJA MANDEER KE PASS, SANAWADA, SEMALI, MANDSAUR, MADHYA PRADESH-458664, have change my name from SUDHA SHARMA tO SUDHA BAI SHARMA for all future purposes, vide Affidavit dated 18/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-14834683H Rank-SEP (MT), Name-JAY PRAKASH JAISWAL residing at VILL-BHUNDHA, PO-RATAHARA, TEHSIL-RAIPUR KARCHULIAN, DIST-REWA, MADHYA PRADESH-486003 have changed my father's name from NARENDER PRASAD JAISWAL to NARENDRA PRASAD JAISWAL for all future purposes vide Affidavit dated 01/10/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SP Singh S/o Mishri Lal R/o C-116, Gali No. Dashrath Puri, Dabri Palam Road, South West Delhi-110045 have changed my name to Surendra Pal for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्री जगराज सिंह के पुत्र श्री आर्येन्द्र सिंह, मॉर्डन रेलवे सिटी पार्ट-2 कॉलोनी (गाँव धूम मानिकपुर, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, .P.) में स्थित 100 वर्ग गज के खाली आवासीय प्लॉट नंबर 82 (खसरा नंबर 508 और खाता नंबर 1267) के मालिक थे। यह मालिकाना हक उन्हें मोहम्मद हफीज के पुत्र मोहम्मद शफीक द्वारा 05.09.2012 को किए गए सेल डीड (बिक्री विलेख) से मिला था, जो SRO-दादरी में डॉक्यूमेंट नंबर 15948, बुक नंबर 1, वॉल्यूम 4660, पेज 379-396 पर 05.09.2012 को विधिवत पंजीकृत था। इसके बाद, 08.03.2026 को श्री आर्येन्द्र सिंह का निधन हो गया। चूंकि श्री आर्येन्द्र सिंह का स्थ्ब्छ (उत्तराधिकार प्रमाण पत्र) उपलब्ध नहीं था, इसलिए श्रीमती निशी देवी और श्री ध्रुव चौहान ने श्रीमती श्रद्धा शर्मा (पत्नी श्री राजीव लोचन शर्मा) के पक्ष में बिक्री का एक समझौता (Agreement to Sell) किया। इस तरह श्रीमती श्रद्धा शर्मा उक्त प्लॉट (मॉर्डन रेलवे सिटी पार्ट-2, धूम मानिकपुर, दादरी, गौतम बुद्ध नगर, .P.-203207 में छ्स्क्र मॉडल स्कूल के पास स्थित 100 वर्ग गज का खाली आवासीय प्लॉट नंबर 82) की मालिक बनीं। इस संपत्ति के लिए छ्स्ड्ड हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/हित/टाइटल (स्वामित्व) है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj Pathak
Advocate,
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: legal.rahulraj@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I, NEMAT ALAM ABDUL WADOOD SHAIKH S/O ABDUL BADOOD R/O F-49, 3RD FLOOR WEST JAWAHAR PARK LAXMI NAGAR DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO MOHD NEMAT ALAM.

NAME CHANGE
I, AMIT VERMA S/O VIJAY KUMAR VERMA R/O H.NO-95 ASHOKA ENCLAVE MAIN SEC-34 FARIDABAD HARYANA 121003, CHANGED MY NAME TO AMIT KUMAR VERMA.

NAME CHANGE
I, Manisha Kumari W/o Abhishek Tripathi R/o C-94, 2nd Floor, Naraina Vihar, Delhi-110028, have changed my name to Manisha Tripathi for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुशीला देवी (पत्नी श्री रामेश्वर दयाल) प्रॉपर्टी नंबर A-14 (क्षेत्रफल 125 वर्ग गज, खसरा नंबर 11/20 में स्थित) की पूरी प्रॉपर्टी की मालकिन थीं। यह मालिकाना हक उन्हें श्री जसबीर सिंह द्वारा निष्पादित और विधिवत पंजीकृत GPA (दिनांक 24.07.2002, पंजीकरण संख्या 11489) तथा विधिवत पंजीकृत वसीयत के आधार पर प्राप्त हुआ था। दस्तावेज संख्या 7928, इसके बाद, श्रीमती सुशीला देवी का 05.02.2020 को निधन हो गया। चूंकि श्रीमती सुशीला देवी का SMC उपलब्ध नहीं है, इसलिए 1. श्री अजय कुमार शर्मा, 2. श्री विजय गौतम, 3. श्री जय गौतम (सभी श्री रामेश्वर दयाल के बेटे) और 4. श्रीमती कम्मा शर्मा (पत्नी श्री संजय शर्मा) ने श्री रामेश्वर दयाल (बेटे श्री बेग्राम) के पक्ष में 25.08.2025 को नोटरीकृत रिलिंक्विशमेंट/रिलीज डीड (अधिकार छोड़ने/रिलीज करने का दस्तावेज) निष्पादित किया। इसके द्वारा यह बताया और पुष्टि की जाती है कि स्वर्गीय श्रीमती सुशीला देवी के एकमात्र कानूनी उत्तराधिकारी निम्नलिखित व्यक्ति हैं और उनके अलावा कोई अन्य कानूनी उत्तराधिकारी नहीं है- 1. श्री अजय कुमार शर्मा, 2. श्री विजय गौतम, 3. श्री जय गौतम (सभी श्री रामेश्वर दयाल के बेटे) और 4. श्रीमती कम्मा शर्मा (पत्नी श्री संजय शर्मा)। ये लोग खसरा नंबर 11/20 (गांव कमलपुर माजरा बुराड़ी, आबादी क्षेत्र - गली नंबर 14, ए-ब्लॉक, कमल विहार, कमलपुर, बुराड़ी, दिल्ली-110084) में रिलीज किए गए 4/5वें अविभाजित हिस्से की पूरी संपत्ति के मालिक बन गए हैं, और इस संपत्ति के लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (वित्तपोषण) किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/हित/स्वामित्व है या कोई विवाद किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार/ हित/ स्वामित्व है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.
Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20,
Kaushambi, near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I, KASHIF KHAN, S/O DAUD KHAN, R/O - 273, GALI NO: 15, JAFRABAD, NEW SEELMPUR, NORTH EAST DELHI - 110053, HEREBY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD KASHIF FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MANWANI VARSHA GHANSHYAM W/o PRATEEK SAXENA R/o Plot No-24, Sun Villas, Raj Nagar Extension, 45 Meter Road, Opposite Symbol Towers, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed my name and shall hereafter be known as VARSHA SAXENA.

NAME CHANGE
I, NAHEDA BANU SHAIKH W/O MOHD NEMAT ALAM R/O F-49, 3RD FLOOR WEST JAWAHAR PARK LAXMI NAGAR DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO NAHEDA KHATOON.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client 1. Mrs. Pooja & 2. Mrs. Sarita & Mrs. Kailash Devi are the owner and in possession of a Freehold Residential Property Bearing No. WZ-31-B, Old No. 49, with roof rights, area measuring 153 Sq. Yds., Gali No. 1, Situated in the area of Village Shakur Pur Delhi State Delhi Now Colony known as Sri Nagar Shakur Basti Delhi-110034. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 06.03.2019 Vide Doc. No. 3246 in Book No. I, Vol. No. 8196 on Pages No. 107 to 114 SR-VIA, New Delhi. & Sale Deed dated 20.10.2020 Vide Doc. No. 9732, in Book No I, Vol. No. 9353, on Pages No. 154 to 163, SR-VIA, New Delhi/Delhi., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Death Certificate & SMC of Late Mr. Ram Nath Sharma & (2) Probate Order of Regd. Will dated 27.05.2005 Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Rohini Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, RAMANDEEP KAUR JASVINDER SINGH MAKKAR W/O JASVINDER SINGH SUJAN SINGH MAKKAR R/O 143-A POCKET 4 MAYUR VIHAR PHASE 1 EAST DELHI 110091, CHANGED MY NAME TO RAMANDEEP KAUR.

NAME CHANGE
I, GHOSH SWAGAT PALLAB Son of PALLAB KUMAR GHOSH R/o 801, SARANG-I, NANDED CITY, SINHGAD ROAD, VADGAON, BUDRUK, PUNE, MAHARASHTRA-411041, have changed from GHOSH SWAGAT PALLAB to SWAGAT PALLAB GHOSH for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vaishno Mishra D/o Ashok Mishra R/o A-48, Sector-55, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Vijeta Mishra.

PUBLIC NOTICE
My client Sh. Nishan Singh S/o Shri Kishan Singh and his wife Smt. Rajinder kaur, both R/o WZ-F-11, Gali No.5 to 8, Sant Garh, Tilak Nagar, New Delhi-110018 was upset with the conduct and behaviour of his son namely Bhupinder Singh residing separately and independently w.e.f 01.08.2010 on first floor portion of Wz- F-11, Gali No.8, Gali No.5 to 8, Sant Garh, New Delhi-110018 on 16th December 2010, through Rashtriya Sahara Newspaper and disown him from all his movable and immovable property, breaking all their relations. Now that the conduct and behaviour of his son has become cordial, my client is reappointing his son as successor.
Deepak Kumar (Advocate)

NAME CHANGE
I SHAHINA PARVEEN MUMTAZ W/0 MUMTAZ SIDDIQUI R/0 H.NO 4581/15 3RD FLOOR ANSARI ROAD GALI NO 15 DARYA GANJ DELHI 110002 CHANGED MY NAME TO SHAINA PARVEEN MUMTAZ

NAME CHANGE
I KM POOJA W/0 MANISH SHARMA R/0 8442/16 JAINA BUILDING FIRST FLOOR ROSHANARA ROAD MALKA GANJ DELHI 110007 CHANGED MY NAME TO P00JA KUMARI

NAME CHANGE
I, LABH SINGH son of OMKAR SINGH Presently residing at VILL-MUNDIAKHERA, PO-MAJRA SHEORAJ, TEHSIL- & DIST-REWARI, HARYANA-123401, have changed my name from LABH SINGH to LABH SINGH YADAV vide Affidavit dated 01/10/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
This is to inform that Ms. Anjali Chaudhary Daughter of Sh. Pradeep Chaudhary has agreed to create mortgage the described property in favour of My client AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED, DELHI NSP BRANCH, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Jashbeer Singh Son of Sh. Padam Singh have agreed to sell his property "Plot no. 15, Area Measuring 100 Sq. Yds., Ram Nagar Colony, Out of Khasra No. 20, Situated at Village Ataur, Pargana Jalalabad, Tehsil and District Ghaziabad" Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.
Dated: 02.10.2026 Advocate Ghanshyam Singh,
Place: Delhi Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE
REGARDING LOST/MISPLACED SIGNED CHEQUES

Notice is hereby given to the general public that the following **duly signed cheque leaves**, which were handed over by **Mr. Vishal Sharma** to **Mr. Mohan Lal and his son Mr. Arvind Ashiwal**, have been **lost/misplaced while in their custody/possession**:

1. **YES Bank – M/s MAKV Engineers Pvt. Ltd.**
   Cheque Nos.: **537714 & 537715**
2. **HDFC Bank – M/s MAKV Engineers Pvt. Ltd.**
   Cheque Nos.: **000248 & 000249**
3. **Union Bank – Personal Cheques – Vishal Sharma**
   Cheque Nos.: **42009 & 42010**

The above-mentioned **signed cheque leaves were handed over by Mr. Vishal Sharma to Mr. Mohan Lal and his son Mr. Arvind Ashiwal**. The said cheques were kept together in one file and were subsequently **lost/misplaced from the custody/possession of Mr. Mohan Lal and Mr. Arvind Ashiwal**.

Mr. Mohan Lal and his son Mr. Arvind Ashiwal have themselves informed Mr. Vishal Sharma regarding the loss/misplacement of the aforesaid cheques. Therefore, in order to ensure that the said cheques do not fall into the hands of any **unauthorised or wrong person** and are not misused in any manner, this public notice is being issued for information and caution to the general public.

The general public, all banks, financial institutions and concerned persons are hereby informed and cautioned **not to accept, deposit, present for payment/encashment, negotiate, or otherwise deal with the aforesaid cheque leaves in any manner whatsoever**.

In case any of the aforesaid cheque leaves is found or comes into the possession of any person, such person is requested **not to use or deal with the same in any manner and to immediately return the same to Mr. Vishal Sharma** and inform him at the contact details mentioned below.

Any transaction, presentation for payment, encashment, negotiation or any other dealing whatsoever in respect of the aforesaid lost/misplaced cheques shall be **at the sole risk and responsibility of the person/persons so dealing with the same**.

Date: 30.09.2026

Name: Vishal Sharma
Mobile No.: 9953063622

NAME CHANGE
I, PRADEEP SINGH S/O RAMJIT SINGH R/O Flat No-J-H4/901, 9th Floor, Tower-J, Classic Residency, Raj Nagar Extension, Po : Raj Nagar Extension, Dist : Ghaziabad Uttar Pradesh-201017 have changed the name of my minor daughter BHAWNA SINGH aged 17 years and she shall hereafter be known as PRATIKSHA SINGH.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Manish Rana S/o Mr. Subhash Chand Rana is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up House area measuring 65 Sq. Yards. i.e. 54.34 Sq. Mtrs. out of Khasra No. 411 Mi Situated at Village Kulesra, Pargana Dadri Tehsil & District Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 28.10.2022 duly regd., vide Doc No. 23961 Book No. 1, Volume No. 41858 on Pages No. 125-140 on dated 28.10.2022 SR-Sadar Greater Noida., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 23.01.2013 executed by Mrs. Dayavati in favour of Mr. Manoj Kumar Soni as Doc no. 1689, Book no. 1, Vol no. 12436 Page no. 361-367 SR- Greater Noida & Original Rectification Deed dated 13.12.2019 executed by Mrs. Dayavati in favour of Mr. Manoj Kumar Soni as Doc no. 41120, Book no.1, Vol no. 35241 Page no. 295-314 SR- Greater Noida., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Sector-2, Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सेवा संकल्प अभियान:- 11 अक्तूबर को एक साथ चलाया जाएगा स्वच्छता अभियान

एजेंसी

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के तहत 11 अक्तूबर को हरियाणा के सभी जिलों में एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसी कड़ी में जिला रेवाड़ी में भी व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया जाएगा। जिला में यह अभियान ब्रास मार्केट रेवाड़ी में चलाया जाएगा, जिसमें युवा, विद्यार्थी, सफाई कर्मी, सफाई मित्र सहित आमजन बढ़-चढ़कर भागीदारी करेंगे। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इस स्वच्छता अभियान की तैयारियों को लेकर गुरुवार को लघु सचिवालय सभागार में जिला नगर आयुक्त प्रदीप अहलावत ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से आयोजित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान के दौरान स्वच्छता के साथ-साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए भी प्रभावी गतिविधियां आयोजित की जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियानः जाटूसाना ब्लॉक में 'आंगन मिलन सेवा' के तहत कार्यक्रम आयोजित

रेवाड़ी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं शासन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार द्वारा 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिला के आंगनबाड़ी केंद्रों में निर्धारित शेड्यूल अनुसार 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुवार को जाटूसाना ब्लॉक की आंगनबाड़ी केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करवाई गई। वहीं को माताओं को पौष्टिक आहार सहित स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उनके प्रारंभिक विकास और शिक्षा पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

जिलाभर की पंचायतों में आज आयोजित की जाएंगी ग्राम सभा :डीसी

झज्जर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्तूबर को जिला की सभी ग्राम पंचायतों में प्रातः 11 बजे विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में ग्रामीणों की अधिक से अधिक सक्रिय भागीदारी जरूरी है। ग्रामसभाओं के सुचारू रूप से संचालन को लेकर सम्बंधित अधिकारी समन्वय से कार्य करें। डीसी वर्षा खांगवाल गुरुवार को अधिकारियों की बैठक में ग्रामसभाओं को लेकर चल रही तैयारियों की समीक्षा कर रही थी। उन्होंने कहा गांवों में आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों और गांव के विकास से जुड़े विषयों पर अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा ग्रामीणों की सहभागिता से गांव के विकास की प्राथमिकताएं तय करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए प्रत्येक ग्रामीण को इसमें अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। बैठक में सीईओ जिला परिषद मनीष फोगाट ने बताया कि विशेष ग्राम सभा में वर्ष 2026-27 की ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने, गांव में चलाए गए सेवा संकल्प अभियान के तहत किए गए जनकल्याण एवं सेवा कार्यों की समीक्षा तथा आगामी जनसेवा कार्यों की प्राथमिकताएं तय करने पर चर्चा की जाएगी।

समाधान शिविर: शिकायतों का तत्परता से हो समाधान- सीटीएम

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा के मागदर्शन में गुरूवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित किए गए समाधान शिविर में सीटीएम जितेंद्र कुमार ने आमजन की समस्याएं सुनीं। उन्होंने शिकायतों की सुनवाई करते हुए कहा कि सभी विभागाध्यक्ष जन शिकायतों का तत्परता से निवारण करें। समाधान शिविर में गांव लिसाना में आंगनवाड़ी के आस पास फैली गंदगी की सफाई करने और पंचायती भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत पर सीटीएम ने बीडीपीओ रेवाड़ी को शिकायत का समाधान करने के निर्देश दिए। निजी स्कूल द्वारा बच्चों की टीसी न दिए जाने पर सीटीएम ने जिला शिक्षा अधिकारी को बच्चों को टीसी दिलवाने के निर्देश दिए। गांव नंदरामपुर बांस में अवैध कब्जे की शिकायत पर सीटीएम ने बीडीपीओ धारूहेड़ा को जांच करते हुए कब्जा हटवाने के निर्देश दिए।

उद्योगों को प्रोत्साहन, युवाओं को रोजगार और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

हरियाणा की नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी में 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश और 10 लाख रोजगार का लक्ष्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणाओं और संकल्प पत्र में किए गए वादों को धरातल पर उतारने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राज्य में निवेश, औद्योगिक विकास, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तीन नई नीतियों से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में निवेश करने वाले उद्यमियों को पारदर्शी, समयबद्ध और परेशानी-मुक्त व्यवस्था उपलब्ध करवाना सरकार की

प्राथमिकता है, ताकि निवेश के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित हों। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को चंडीगढ़ में स्टैंडिंग फाइनेंस कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य में निवेश, औद्योगिक विकास, एम एस एम ई क्षेत्र, कृषि-आधारित उद्योग तथा फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा एग्री-बिजनेस एंड फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी-2026, हरियाणा प्रोग्रेसिव एम.एस.एम.ई एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 तथा मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026 से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं एवं वित्तीय प्रावधानों पर चर्चा की गई।बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता,उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री सी.जी. रजनीकांत उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गर्ग सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी निवेशक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। पात्रता प्रमाण-पत्र जारी करने से पहले संबंधित निवेश, रोजगार, दस्तावेजों और परियोजना की पात्रता का पूर्ण सत्यापन किया जाए तथा पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पात्र निवेशकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सेवाएं और प्रोत्साहन उपलब्ध करवाना संबंधित विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026 के तहत प्रस्तावित 18 प्रमुख वित्तीय प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी तथा इन योजनाओं के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री से अनुमोदन प्राप्त किया।

सुरक्षित रक्त की पहुंच आसान बनाने के लिए सरकार ब्लड डोनेशन वैन की मदद लेगी - आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव की अध्यक्षता में 'विशेष उच्च अधिकार प्राप्त खरीद समिति' (SHPPC) की बैठक में राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने, आवश्यक दवाओं व चिकित्सा आपूर्ति को सुगम बनाने तथा मरीज देखभाल सेवाओं में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

इस बैठक के दौरान रक्तदान और ट्रांसफ्यूजन सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए जिला अस्पतालों के लिए लगभग 4.18 करोड़ रुपये की लागत से 9 ब्लड डोनेशन वैन के दो साल के रेट कॉन्ट्रैक्ट को अंतिम रूप दिया गया, जिससे विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित करने और सुरक्षित रक्त की पहुंच आसान बनाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही सिविल अस्पताल, करनाल में पीपीपी मोड के तहत सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन सेवाओं की

दरें भी तय कर दी गई, जिससे मरीजों को सस्ती एवं आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं मिल सकेंगी। ड्रग वेयरहाउस और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए दवाओं व टीकों के सुरक्षित भंडारण, बेहतर इन्वेंट्री प्रबंधन और निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु 274 स्टार्टर्स व एक्सटेंशन रैक के लिए लगभग 1.94 करोड़ रुपये तथा 9 डीजल जनरेटर सेटों (50 KVA) के लिए लगभग 86.23 लाख रुपये के दो वर्षीय अनुबंध को अंतिम रूप दिया गया। नेत्र विज्ञान और ईएनटी जांच व सर्जिकल सेवाओं को उन्नत करने के लिए 6 ऑप्टिकल बायोमीटर, 13 ईएनटी ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप और 6 एडवांस्ड फेको इमल्सीफिकेशन मशीनों की दरें भी लगभग 12.22 करोड़ रुपये की कुल ह्यउँश्चष्ठ ञ्चञ्च लागत पर तय की गई। गंभीर बीमारियों की रोकथाम और आपातकालीन व्यवस्थाओं के तहत तपेदिक (टीबी) की त्वरित और सटीक जांच के लिए 6.72 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 1,00,000 माइक्रो पीसीआर टीबी टेस्ट किट (ट्रूनेट चिप्स) की दर स्वीकृत की गई, जबकि जिला अस्पतालों में स्थापित पीएसए (PSA) ऑक्सीजन प्लांट्स के सुचारू संचालन और रखरखाव के लिए 8.55 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया ताकि मेडिकल ऑक्सीजन की निर्बाध उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा, पूरे हरियाणा के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं और चिकित्सा सामग्रियों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर बजट स्वीकृत किए गए। इसमें नियमित नैदानिक, सर्जिकल और मरीज देखभाल सेवाओं के लिए लगभग 132 करोड़ रुपये के मेडिकल कंज्यूमेबल्स, सरकारी आयुष सुविधाओं में इलाज करा रहे मरीजों के लिए लगभग 80 करोड़ रुपये की आयुष दवाएं।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीश कुमार शर्मा ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

एजेंसी

करनाल। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीश कुमार शर्मा, सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव व सीजेएम खुशबू गोयल ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशिक्षणाधीन डॉ. राकेश कुमार व लाभ सिंह सहित जिला कारागार अधीक्षक लखबीर सिंह बराड़ व स्टाफ मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीश कुमार शर्मा ने बंदियों से बातचीत की तथा उन्हें प्रदान की जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके अलावा जेल लोक अदालत के लिए सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव व सीजेएम खुशबू गोयल का बैंच बनाने की बात कही। उन्होंने अधीक्षक लखबीर सिंह बरार को तीन साल से कम सजा वाले छोटे अपराधों में जिला कारागार में रह रहे बंदियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए ताकि योग्य पाए जाने वाले मुकदमों का निपटारा जेल लोक अदालत के जरिए किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी 3 अक्टूबर को दिल्ली में हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी और भाजपा विधायकों से करेंगे मुलाकात

आगामी 28 अक्टूबर तक होगा दावे आपत्तियों का निपटारा

उधर, पंजाब में जल्द विधानसभा चुनाव होने हैं, जहां भाजपा ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्य भाजपा अध्यक्ष अर्चना गुप्ता सहित हरियाणा के सभी भाजपा विधायक 3 अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री सैनी और हरियाणा भाजपा की अध्यक्ष अर्चना गुप्ता के साथ-साथ राज्य के सभी पार्टी विधायकों के शामिल होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के साथ इस बातचीत से पार्टी नेतृत्व को हरियाणा के विधायकों से राजनीतिक और संगठनात्मक मुद्दों पर प्रतिक्रिया लेने और आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए भाजपा की तैयारियों पर चर्चा करने का अवसर मिलने की भी संभावना है। यह बैठक शनिवार शाम को होगी। इसमें हरियाणा और पड़ोसी राज्यों से संबंधित प्रमुख राजनीतिक और संगठनात्मक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले की तैयारियों और राजनीतिक स्थिति के साथ-साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के नैरेटिव पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों ने कहा कि भाजपा चुनावी राज्यों में अपनी संगठनात्मक तैयारियों और चुनावी रणनीति की समीक्षा कर रही है। पार्टी नेतृत्व इस बात पर भी चर्चा कर सकता है कि एसआईआर पर विपक्ष के आरोपों और उनके कैंपेन का जवाब राज्य स्तर पर कैसे दिया जाए। गौरतलब है कि विपक्षी 'इंडिया ब्लॉक'एसआईआर मुद्दे पर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए जा रहे आक्रामक रवैया अपना रहा है। दिल्ली में विपक्षी दलों की बैठक हुई, जिसमें 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक अलग-अलग स्तर पर प्रदर्शन करने की रणनीति बनाई गई।

सरकारी खरीद एजेंसी धान खरीद कार्य को सुचारू रूप से रखें जारीः डीसी डॉ आनंद कुमार शर्मा

एजेंसी

करनाल। डीसी डॉ आनंद कुमार शर्मा ने वीरवार को तरावड़ी अनाज मंडी का दौरा किया और धान खरीद प्रबंधों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न आने दे। उन्होंने सरकारी खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि किसानों को मंडियों में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहें। निरीक्षण के दौरान डीसी ने मंडी में पहुंचकर धान की ढेरियों पर नमी मापक यंत्र से नमी की जांच करवाई। इस दौरान उन्होंने मंडी में उपलब्ध करवाई जा रही मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की और कहा कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया और कहा कि साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने किसान भवन में भी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को ठहराव के समय किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकार की प्राथमिकता किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान सुनिश्चित करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में

रखते हुए सभी खरीद एजेंसी आपसी तालमेल के साथ कार्य करें और निर्धारित मानकों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीद सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला में धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से जारी किया जाए। किसान अपनी फसल को अच्छी तरह सुखाकर ही मंडी में लेकर आएं, ताकि फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। उन्होंने आढ़तियों, व्यापारियों व किसानों से मुलाकात की और कहा कि धान खरीद के कार्यों में कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। आढ़तियों व व्यापारियों ने भी डीसी को आश्वस्त किया कि धान खरीद के कार्य को सुचारू रूप से किया जाएगा।

जलभराव वाले क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता : श्रुति चौधरी

'इस परियोजना पर करीब 9.10 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने आज रोहतक जिले में सिंचाई, जल निकासी और बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी करीब 52 करोड़ रुपये की 26 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें करीब 32.33 करोड़ रुपये की 20 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 19.65 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इनमें रोहतक क्षेत्र में करीब 17.35 करोड़ रुपये तथा महम क्षेत्र में करीब 34.64 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाएं हैं। श्रुति चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार का विशेष ध्यान ऐसे क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने पर है, जहां बारिश के दौरान जलभराव और बाढ़ की

स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई परियोजनाओं से निचले क्षेत्रों से पानी की तेजी से निकासी होगी, गांवों एवं आबादी को जलभराव से राहत मिलेगी तथा नहरों और ड्रेनेज सिस्टम की कार्यक्षमता में सुधार होगा। मंत्री ने गढ़ी सांपला-किलोई विधानसभा क्षेत्र में रोहतक जल सेवाएं मंडल की करीब 5.02 करोड़ रुपये से अधिक की चार परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इनमें जसिया में सरकारी कॉलेज से काहनी लिंक ड्रेन तक आरसीसी ट्रफ, आसन में जलभराव की निकासी के लिए भूमिगत आरसीसी पाइपलाइन एवं पंप हाउस तथा लाढ़ौत और कंसाला में जल निकासी पाइपलाइन के कार्य शामिल हैं। उन्होंने रोहतक वाटर सर्विसेज मैकेनिकल डिवीजन के तहत करीब 3.12 करोड़ रुपये के चार पंपिंग कार्यों का भी उद्घाटन किया। इन कार्यों के माध्यम से पाकस्मा, सांपला-चुलियाना, भालौठ, किलोई, आसन, धामड़ तथा खरावड़ क्षेत्र में पंप, मोटर और पैनल संबंधी कार्यों को मजबूत किया गया है। श्रुति चौधरी ने करीब 4.60 करोड़ रुपये की दो नहरी परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इनमें बीसी पाल माइनर का पुनर्वास तथा 1-आर न्यू मोखरा माइनर की रीमॉडलिंग शामिल है। इसके अलावा काहनी लिंक ड्रेन और ड्रेन नंबर-8 पर वीआर पुलों के पुनर्निर्माण से संबंधित कार्य भी किए जाएंगे। महम क्षेत्र में करीब 17.89 करोड़ रुपये की सात परियोजनाओं में भैणी सुरजन, भैणी चंद्रपाल और समैण के निचले क्षेत्रों से पानी निकालने के लिए भूमिगत आरसीसी पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रमुख है।

किसानों को अनाज मंडी में रात को भी उपलब्ध होगा भोजन : ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज

'मंडी में जीरी की फसल लेकर आए किसानों को कोई दिक्कत न आए प्रशासन यह सुनिश्चित करे'

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि किसान हमारी आन, बान, शान, मान और सम्मान है और हम इन्हें कोई दिक्कत नहीं आने देंगे। मंडी में जीरी की फसल लेकर आए किसानों को कोई दिक्कत न आए प्रशासन यह सुनिश्चित करे। उन्होंने अम्बाला छावनी में मंडी में पड़ी जीरी की नमी को जांचा 17 प्रतिशत से कम नमी वाली जीरी की खरीद कर उसका उठान तुरंत करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जितनी भी जीरी आएगी हम त्वरित कार्रवाई कर उठान करेंगे ताकि मंडी में जगह भी खाली होती रहे और नये जो किसान आएंगे उनको अपना अनाज डालने की जगह मिले। विज अम्बाला छावनी में जीटी रोड पर नई अनाज मंडी में जीरी

खरीद कार्य और किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उपरांत आयोजित कार्यक्रम में किसानों, आढ़तियों व उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान इस दौरान डीसी अम्बाला सचिन गुप्ता, एसडीएम कनिका गोयल, मार्केट कमेटी चेयरमैन बलविंद्र सिंह, वाइस चेयरमैन सुरेंद्र बिंद्रा, नप अध्यक्ष स्वर्ण कौर व अन्य मौजूद रहे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ अंबाला छावनी की अनाज मंडी का दौरा किया और जीरी की फसल के खरीद के सारे इंतजामों की पुख्ता जानकारी ली। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मंत्री अनिल विज ने कहा की जीरी की फसल की खरीद बीते रोज ही शुरू हो चुकी है। मंडी में फसल सुखाई जा रही है और 17 प्रतिशत से नीचे नमी वाली फसल को हम खरीद रहे हैं, उन्होंने खुद कुछ जीरी की ढेरियों पर जाकर नमी को चेक किया है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी की अनाज मंडी उन्होंने नई बनाकर दी है, इसमें किसानों की हर सुविधा का ध्यान रखा है और इसीलिए यहां पर किसानों के लिए एक कार्यालय, उनके सोने के लिए एक बेहतरीन रेस्ट हाउस, उनके खाने-पीने के लिए कैंटीन भी खोली गई है, कैंटीन पहले दोपहर तक चलती थी मगर अब रात को भी खाना देने के की सुविधा है ताकि जो किसान अपनी फसल लेकर मंडी में आए उन्हें रात का खाना भी मिल सके।

साइबर सिक्योरिटी एवं डिजिटल साक्षरता के प्रति विद्यार्थियों व वरिष्ठ नागरिकों को किया जागरूक

एजेंसी

भिवानी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में राजकीय आईटीआई में साइबर सिक्योरिटी जागरूकता एवं डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस प्रोग्राम के कोऑर्डिनेटर एवं नोडल अकाउंट होल्डर विष्णु सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने साइबर धोखाधड़ी होने पर शिकायत के लिए नंबर 1930, साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन सुरक्षा, डिजिटल लेन-देन में सावधानियां, फर्जी कॉल/मैसेज एवं ऑनलाइन

धोखाधड़ी से बचने के उपायों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के संबंध में जागरूक किया गया। उन्हें मोबाइल फोन, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सेवाओं तथा साइबर सुरक्षा से संबंधित आवश्यक सावधानियों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई।संस्थान के प्रधानाचार्य पंकज सोनी ने कहा कि डिजिटल सेवाओं का उपयोग करते समय सतर्क रहने तथा साइबर अपराधों के प्रति स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की सितंबर में थोक बिक्री 19 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की सितंबर में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 फीसदी बढ़कर 8,018 इकाई हो गई। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह प्रदर्शन हाल में पेश किए गए एमजी हेक्टर टोमहॉक ईवी और पीएचईवी संस्करण सहित उसके उत्पाद खंड में ग्राहकों की निरंतर रुचि को दर्शाता है। कंपनी ने कहा कि उसने समूचे भारत के डीलर को एमजी हेक्टर टोमहॉक ईवी की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। ग्राहकों को भी अब इसकी आपूर्ति की जा रही है।

मनीव्यू का शेयर 63.5 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

डिजिटल ऋण मंच मनीव्यू लिमिटेड का शेयर अपने 34 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 63.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचबीद्ध हो गया है। बीएसई पर शेयर ने 55.61 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 63.55 फीसदी अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 61.76 फीसदी की बढ़त के साथ 55 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,103.73 करोड़ रुपये रहा। मनीव्यू लिमिटेड की आरंभिक शेयर बिक्री को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 98.46 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 1,092 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 32-34 रुपये प्रति शेयर था। नए शेयर से जुटाई गई राशि में से 325 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी के ऋण कारोबार को बढ़ाने के लिए किया जाएगा, जबकि 250 करोड़ रुपये उसकी एनबीएफसी अनुषंगी के पूंजी आधार को बढ़ाने में लगाए जाएंगे। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

ए-वन स्टील्स की बाजार में अच्छी शुरुआत, शेयर 14 फीसदी चढ़ा

नई दिल्ली।

ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड का शेयर 405 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 14 प्रतिशत की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर ने 462 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 14 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 12.34 प्रतिशत अधिक 455 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,223 करोड़ रुपये रहा। ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 11.61 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 405 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 385-405 रुपये प्रति शेयर था। नए शेयर के निर्गम से जुटाई गई शुद्ध राशि में से 250 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कुछ बकाया कर्ज के पूर्व-भुगतान या आंशिक पुनर्भुगतान के लिए किया जाएगा। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

जीएसटी संग्रह सितंबर में 14.7 फीसदी बढ़कर 2 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

सरकार द्वारा हाल ही में जारी` किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार घरेलू गतिविधियों से सकल जीएसटी संग्रह 10.1 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.38 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से प्राप्त राजस्व 26 प्रतिशत बढ़कर 65,525 करोड़ रुपये हो गया। आंकड़ों के अनुसार सकल जीएसटी संग्रह सितंबर में 2,03,521 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 1,77,365 करोड़ रुपये था। सितंबर में हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 'रिफंड' तीन प्रतिशत घटकर 27,001 करोड़ रुपये रहा।

'रिफंड' को समायोजित करने के बाद सितंबर में शुद्ध जीएसटी संग्रह 18.1 प्रतिशत बढ़कर 1.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया जो एक साल पहले इसी महीने में 1.49 लाख करोड़ रुपये था।चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सकल जीएसटी संग्रह 11.6 प्रतिशत बढ़कर 12.46 लाख करोड़ रुपये रहा। शुद्ध जीएसटी संग्रह 10.4 प्रतिशत बढ़कर 10.66 लाख करोड़ रुपये रहा।

पुश्तैनी गहनों पर टैक्स राहत-इस केस से जानें कैसे बचाएं अपनी विरासत को

कोलकाता ट्रिब्यूनल का फैसला बना नज़ीर, 3.2 किलो गहनों पर नहीं लगा टैक्स

नई दिल्ली ।

कोलकाता इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) ने हाल ही में मिराज दिग्विजय शाह को बड़ी राहत दी है। आयकर विभाग की जांच में उनके ठिकानों और लॉकरों से मिले लगभग 1.56 करोड़ रुपये मूल्य के 3,233.11 ग्राम गहनों को बिना बताए हुई संपत्ति मानने से इनकार करते हुए ट्रिब्यूनल ने शाह के पक्ष में फैसला सुनाया। यह मामला उन परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण मिसाल बन गया है, जिनके पास पैतृक या विरासत में मिले गहने हैं, और यह बताता है कि संपत्ति के उचित दस्तावेज़ीकरण की कितनी ज़रूरत है, भले ही खरीद के बिल सालों पहले खो चुके हों।

मिराज दिग्विजय शाह के मामले में आयकर विभाग ने उनके पास से भारी मात्रा में गहने पाए थे। शाह ने दावा किया कि ये गहने उनके दिवंगत रिश्तेदारों और उनके पिता के हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) से संबंधित थे। आईटीएटी ने उनके तर्क को स्वीकार करते हुए फैसला दिया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि विरासत में मिली संपत्ति के लिए उचित दस्तावेज़ीकरण कितना ज़रूरी है। टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर विभाग के सामने गहनों के स्रोत और प्रकार को प्रमाणित करना होता है। एक बिजनेस एडवाइजर्स बताते हैं, सिर्फ लॉकर में गहने होना ही मालिकाना हक साबित नहीं करता। अधिकारी यह भी जांचते हैं कि लॉकर किसके नाम पर था, कौन उसका इस्तेमाल करता था, और परिवार के अन्य सदस्यों का उससे क्या संबंध था। यदि संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता है, तो गहनों को अघोषित संपत्ति माना जा सकता है, जिस पर भारी टैक्स लगता है। वे सलाह देते हैं कि खरीद बिल उपलब्ध न होने पर भी पुराने वैल्यूएशन रिपोर्ट, वेल्थ-टैक्स और इंश्योरेंस रिकॉर्ड, वसीयत, उत्तराधिकार या पारिवारिक समझौते के दस्तावेज़, तस्वीरें और लॉकर रिकॉर्ड जैसे सबूत महत्वपूर्ण होते हैं।

कोई एक दस्तावेज़ निर्णायक नहीं होता; बल्कि सभी सबूतों का एक साथ मिलकर यह साबित करना ज़रूरी है कि गहने पैतृक या पिछली पीढ़ी के हैं। मौजूदा वैल्यूएशन रिपोर्ट गहनों की पहचान और कीमत बताती है, लेकिन खरीद की तारीख या मूल मालिक को साबित नहीं करती। यदि आयकर विभाग टैक्स बढ़ाता है, तो करदाता कमिश्नर और फिर आईटीएटी के सामने इसे चुनौती दे सकते हैं।

नए ईंधन नियमों से सस्ती होंगी ईवी, पेट्रोल-डीजल कारें हो सकती हैं महंगी

- सीएएफई-3 नियम अप्रैल 2027 से लागू होकर मार्च 2032 तक प्रभावी

नई दिल्ली।

भारत में नए कॉरपोरेट एवरेज फ्यूल इकॉनमी (सीएएफई-3) नियम अप्रैल 2027 से लागू होंगे, जो ऑटो बाजार में बड़ा बदलाव लाएंगे। इनसे 10 लाख रुपये से सस्ती इलेक्ट्रिक कारों का बाजार तेजी से बढ़ेगा, जबकि अधिक उत्सर्जन वाली पेट्रोल-डीजल गाड़ियां महंगी हो सकती हैं। मार्च 2032 तक प्रभावी ये नियम वाहन कंपनियों को औसत ईंधन खपत और उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। बैटरी इलेक्ट्रिक कारों को तीन गुना महत्व मिलने से कंपनियों के लिए पेट्रोल-डीजल उत्सर्जन की भरपाई आसान होगी। इसीलिए कंपनियां 10 लाख रुपये से कम कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों पर ध्यान देंगी, जो भारत के बड़े यात्री वाहन बाजार के एक अहम हिस्से को भुना सकता है। बाजार के जानकारों का मानना है कि शुरुआती कीमत वाली ईवी की बिक्री बढ़ाना आसान होगा। दूसरी ओर ज्यादा उत्सर्जन वाली पेट्रोल-डीजल कारों की बिक्री घट या उनकी कीमत बढ़ सकती है ताकि जुर्माने से बचा जा सके। सीएएफई-3 के तहत, पांच साल में ईंधन दक्षता में 16.7 फीसदी सुधार का लक्ष्य है। विशेषज्ञों के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर निर्भर कंपनियों को अपने पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और वैकल्पिक ईंधन गाड़ियां शामिल करनी होंगी। टाटा मोटर्स व महिंद्रा जैसी प्रमुख कंपनियों ने नियमों का स्वागत किया है। हालांकि, नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने 2032 के लिए 11 फीसदी इलेक्ट्रिक कार लक्ष्य को कम बताया है, क्योंकि यह चालू वित्त वर्ष में ही 8 फीसदी तक पहुंच चुका है।

एनएसई को सेबी की हरी झंडी, कॉर्पोरेट बॉन्ड डेरिवेटिव्स जल्द

जोखिम प्रबंधन और बाजार विस्तार का मिलेगा लाभ, आरबीआई की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) को 'कॉर्पोरेट बॉन्ड इंडेक्स डेरिवेटिव' शुरू करने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल गया है। यह महत्वपूर्ण कदम भारत के कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार में जोखिम प्रबंधन के नए आयाम खोलेगा और निश्चित आय वाले बाजारों को गहरा करने में सहायक होगा। एनएसई ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि सेबी की मंजूरी से बाजार प्रतिभागियों को कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार से जुड़े जोखिमों से निपटने के लिए एनएसई पर कारोबार का एक नया विकल्प मिलेगा। इस पहल से भारत में 'कॉर्पोरेट बॉन्ड डेरिवेटिव' के परिवेश को विकसित करने में मदद मिलेगी। 'कॉर्पोरेट बॉन्ड इंडेक्स डेरिवेटिव' से प्रबंधन व पोर्टफोलियो जोखिम और कीमतों का पता लगाने के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलने की उम्मीद है। यह प्रतिभागियों को अपने 'कॉर्पोरेट बॉन्ड पोर्टफोलियो' से जुड़े जोखिमों से निपटने और बाजार में कारोबार करने की सुविधा बढ़ाने में मदद करेगा। हालांकि, एनएसई ने स्पष्ट किया है कि इसकी वास्तविक शुरुआत के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अंतिम मंजूरी अभी भी आवश्यक है। एनएसई के एक अे धिकारी ने इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पहल भारत के निश्चित आय वाले बाजारों को व्यापक करने और एनएसई पर कारोबार किए जाने वाले जोखिम प्रबंधन उत्पादों का विस्तार करने के एनएसई के प्रयासों का एक अहम हिस्सा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 571 अंक, निफ्टी 198 अंक गिरा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से भी आई है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार टूटा है। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में अस्थिरता और ब्याज दरों में वृद्धि के डर से भी निवेशकों में घबराहट फैलने के कारण बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 570.59 अंक करीब टूटकर 71,909.70 पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.50 अंक गिरकर 22,421.95 पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान ही बाजार के प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट रही। , जिसमें बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक गिरकर नए निचले स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में दिनभर के कारोबार में 1,280 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई, जो 72,573 के उच्च स्तर से गिरकर 71,293 के निम्न स्तर पर आ गया। इस बीच, एनएसई निफ्टी 50 सूचकांक में दिन के दौरान करीब 394 अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जो 22,217 के न्यूनतम स्तर पर आ गया। वहीं दिन का उच्चतम स्तर 22,611 रहा।

आज निफ्टी50 इंडेक्स में बजाज ऑटो, मारुति सुजुकी, श्रीराम फाइनेंस, टाटा स्टील, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, आयशर मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई लाइफ, मैक्स हेल्थ और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त रही।

वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 भी गिरावट के साथ बंद हुए। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल, निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। वहीं आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स 66 अंकों की गिरावट के साथ 72,413 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 40 अंक टूटकर 22,581 पर कारोबार करता देखा गया।

त्योहारों से पहले चीनी का बंपर स्टॉक, सरकार ने बढ़ाया बिक्री कोटा

नवरात्र और दिवाली से पहले मिठाइयों की बढ़ी मांग को देखते हुए सरकार का फैसला

– नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों खासकर नवरात्रि, दुर्गा पूजा और दिवाली के दौरान मिठाइयों की बढ़ती मांग को पूरा करने और चीनी की कीमतों को स्थिर रखने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने अक्टूबर के शुरुआती 15 दिनों के लिए चीनी की बिक्री का कोटा बढ़ा दिया है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने अक्टूबर के पहले पखवाड़े (1-15 अक्टूबर) के लिए 1.40 मिलियन टन चीनी बिक्री कोटा तय किया है, जो सितंबर की समान अवधि के 1.30 मिलियन टन से अधिक है। यह फैसला त्योहारों में चीनी की बढ़ी मांग के मद्देनजर कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए लिया गया है।

सितंबर से लागू हुई नई व्यवस्था के तहत अब चीनी की बिक्री का कोटा हर 15 दिन में तय किया जाता है।पहले यह पूरे महीने के लिए एक साथ जारी होता था। इस बदलाव का मकसद बड़े व्यापारियों द्वारा स्टॉक रोककर कृत्रिम रूप से कीमतें बढ़ाने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाना है। हर पखवाड़े समीक्षा से बाजार की मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी, जिससे कीमतों में अचानक बढ़ोतरी रुकेगी। गौरतलब है कि जुलाई और अगस्त में चीनी की कीमतों में तेजी से उछाल देखा गया था, जिसके बाद

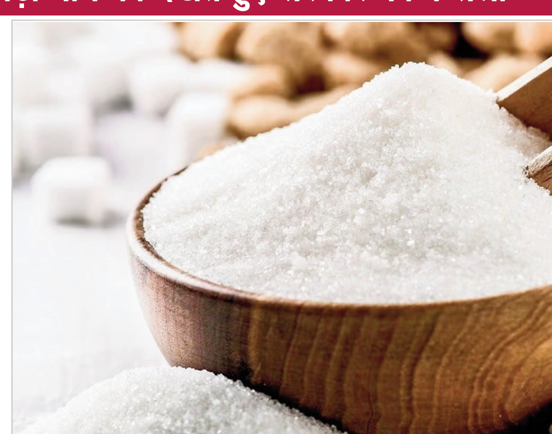

सरकार ने स्टॉक सीमा तय करने और कच्ची चीनी के आयात जैसे उपाय किए थे। इन कदमों के परिणामस्वरूप, अब चीनी की खुदरा कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर से 11-12 फीसदी गिरकर औसतन 57.50 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 27 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.21 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया में सीमित दायरे में कारोबार करता दिखा। सुबह रुपयरा तीन पैसे की गिरावट के साथ 95.97 प्रति डॉलर पर आ गया। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग के कारण रुपये पर दबाव रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हाजिर और वायदा बाजारों में डॉलर की बिक्री से रुपये की गिरावट हालांकि, सीमित रही और विनिमय दर 96.00 के स्तर से नीचे बनी रही। इसके अलावा, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मजबूती से भी रुपया दबाव में रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 95.97 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को शुरुआती बढ़त गंवाता हुआ 95.94 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत बढ़कर 101.54 पर रहा।

त्योहारों से पहले हवाई यात्रा होगी महंगी

हवाई ईंधन के दाम अक्टूबर में 13.22 फीसदी बढ़े, अब 137 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

त्योहारों से पहले हवाई यात्रा करने वालों को एक बड़ा झटका लगा है। हवाई जहाज के ईंधन (एटीएफ) के दाम लगातार तीसरे महीने बढ़ गए हैं, जिससे फ्लाइट टिकटों का महंगा होना तय है। अक्टूबर में एटीएफ में 13.22 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई है, जिसके बाद एक लीटर एटीएफ अब लगभग 137 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पिछले तीन महीनों में एटीएफ के दाम कुल मिलाकर करीब 27 रुपये प्रति लीटर महंगे हो चुके हैं, जो जुलाई में 110 रुपये प्रति लीटर था। एटीएफ एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च का 35 से 40 फीसदी होता है, इसलिए यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर उनकी चिंता बढ़ाती है। एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली से मुंबई जैसी दो घंटे की उड़ान में ईंधन पर लगभग 80,000 से 96,000 रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। इस अतिरिक्त बोझ को एयरलाइंस मूल किराया बढ़ाकर, अलग से फ्यूल चार्ज जोड़कर या सस्ती टिकटों की संख्या कम करके यात्रियों पर डाल सकती हैं। दशहरा, दिवाली और छठ जैसे बड़े त्योहारों के दौरान, जब हवाई यात्रा की मांग वैसे ही बढ़ जाती है, पटना, लखनऊ और कोलकाता जैसे लोकप्रिय मार्गों पर हवाई किराए में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। एटीएफ के दाम में यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने का परिणाम है।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 7 महीने के उच्चतम स्तर पर

मजबूत घरेलू-निर्यात मांग, नए ऑर्डर और उत्पादन में तेजी ने दी रफ्तार

–नई दिल्ली ।

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने सितंबर में शानदार प्रदर्शन किया, जहां वृद्धि दर सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार घरेलू और निर्यात मांग में मजबूती के साथ-साथ नए ऑर्डर और उत्पादन में तेजी इसकी प्रमुख वजह रही। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अगस्त के 52.8 से बढ़कर सितंबर में 55.1 हो गया, जो क्षेत्र में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है।

यह आंकड़ा 50 से ऊपर विस्तार को दर्शाता है। इस तेजी के चलते कारोबारी धारणा भी चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इलेक्ट्रॉनिक, खाद्य, दवा और कपड़ा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत मांग देखी गई, जबकि ब्राजील, यूरोप, यूएई और अमेरिका से निर्यात ऑर्डर में भी अगस्त के मुकाबले तेज गति से वृद्धि हुई। बिक्री और उत्पादन में वृद्धि के साथ, रोजगार में भी मई के बाद सबसे तेज गति से बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कीमतों के मोर्चे पर, कच्चे माल की लागत और बिक्री कीमतों में वृद्धि की गति तेज हुई, लेकिन महंगाई की दर ऐतिहासिक मानकों के हिसाब से अब भी हल्की रही। कंपनियों ने भविष्य की अनुमानित बिक्री की तैयारी के लिए उत्पादन सामग्री और तैयार माल का स्टॉक भी बढ़ाया, जो लगभग 12 साल में दूसरी सबसे बड़ी वृद्धि है। विनिर्माता नए ऑर्डर की अच्छी संभावनाओं और लगातार मजबूत मांग की उम्मीद के साथ भविष्य को लेकर काफी सकारात्मक हैं।

रिटायर्ड सिविलियन कर्मचारियों के लिए वन रैंक, वन पेंशन की मांग तेज़

कर्मचारी और पेंशनर संगठन 8वें वेतन आयोग से कर रहे अपील, अक्टूबर की बैठकों में होगी चर्चा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के रिटायर्ड सिविलियन कर्मचारियों के लिए वन रैंक, वन पेंशन (ओआरओपी) की मांग तेज़ हो गई है। कर्मचारी और पेंशनर संगठनों ने 8वें वेतन आयोग के सामने यह मुद्दा उठाया है कि सशस्त्र बलों की तर्ज पर नागरिक पेंशनभोगियों को भी समान रैंक और समान सेवा अवधि के लिए एक समान पेंशन मिले, भले ही उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख अलग-अलग हो।

अक्टूबर में बेंगलुरु और मुंबई में होने वाली आयोग की बैठकों में इस पर अहम चर्चा होने की उम्मीद है। पेंशन असमानता खत्म करने की मांग मौजूदा प्रणाली के तहत, यदि एक ही पद पर समान अवधि तक काम करने वाले दो कर्मचारी अलग-अलग वर्षों में रिटायर होते हैं, तो उनकी पेंशन में काफी अंतर होता है। अक्सर, हाल ही में रिटायर हुए कर्मचारियों की पेंशन, बहुत पहले रिटायर हुए कर्मचारियों की तुलना में काफी अधिक होती है, भले ही रैंक दोनों का समान हो।

इसी विसंगति को दूर करने के लिए लेवल 1 से 18 तक के सिविलियन कर्मचारी ओआरओपी जैसी व्यवस्था की जोरदार मांग कर रहे हैं।

उनका तर्क है कि जब पद, लेवल और सेवा अवधि करीब-करीब समान हो, तो सिर्फ रिटायरमेंट का समय अलग होने से पेंशन में इतना अंतर नहीं होना चाहिए।

ओआरओपी सिस्टम यह सुनिश्चित करेगा कि एक ही रैंक पर काम करने वाले और समान अवधि तक सेवा करने वाले लोगों को एक जैसी पेंशन मिले, चाहे वे कभी भी रिटायर हुए हों। सशस्त्र बलों की तरह समानता की वकालत केंद्र सरकार ने साल 2015 में सशस्त्र बलों के लिए ओआरओपी की व्यवस्था लागू की थी, जिसके तहत समान रैंक और समान अवधि तक देश की सेवा करने वाले सैनिकों को उनकी रिटायरमेंट की तारीख के बावजूद एक बराबर पेंशन मिलती है। इसी तर्ज पर अब सिविलियन पेंशनर्स भी समानता की मांग कर रहे हैं।

म्युचुअल फंड॰ निकासी से पहले जानें एग्जिट लोड और कैपिटल गेन टैक्स का गणित

एग्जिट लोड फंड की शर्त, कैपिटल गेन टैक्स सरकारी नियम, दोनो का असर समझना महत्वपूर्ण

– नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड में निवेश के वक्त निवेशक अक्सर रिटर्न पर केंद्रित रहते हैं, पर निकासी के समय एग्जिट लोड और कैपिटल गेन टैक्स समझना ज़रूरी है। ये दोनों ही अंतिम रकम को प्रभावित करते हैं, जिनकी प्रकृति और गणना भले अलग हो। एग्जिट लोड वह शुल्क है जो तय अवधि (जैसे एक साल) से पहले यूनिट बेचने पर फंड हाउस ले सकता है।

सेबी का मकसद बार-बार निकासी रोकना है। हर स्कीम में दर व अवधि अलग होती है, जानकारी एसआईडी में मिलती है। यह सीधे नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) से कटता है। उदाहरण के लिए, 1.05 लाख रुपये हो चुके 1 लाख के निवेश पर 1 फीसदी एग्जिट लोड 1,050 रुपये होगा। इसके विपरीत, कैपिटल गेन टैक्स निवेश से हुए लाभ पर लगता है।

इक्विटी फंड में, 12 महीने से कम की निकासी पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन लगता है, जिसकी मूल टैक्स दर 20 फीसदी है। वहीं 12 महीने से अधिक पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन लगता है, जिसमें एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपये से अधिक लाभ पर 12.5 फीसदी की मूल दर लागू होती है। डेट फंड व अन्य के लिए नियम अलग हैं। अहम है कि एग्जिट लोड फंड की शर्त है, टैक्स सरकारी नियम। दोनों एक साथ लग सकते हैं।

इसलिए, निकासी करते समय सिर्फ रिटर्न नहीं, बल्कि एग्जिट लोड, निवेश अवधि और लागू टैक्स नियमों को समझना ज़रूरी है, ताकि अंतिम रकम का सही अनुमान लगे।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

ललित गर्ग

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निमार्ताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले ह्यप्रॉम्प्ट इंजेक्शनह्न और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को ह्यएआई बंद करोह्न नहीं, बल्कि ह्यएआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करोह्न का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निमार्ताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समय रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

संपादकीय

सुरक्षाबलों में असुरक्षा

जम्मू-कश्मीर स्थित कठुआ में सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की ड्यूटी पर तैनात एक हिंसक साथी द्वारा चार जवानों की हत्या करने की घटना ने सुरक्षा बलों के भीतर छिपे खतरों की डरावनी तस्वीर उकेरी है। बताया जाता है कि सीआईएसएफ के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस ए.के-47 से गोलीबारी करके इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अंजाम दिया। बताते हैं कि इस वाकये में कार्यस्थल पर अपने छोटे बच्चे को लेकर आने से शुरू हुई बहस कालांतर हिंसक टकराव में बदल गयी। विगत में भी मानसिक द्वंद्व से गुजर रहे सुरक्षा बलों के जवानों के हिंसक प्रतिरोध के मामले सामने आए हैं। ये घटना बताती है कि सुरक्षा कर्मियों से जुड़ी समस्याओं के निपटारे के लिये मजबूत सिस्टम बनाने की सख्त जरूरत है। निस्संदेह, यह घटना केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में काम करने की स्थितियों पर भी प्रश्न उठाती है। दरअसल, दूर-दराज के इलाकों में तैनात जवानों को लंबी और अनियमित ड्यूटी, परिवार से जुड़ी मुश्किलों तथा घर से लंबे समय तक दूर रहने जैसी तमाम चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में किसी तनाव से गुजर रहे सुरक्षाकर्मी के व्यवहार व मानसिक स्थिति पर संवेदनशील ढंग से नजर रखने की जरूरत होती है। यह संकट इसलिए भी बड़ा है क्योंकि सुरक्षा कर्मियों का अनिवार्य रूप से हथियार रखना ड्यूटी का हिस्सा है। जिसके चलते मामूली विवाद के घातक रूप लेने की आशंका लगातार बनी रहती है। इसका अभिप्राय यह कदापि नहीं है कि हर छोटा-मोटा विवाद हिंसक रूप में बदल ही सकता है। लेकिन ऐसे संकेतों पर समय रहते ध्यान देने की जरूरत होती है ताकि किसी दुखद घटना को टाला जा सके। निस्संदेह, केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बलों में ऐसे दुखद हादसों को टालने हेतु, जवानों की शिकायतों के समाधान के लिये प्रभावी तंत्र और असरदार निगरानी की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों में हथियारों को लेकर सुरक्षा उपाय और आसानी से उपलब्ध मनोवैज्ञानिक मदद, बचाव की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

निस्संदेह, किसी भी सुरक्षाबल में जवानों का अनुशासित होना, अपरिहार्य शर्त है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में ऑपरेशन के लिये जवानों का हरदम शस्त्रों से लैस होना भी लाजिमी है। ऐसे में निगरानी व किसी भी टकराव को टालने के लिये उपायों को लेकर गंभीर पहल होनी चाहिए। कुछ वर्ष पूर्व गृह मंत्रालय की एक टास्क फोर्स ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में कुछ जवानों द्वारा अपने साथियों की हत्या करने के मुख्य कारणों की पहचान की थी। जिसमें उल्लेख किया गया है कि कठोर सेवा शर्तें, छुट्टी मिलने में देरी-विशेषकर परिवार में आपात स्थिति के समय, आलोचना, उत्पीड़न पर प्रतिक्रिया तथा साथियों के अनुचित व्यवहार के कारण हिंसक प्रतिक्रियाएं बढ़ी हैं। कठुआ की घटना की जांच में भी यह पता लगाया जाना चाहिए कि क्या इस मामले में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया गया था। यह दुखद है कि कि देश के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले देश के एक प्रमुख सुरक्षा बल ने अपने चार जवानों को असमय खो दिया है। निस्संदेह, उनकी मौत के लिये जवाबदेही तय होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में किसी सशस्त्र बल के भीतर का मनमुटाव कभी इतने घातक परिणामों तक न पहुंच पाये। दरअसल, वक्त बदला है तो रोजगार के अवसर सिमटने के चलते उच्च शिक्षा हासिल युवा इन सुरक्षा बलों में भर्ती हुए हैं। जिंदगी में सुनहरे सपने लिये जब वे इन सुरक्षा बलों में आते हैं तो कठोर अनुशासन व सख्त नियमों के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। वहीं सुरक्षा बलों का ढांचा पुराने ढर्रे पर चल रहा है, जो नई पीढ़ी की बदलाव की आकांक्षाओं के साथ तालमेल बैठाता नजर नहीं आता है। फलतः जवानों की अपने अधिकारियों से अनेक मुद्दों पर वैचारिक भिन्नता हो सकती है। निस्संदेह, कठोर अनुशासन सुरक्षा बलों की अपरिहार्य शर्त होती है, लेकिन आज की पीढ़ी में पुरानी पीढ़ी जैसा धैर्य और सहनशीलता नजर नहीं आती है। जो कालांतर बड़े अधिकारियों के सख्त अनुशासित व्यवहार में बाधक होता है। निस्संदेह, देश के केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के स्वरूप को बदलते वक्त की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने की जरूरत है।

शेयर बाजार में निवेशकों के 8 सप्ताह में डूबे 45 लाख करोड़

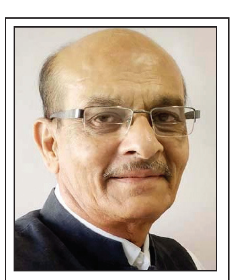
सनत जैन

हर्षद मेहता जैसा घोटाला?

भारतीय शेयर बाजार इन दिनों अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। शेयर बाजार के निवेशकों को 8 सप्ताह के अंदर लगभग 45 लाख करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। यह कोई छोटा-मोटा नुकसान नहीं है। दिसंबर 2025 में मुंबई स्टॉक एक्सचेंज का कारोबार 86159 के सूचकांक पर हो रहा था। 1 अक्टूबर 2026 को यह गिरकर 71328 पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह में 26373 पर कारोबार कर रहा था। जो अब घटकर 22337 पर आ गया है। शेयर बाजार में लगातार उथल-पुथल मची हुई है। पिछले 8 सप्ताह में जिस तरह से शेयर बाजार में निकासी का दौर शुरू हो गया है। विदेशी निवेशक शेयर बाजार छोड़कर भाग रहे हैं। रिजर्व बैंक और सेबी की जो नई नीतियां बनी है, उसमें कोई पारदर्शिता नहीं है। भारतीय शेयर बाजार को सट्टे बाजार की तरह संचालित किए जाने से निवेशको का भरोसा अब शेयर बाजार में नहीं रहा। रही-सही कसर रिजर्व बैंक ने पूरी कर दी है। जब उसने प्रवासी भारतीयों से ऊंची ब्याज दर पर डॉलर में निवेश करने और डॉलर में ही ब्याज देने का प्रावधान किया। उसके बाद से स्थिति दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञ यह कहने लगे हैं, 1992 जैसे हालत 2026 में देखने को मिल रहे हैं। 1992 में जब हर्षद मेहता घोटाला सामने आया था। हर्षद मेहता के रंक से राजा और राजा से रंक बनने की कहानी को आसानी से समझा जा सकता है। 1992 में शेयर बाजार में मात्र 4025 रुपए करोड रुपए का घोटाला हुआ था। जिसने शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की नीव को हिला कर रख दिया था। उस समय भी भारतीय वित्तीय संस्थानों और बैंकों को भारी नुकसान हुआ था। यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया जैसी कंपनी पूरी तरह से बैठ गई थी। चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल बन गया था। उस समय हर्षद मेहता ने एक करोड रुपए की रिश्वत तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंहराव को देने की पेशकश की थी। इस पर बड़ा बवाल मचा था। 1992 के शेयर घोटाले के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को संभलने में कई वर्ष लगे। 2014 के बाद से जिस तरह से सेबी और रिजर्व बैंक समय-समय पर जो नियम कानून बना रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा आर्थिक मामलों में जो निर्णय लिए जा रहे हैं। उसके बारे में अब कहा जा रहा है, शेयर बाजार और भारतीय कंपनियों के माध्यम से लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले पिछले 12 वर्षों में हुए हैं। शेयर बाजार से सारा पैसा मुनाफाखोरी और घोटालेबाजी के कारण निकल चुका है। यह पैसा भारतीय शेयर बाजार से निकलकर विदेशों में निवेश हो गया है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कंपनियों में भारी निवेश किया है। शेयर बाजार के माध्यम से भारी आर्थिक गड़बडियां की गई हैं। पिछले दो वर्षों में जिस तरह के हालात शेयर बाजार के बने हुए हैं। उसने शेयर बाजार की आंतरिक स्थिति को और भी खराब कर दिया है। विशेष रूप से ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। डालर के मुकाबले रुपया की कीमत तेजी के साथ कम हुई है। राजकोषीय घाटा बढ़ता ही जा रहा है। आयात और निर्यात के बीच का अंतर भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। पिछले दो सप्ताह में शेयर बाजार से लगभग 45 लाख करोड़ रूपया निवेशकों का नुकसान के रूप में सामने आया है। ऐसी स्थिति में आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, भारत की अर्थव्यवस्था स्वतंत्रता के बाद से सबसे खराब दौर में पहुंच गई है।

अहिंसा है जीवन का सौन्दर्य एवं सृष्टि का आधार

स्वामी देवेंद्र ब्रह्मचारी

आज दुनिया विज्ञान, तकनीक और आर्थिक प्रगति के जिस दौर में पहुंची है, उसी के समानांतर हिंसा, आतंकवाद, युद्ध, तनाव, असहिष्णुता और प्रतिस्पर्धा की प्रवृत्तियां भी बढ़ी हैं। मनुष्य ने प्रकृति पर विजय पाने की कोशिश में स्वयं अपने भीतर अशांति पैदा कर ली है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास है, समाजों में वैचारिक टकराव है, परिवारों में तनाव है और व्यक्तिगत जीवन में भी क्रोध, प्रतिशोध एवं प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में अहिंसा केवल एक नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि संतुलित जीवन और शांतिपूर्ण विश्व-व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता बन गई है। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस इसी आवश्यकता की वैश्विक स्वीकृति है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस घोषित किया था। प्रस्ताव में अहिंसा की सार्वभौमिक प्रासंगिकता तथा शांति, सहिष्णुता, समझ और अहिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

अहिंसा जीवन का सौंदर्य है। यह केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाने का नाम नहीं है। अहिंसा मन, वचन और कर्म की निर्मलता है। किसी के प्रति घृणा न रखना, अपमानजनक भाषा से बचना, विचारों में कटुता न पालना और अपने व्यवहार से दूसरे के मन को अनावश्यक पीड़ा न देना भी अहिंसा है। इसलिए अहिंसा संतुलित जीवन का आधार है। जहां हिंसा है वहां भय है, जहां भय है वहां तनाव है और जहां तनाव है वहां सुख एवं शांति का स्थायी निवास संभव नहीं। अहिंसा की सबसे व्यापक और सूक्ष्म व्याख्या जैन दर्शन में मिलती है। भगवान महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बनाया। जैन दर्शन में अहिंसा केवल मनुष्य को मनुष्य से बचाने का सिद्धांत नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के अस्तित्व के सम्मान का दर्शन है। यही कारण है कि जैन साधु-साध्वियों का जीवन अहिंसा की प्रयोगशाला जैसा दिखाई देता है।

जैन साधु चलते हैं तो अत्यंत सावधानी से कदम रखते हैं। वे अपने आगे के स्थान को कोमल रजोहरण से साफ करते हैं, ताकि सूक्ष्म जीवों को भी अनावश्यक चोट न पहुंचे। श्वेतांबर परंपरा में मुखवस्त्रिका का प्रयोग भी सूक्ष्म जीवों के प्रति सावधानी की इसी भावना से जुड़ा है। जैन मुनियों के आचार में चलने, बोलने, वस्तु उठाने-रखने और भोजन ग्रहण करने तक में सजगता का विशेष महत्व है। यहां अहिंसा का अर्थ केवल बाहरी हिंसा से बचना नहीं, बल्कि सजग होकर जीना है। जैन आचार में रात्रि-भोजन से बचने, भोजन और जल को जीवों की रक्षा की दृष्टि से सावधानीपूर्वक ग्रहण करने जैसी परंपराएं भी इसी सूक्ष्म अहिंसक चेतना से जुड़ी हैं। जैन साधु का जीवन हमें एक बहुत बड़ा संदेश देता है-जिस जीवन में छोटी-से-छोटी हिंसा के प्रति भी संवेदना है, उसमें बड़ी हिंसा के लिए स्थान कैसे हो सकता है? यही अहिंसा का विराट दर्शन है।

भगवान महावीर की अहिंसा की विशेषता यह है कि वह केवल हाथ की हिंसा को नहीं रोकती, बल्कि वाणी और विचार की हिंसा को भी चुनौती देती है। कटु शब्द किसी व्यक्ति के शरीर को घायल नहीं करते, लेकिन उसके मन को गहरी चोट पहुंचा सकते हैं। इसलिए अहिंसा का वास्तविक विस्तार तभी होगा जब हम अपनी भाषा को भी करुणामय बनाएं। हमारा व्यवहार ऐसा हो कि हमारे संपर्क में आने वाला व्यक्ति अपने भीतर अपमान, भय या कड़वाहट महसूस न करे। आज सोशल मीडिया के दौर में यह शिक्षा और भी महत्वपूर्ण है। एक कठोर शब्द, एक अपमानजनक टिप्पणी या एक झूठी सूचना हजारों लोगों के मन में तनाव और घृणा पैदा कर सकती है। इसलिए डिजिटल युग में अहिंसक वाणी और अहिंसक संचार की जरूरत पहले से अधिक है।

यदि भगवान महावीर ने अहिंसा को आध्यात्मिक और जीवन-दर्शन के रूप में अत्यंत सूक्ष्मता प्रदान की, तो महात्मा गांधी ने उसे सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रभावी साधन बनाया। गांधी ने सत्य और अहिंसा को स्वतंत्रता संघर्ष के केंद्र में रखा। नमक सत्याग्रह सहित उनके आंदोलनों ने यह दिखाया कि अन्याय का प्रतिरोध हिंसा के बिना भी किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र भी गांधी को अहिंसा के दर्शन और रणनीति के प्रमुख प्रवर्तकों में मानता है और उनके नेतृत्व को विश्वभर के अहिंसक आंदोलनों की प्रेरणा से जोड़ता है। गांधी की अहिंसा कायरता नहीं थी। वह अन्याय के सामने चुप रहने का नाम भी नहीं थी। वह सत्य के साथ खड़े होकर अन्याय का प्रतिरोध करने की शक्ति थी। गांधी के लिए साधन और साध्य का संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण था-शांतिपूर्ण समाज की स्थापना हिंसक साधनों से नहीं की जा सकती। संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज भी गांधी के विचारों को इसी संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं कि स्थायी परिवर्तन के लिए अहिंसक साधनों की आवश्यकता है।

आज युद्ध और आतंकवाद ने मानवता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। राष्ट्रों के पास विनाश के पहले से अधिक शक्तिशाली साधन हैं। तकनीक ने युद्ध की क्षमता को कई गुना बढ़ा दिया है। ऐसे समय में अहिंसा का अर्थ यह नहीं कि समाज अपनी सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी छोड़ दे। आतंकवाद और हिंसा का सामना करते हुए राष्ट्रों को नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी ही होती है। लेकिन दीर्घकालीन शांति केवल शक्ति-संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास, न्याय, सह-अस्तित्व और मानवीय संवेदना से निर्मित होती है। भारत की सभ्यता ने सदियों से वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः, अनेकांत और सर्वधर्म सद्भाव जैसी अवधारणाओं के माध्यम से इसी व्यापक दृष्टि को पोषित किया है। ये विचार हमें बताते हैं कि दूसरे की दृष्टि को समझे बिना स्थायी शांति संभव नहीं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी शांति और संवाद की आवश्यकता को लगातार रेखांकित किया है।

भारत के वर्तमान नेतृत्व ने भी विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और मानव-केंद्रित विकास जैसे विचारों को सामने रखा है। लेकिन अहिंसा का वैश्विक संदेश केवल सरकारों या राजनेताओं का दायित्व नहीं है। इसकी शुरूआत व्यक्ति से होती है-परिवार से, विद्यालय से, समाज से और हमारी रोजमर्रा की भाषा एवं व्यवहार से। आज मनुष्य को बाहर की हिंसा से जितना खतरा है, उतना ही भीतर की हिंसा से भी है। क्रोध, ईर्ष्या, अहंकार, लोभ और प्रतिशोध मनुष्य के भीतर निरंतर संघर्ष पैदा करते हैं। इसलिए अहिंसा का पहला प्रयोग अपने भीतर होना चाहिए। अपने क्रोध को करुणा में, प्रतिस्पर्धा को सहयोग में, प्रतिशोध को क्षमा में और असहमति को संवाद में बदलना ही आधुनिक अहिंसा है। परिवार में अहिंसा का अर्थ है-एक-दूसरे को समझना। समाज में अहिंसा का अर्थ है-विविधताओं का सम्मान करना। राजनीति में अहिंसा का अर्थ है-विचारों के संघर्ष को शत्रुता में न बदलना। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अहिंसा का अर्थ है-संवाद और कूटनीति के रास्ते खुले रखना। अहिंसा कमजोरी नहीं, संयमित शक्ति है। हिंसा तत्काल परिणाम दे सकती है, लेकिन स्थायी शांति का निर्माण नहीं कर सकती। संयुक्त राष्ट्र ने भी गांधी के संदर्भ में इस विचार को रेखांकित किया है कि हिंसा पर स्थायी निर्माण संभव नहीं है।

आज जब दुनिया हिंसा की बढ़ती प्रवृत्तियों से चिंतित है, तब भारत की धरती से एक बार फिर यह संदेश मुखर होना चाहिए-अहिंसा केवल भारत की विरासत नहीं, संपूर्ण मानवता का भविष्य है। महावीर की करुणा और गांधी के सत्याग्रह की रोशनी में यदि मनुष्य अपने विचार, वाणी और व्यवहार को बदल सके, तो युद्ध की मानसिकता के स्थान पर संवाद, घृणा के स्थान पर मैत्री और संघर्ष के स्थान पर सह-अस्तित्व की नई विश्व-संरचना संभव है। यही अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस की सार्थकता है और यही मानवता के शांत, संतुलित एवं सुंदर भविष्य की दिशा भी। अहिंसा के इस व्यापक संदेश को समाज के बीच जीवंत बनाने में महावीरायतन फाउंडेशन की भूमिका भी उल्लेखनीय है। महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा अहिंसा, करुणा, शाकाहार, जीव-दया, पर्यावरण-संरक्षण, प्राणीमात्र के प्रति संवेदना तथा मानवीय मूल्यों को केंद्र में रखकर विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक प्रवृत्तियां संचालित की जाती हैं और संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं संवाद-कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा-दर्शन को समकालीन जीवन से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। मेरे गुरुदेव आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने भी अपने संपूर्ण जीवन से अहिंसक, संयमित और करुणामय जीवनशैली की प्रेरणा दी। आज आवश्यकता है कि महावीर की सूक्ष्म अहिंसा, गांधी के अहिंसा दर्शन और आचार्य विद्यासागर जी महाराज की जीवन-साधना से प्रेरणा लेकर अहिंसा को व्यक्तिगत आचरण से सामाजिक संस्कार और सामाजिक संस्कार से वैश्विक जीवन-दृष्टि बनाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड में 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड में पहली बार 24 महीने के बच्चे को इच्छामृत्यु दी गई। साल 2024 में लागू हुए इच्छामृत्यु के नए नियम के बाद यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्री सोफी हरमन्स ने जून में बताया था कि 2025 के अंत में गंभीर बीमारी से पीड़ित एक बच्चे की इच्छामृत्यु दी गई थी। अब एक समीक्षा समिति की रिपोर्ट में इस मामले की विस्तृत जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे का जन्म 26 सप्ताह व तीन दिन की गर्भावस्था में हुआ था। समय से पहले जन्म के कारण उसे मस्तिष्क को गंभीर नुकसान पहुंचा और कई संक्रमण हुए। चार महीने की उम्र में उसे सेप्सिस हुआ। आठ की उम्र में इन्फैंटाइल एपिलेप्टिक स्पाज्म सिंड्रोम का पता चला।

रूस में ट्रायल सफल, भारत के स्वदेशी कावेरी इंजन से उड़ेगा घातक स्टेल्थ ड्रोन

मास्को, एजेंसी। भारत के स्वदेशी कावेरी ड्राई इंजन ने रूस में अपने ज्यादा ऊंचाई और उड़ान के परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के गैस टर्बाइन रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (जीटीआरई) की ओर से विकसित यह इंजन भारत के आगामी स्टेल्थ मानवरहित लड़ाकू विमान घातक में लगाया जाएगा। परीक्षणों के दौरान इस इंजन ने 48.5 किलोन्यूटन (केएन) का उच्च ड्राई थ्रस्ट हासिल किया, जो इसके निर्धारित 46 केएन के लक्ष्य से काफी अधिक है। ये परीक्षण अत्यधिक ऊंचाई व कम दबाव जैसी परिस्थितियों में और मॉडिफाइड इल्यूशिन इल्यू-76 विमान पर इंजन को माउंट करके किए गए। रूस में परीक्षण पूरे होने के बाद अब यह परियोजना भारत में सर्टिफिकेशन और इंटीग्रेशन के चरण में पहुंच गई है। यह सफलता भारत के घरेलू जेट इंजन निर्माण की दिशा में एक अहम कदम है।

रूस में उड़ान भरते ही गिरा सेना का बमवर्षक विमान, छह की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्वी अमूर क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ा विमान हादसा हो गया। यहां एक नियमित ट्रेनिंग उड़ान के दौरान रूसी सेना का परमाणु क्षमता वाला बड़ा बमवर्षक विमान उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम रूस का टीयू-95एमएस बमवर्षक विमान एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान टेक-ऑफ करने के कुछ ही मिनटों बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें क्रू के सात सदस्यों में से छह की मौत हो गई, जबकि एक सदस्य सुरक्षित बच गया है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती सैन्य रिपोर्ट्स और स्थानीय मीडिया के अनुसार, उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान के इंजनों में आग लग गई या फ्यूल टैंक में विस्फोट हो गया, जिसके चलते विमान सीधे जमीन पर आ गिरा और आग के गोले में तब्दील हो गया। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह विमान नियमित सैन्य अभ्यास के लिए इस्तेमाल किया जाता है और हादसे के समय यह बिना किसी गोला-बारूद के उड़ान भर रहा था। यह दुर्घटना चीन की सीमा से लगे रूस के अमूर प्रांत में एक गांव के पास निर्जन इलाके में हुई। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इस फुटेज में विमान को आग की लपटों और काले धुएं के गुबार से घिरा हुआ देखा जा सकता है।

बलूचिस्तान में घर पर रॉकेट लॉन्चर से हमला

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हिंसा की एक और घटना सामने आई है। केच जिले के बुलेदा इलाके में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक घर पर रॉकेट लॉन्चर और गोलीबारी से हमला कर दिया। हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हमलावर जाते समय 12 वर्षीय एक बच्चे को कथित तौर पर अगवा कर ले गए। बच्चे का अब तक कोई पता नहीं चल सका है। मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स काउंसिल ऑफ बलूचिस्तान (एचआरसीबी) ने मंगलवार को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि केच के बुलेदा स्थित अलंदूर इलाके में एक घर को निशाना बनाकर यह हमला किया गया। संगठन के अनुसार, हमले में सरदार याह्या और आयशा की मौत हुई है, जबकि शायहक और शाहब घायल हुए हैं।

अमेरिका में पहला पासपोर्ट बनवाना होगा आसान, 2026 से ऑनलाइन होगी पूरी प्रक्रिया

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी नागरिक जो अपना पहला पासपोर्ट बनवाना चाहते हैं, वे अगले साल से पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी कर सकेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यह घोषणा तब की जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी सेवाओं के लिए एक सिंगल डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया। इस प्रस्तावित बदलाव से पहली बार आवेदन करने वालों के लिए पासपोर्ट स्वीकार करने वाली जगह, जैसे पोस्ट ऑफिस, लाइब्रेरी या लोकल सरकारी ऑफिस, पर जाने की मौजूदा जरूरत खत्म हो जाएगी। वाशिंगटन में 'अमेरिकाडॉटजीओवी' के लॉन्च के मौके पर रुबियो ने कहा, 'अगले साल से, अमेरिकी अपने पहले पासपोर्ट के लिए पूरी तरह से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।'

यह घोषणा उन लोगों के लिए खास तौर पर अहम है जो बाद में अमेरिकी नागरिक बने हैं या जो प्रवासी समुदायों से हैं और अमेरिका में पैदा हुए हैं। इनमें लाखों भारतीय-अमेरिकी भी शामिल हैं जिन्हें विदेश यात्रा के लिए अमेरिकी पासपोर्ट की जरूरत होती है। रुबियो ने कहा कि मौजूदा सिस्टम में, स्टेट डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर जरूरी जानकारी मिलने के बाद भी आवेदकों को कई चरणों से गुजरना पड़ता है।

प्रस्तावित सिस्टम के तहत, आवेदक अपनी जानकारी सबमिट करने, फोटो अपलोड करने और आवेदन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 'अमेरिकाडॉटगॉव' का इस्तेमाल कर सकेंगे। रुबियो ने कहा, 'न फॉर्म प्रिंट करने की जरूरत, न ड्रगस्टोर में जाकर फोटो खिंचवाने की मजबूरी, न अपॉइंटमेंट, न लाइन, और न ही किसी बिचौलिए को पैसे देने की जरूरत, जबकि यह सुविधा आपको आसानी से मिलनी चाहिए। आप 'अमेरिकाडॉटगॉव' को बताते हैं कि आप क्या करना चाहते हैं और यह आपको हर कदम पर गाइड करता है। प्रशासन ने ऑनलाइन पहली बार आवेदन करने की सुविधा शुरू होने की कोई सटीक तारीख नहीं बताई, बस इतना कहा कि यह सेवा अगले साल उपलब्ध हो जाएगी। ट्रंप ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए, जिसके तहत 'अमेरिकाडॉटगॉव' को उन लोगों के लिए सेंट्रल ऑनलाइन पॉइंट बनाया गया जो फेडरल जानकारी और सेवाएं चाहते हैं।

व्हाइट हाउस ने कहा कि पासपोर्ट रिन्यूअल और मेडिकेयर एनरोलमेंट की सुविधा इस साल के आखिर में 'अमेरिकाडॉटगॉव' पर उपलब्ध हो जाएगी। पहली बार पासपोर्ट के लिए आवेदन की सुविधा, रुबियो द्वारा घोषित स्टेट डिपार्टमेंट के अलग विस्तार के तहत आएगी।

एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में 'अमेरिकाडॉटगॉव' को फेडरल सरकार के लिए एक 'यूनिफाइड डिजिटल फ्रंट डोर' (एक ही जगह से सभी डिजिटल सेवाओं तक पहुंच) बताया गया। ऑर्डर में कहा गया, 'अमेरिकाडॉटगॉव सिर्फ एक और वेबसाइट, सर्च इंजन या सरकारी लिंक की डायरेक्टरी नहीं होगी।'

इसमें कहा गया कि यूजर साइन इन कर सकेंगे, आसान भाषा में सवाल पूछ सकेंगे, जवाब पा सकेंगे और कानूनी तौर पर अधिकृत और तकनीकी रूप से उपलब्ध होने पर ट्रांजैक्शन पूरे कर सकेंगे। जनरल सर्विसेज एडमिनिस्ट्रेशन, नेशनल डिजाइन स्टूडियो और ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट (ओएमबी) को यह प्लेटफॉर्म चलाने और इसे फेडरल सरकार की मौजूदा ऑथेंटिकेशन सर्विस, 'लॉगइनडॉटगॉव' से जोड़ने का निर्देश दिया गया था। यह आदेश उन ऑनलाइन फेडरल सेवाओं पर लागू होता है जिनका इस्तेमाल 12 महीने की अवधि में 1,000 से ज्यादा लोग करते हैं। इसमें इंटरनल रेवेन्यू सर्विस (आईआरएस) की टैक्स फाइलिंग और रक्षा व इंटेलिजेंस एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील सेवाओं को शामिल नहीं किया गया है।

ओएमबी को इसे लागू करने के लिए गाइडेंस जारी करने के लिए 90 दिन का समय दिया गया था। इसके बाद एजेंसियों को योग्य सेवाओं की पहचान करनी होगी और अपने डिजिटल फॉर्म, डैशबोर्ड और एप्लिकेशन सिस्टम को 'अमेरिकाडॉटगॉव' से जोड़ना होगा।

आदेश के अनुसार, प्लेटफॉर्म को डेटा कलेक्शन कम से कम रखना होगा, सुरक्षित ऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल करना होगा और सरकारी रिकॉर्ड पर एजेंसी का कंट्रोल बनाए रखना होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि लोगों को मौजूदा इन-पर्सन (आमने-सामने), टेलीफोन, डाक और एजेंसी-विशिष्ट सेवाओं का एक्सेस मिलता रहना चाहिए। पहली बार वयस्क पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वालों को अभी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ता है, अमेरिकी नागरिकता और पहचान का सबूत देना होता है, फोटो देनी होती है और जरूरी फीस जमा करनी होती है। मौजूदा पासपोर्ट को रिन्यू कराने वाले योग्य वयस्क यह प्रक्रिया पहले से ही ऑनलाइन पूरी कर सकते हैं।

अमेरिकी सैन्य अड्डे के पास पांच गिरफ्तार, फिर जमानत पर रिहा; नहीं मिले विस्फोटक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में अमेरिकी वायुसेना के एक अड्डे पर संदिग्ध बम साजिश की जांच जारी है। इस मामले में ब्रिटेन की आतंकवाद रोधी पुलिस ने पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया और फिर उन्हें रिहा कर दिया। यह फैसला अचानक लिया गया। इसके बाद घटना को लेकर सवाल और अनिश्चितता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस पर हैरानी जताई। पांचों युवा ब्रिटिश पुरुष हैं। उन्हें रविवार को आरएएफ फेयरफोर्ड अड्डे के पास गिरफ्तार किया गया था। उन पर विस्फोटक और आतंकवाद से जुड़े आरोप हैं। लेकिन एक दिन बाद उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। ट्रंप ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं करता'। आरएएफ फेयरफोर्ड का इस्तेमाल अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने दशकों से किया है। इन विमानों का इस्तेमाल पश्चिम एशिया के कई संघर्षों में हुआ है। इसमें इस साल ईरान के साथ हुआ युद्ध भी शामिल है। आतंकवाद रोधी जांचकर्ता मामले में 'कई पहलुओं' की जांच कर रहे हैं। इनमें यह भी शामिल है कि क्या संदिग्धों का ईरान से कोई संबंध था। ईरान ने इस मामले में किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया है। ब्रिटेन की आतंकवादी रोधी पुलिस के प्रमुख लॉरेंस टेलर ने अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पांचों संदिग्ध ब्रिटिश नागरिक हैं। सभी की उम्र 20 साल के आसपास है। उन्होंने कहा कि पांचों पर कड़ी शर्तें लागू हैं। वे पूरी तरह जांच के दायरे में हैं। टेलर ने मंगलवार को पुष्टि की कि तीन वैन की जांच की गई। ये वैन अड्डे के पास मिली थीं। इनमें कोई विस्फोटक नहीं मिला। टेलर ने कहा कि जमानत पर छोड़े गए संदिग्धों को 'बहुत सख्त शर्तों' का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरान करने वाला हो सकता है। लेकिन यह जांच से जुड़ा फैसला है। यह अनुभव और रणनीति पर आधारित है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने क्या कहा : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी मामले पर बात की। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि इसमें 'स्पष्ट रूप से किसी विदेशी पक्ष का हाथ है'। हालांकि, उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया। उन्होंने मामले से जुड़ी और जानकारी भी नहीं दी। रुबियो ने कहा कि कुछ लोग इस बात से परेशान हैं। वजह यह है कि जांच के दौरान कुछ संदिग्धों को जमानत पर छोड़ दिया गया।

संदिग्ध वैन में नहीं मिला कोई विस्फोटक : मंगलवार को भी आरएएफ फेयरफोर्ड के पास पुलिस की घेराबंदी जारी रही। तीन वैन के आसपास सुरक्षा घेरे लगाए गए थे। हथियारबंद पुलिसकर्मी और आतंकवाद रोधी अधिकारी मौके पर जांच कर रहे थे।

एक स्थानीय महिला किसान ने पुलिस को फोन किया था। उसने रविवार सुबह पुलिस को सूचना दी। उसने बताया कि घर लौटते समय उसने वैन देखीं। ये वैन हवाई अड्डे के पास सड़क को बाधित रही थीं। महिला ने पास में कुछ लोगों को भी देखा था। उनमें से कुछ ने अपने चेहरे ढक रखे थे।

एफबीआई के हजारों कर्मियों का निजी डाटा चोरी: एजेंटों की सुरक्षा पर भी मंडराया खतरा; कैसे लगी इतनी बड़ी सेंध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के हजारों मौजूदा व पूर्व कर्मियों का संवेदनशील निजी डाटा चोरी होना अमेरिकी इतिहास में सबसे गंभीर डाटा चोरी है। साइबर अपराधी समूह शाइनीहंटर्स ने इसे डाटा एजेंसी के नौकरी पोर्टल से चुराया और ऑनलाइन लीक करने की धमकी भी दी थी। इस हमले में हजारों कर्मियों के डाटा चोरी के साथ एजेंटों की जान को भी खतरा बताया जा रहा है। डाटा चोरी में मौजूदा और पूर्व कर्मियों के नाम, घर के पते, फोन नंबर, दफ्तरी ईमेल, सोशल सिक्योरिटी नंबर, जन्मतिथि और नौकरी में शामिल होने की तारीख जीवनसाथी के नाम-नंबर के अलावा और भी बहुत सी जानकारी ट्रैक हुई है।

अपराधी या शत्रु देश को डाटा बिचने की चिंता : हजारों कर्मचारियों के चोरी हुए डाटा में नशीले पदार्थ और रूस-चीन-ईरान से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा डेस्क जैसी बेहद संवेदनशील जानकारियां भी उजागर हुई हैं। अब अमेरिकी विशेषज्ञों को चिंता है क शाइनीहंटर्स खुद डाटा सार्वजनिक करने की बजाय इसे दूसरे अपराधी या किसी देश को बेच सकते हैं। ब्रिटेन की साइबर सुरक्षा एजेंसी के पूर्व प्रमुख सिरन मार्टिन के अनुसार इस सेंध का एफबीआई की परिचालन-क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। यह एक दशक पहले हुई अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय की सेंध से भी बदतर है, जिसमें चीन ने दो करोड़ से अधिक रिकॉर्ड चुराए थे।

बदला था मकसद शाइनीहंटर्स के अनुसार उन्होंने एफबीआई पर इसलिए हमला किया क्योंकि उसे बदला लेना था। दरअसल, एफबीआई ने वसंत में चेतावनी जारी की थी कि शाइनीहंटर्स समूह पीड़ितों को धमकाकर परेशान करता है। हैकरों ने मांग की थी कि एफबीआई उस चेतावनी को हटाए। ऐसे लगाई सेंध : शाइनीहंटर्स के मुताबिक उन्होंने ओरेकल पीपलसॉफ्ट सॉफ्टवेयर में एक जीरो-डे यानी पहले से अनजान खामी का इस्तेमाल किया। हालांकि गूगल ने बताया कि उसकी खुफिया टीम ने हाल में शाइनीहंटर्स को ओरेकल पीपलसॉफ्ट की उस खामी के जरिये हमले करते देखा है।

अमेरिका में 2 भारतीयों पर नकली दवा बेचने का आरोप:चीन से मंगाते थे वजन घटाने की दवा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका में वजन घटाने के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा ओजेम्पिक की नकली दवा बेचने के आरोप में दो भारतीय नागरिकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों चीन से कम कीमत पर नकली ओजेम्पिक मंगाते थे और फिर इसे अमेरिका में डिस्ट्रीब्यूटर्स को बेचते थे। दोष साबित होने पर दोनों को अलग-अलग आरोपों में अधिकतम 71 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने ओजेम्पिक को 2017 में टाइप-2 डायबिटीज के इलाज के लिए मंजूरी दी थी।

नकली दवा की पैकिंग बिल्कुल असली जैसी थी : जांच में सामने आया कि नकली दवा की पैकिंग को इस तरह तैयार किया गया था कि वह बिल्कुल असली ओजेम्पिक जैसी दिखाई दे। इसके बॉक्स, दवा की जानकारी वाली पर्ची, इंजेक्शन पेन का लेबल और यहां तक कि सुई भी असली दवा जैसी थी। इसका मकसद यह था कि खरीदारों को दवा नकली होने का पता न चले और उन्हें लगे कि वे कंपनी की असली दवा खरीद रहे हैं। दोनों आरोपियों की पहचान स्वप्नदीप रॉय और विक्की रमनचा के रूप में हुई है।

एफडीए ने 2023 में नकली ओजेम्पिक को लेकर चेतावनी दी थी : अमेरिकी दवा नियामक एफडीए ने दिसंबर 2023 में नकली ओजेम्पिक की कुछ खेप पकड़ी थी। इसके बाद लोगों को नकली दवा से सावधान रहने की चेतावनी भी दी गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि इसके बावजूद दोनों आरोपी नकली दवा की बिक्री में शामिल रहे। एक आरोपी के खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस जारी हुआ था अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, स्वप्नदीप रॉय को इटली में गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस भी जारी हुआ था। रेड नोटिस का मतलब है कि इंटरपोल से जुड़े देशों को किसी व्यक्ति की तलाश और संभावित गिरफ्तारी के लिए सूचना दी जाती है। हालांकि, यह अपने आप में किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का अंतरराष्ट्रीय वारंट नहीं होता।

बाद में अमेरिका ने इटली से रॉय के प्रत्यर्पण की मांग की। मंगलवार को उसे फ्लोरिडा के टैम्पा शहर की अदालत में पेश किया गया। रॉय और रमनचा पर कुल 6 आरोप लगाए गए हैं। इनमें तस्करी की साजिश, तस्करी और नकली दवा बेचने से जुड़े आरोप शामिल हैं।

उत्तर कोरिया के पास 'काफी बड़ा' परमाणु भंडार, मेरे रहते किम को कोई परेशानी नहीं: ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के पास 'काफी बड़ा' परमाणु हथियार भंडार है। ट्रंप के मुताबिक जब तक वह स्वयं पद पर हैं, किम 'ठीक' रहेंगे, क्योंकि उनके मुताबिक उत्तर कोरियाई नेता उनका सम्मान करते हैं और उन्हें पसंद करते हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी मंगलवार को व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। उनसे सवाल किया गया था कि जब वह ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं देने की बात कहते हैं, तो फिर उत्तर कोरिया के पास परमाणु हथियार होने को लेकर उनका रुख क्या है? जवाब में ट्रंप ने कहा, 'किम जोंग-उन के पास काफी बड़ा परमाणु क्षमता वाला भंडार है। जब तक मैं आसपास हूं, वह ठीक रहेगा।' ट्रंप ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि किम उनका सम्मान करते हैं और उन्हें पसंद करते हैं।

ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को लेकर अमेरिका तथा उसके सहयोगियों की चिंता बनी हुई है। उत्तर कोरिया लंबे समय से अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ाता रहा है और किम जोंग-उन इसके विस्तार को देश की सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा बताते रहे हैं।

ट्रंप और किम के बीच पहले भी कई दौर की व्यक्तिगत कूटनीति हो चुकी है। हालांकि, उनके इस ताजा बयान में किसी नई बैठक या वार्ता की घोषणा नहीं की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बयान में किम के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को ही रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किम उनके प्रति सम्मान और सकारात्मक भावना रखते हैं और इसी वजह से उनके पद पर रहते हुए उत्तर कोरियाई नेता के साथ स्थिति नियंत्रण में रहने का संकेत दिया। हालांकि, ट्रंप ने उत्तर कोरिया के परमाणु भंडार की कोई संख्या नहीं बताई। योनहाप की रिपोर्ट में भी उनके बयान में परमाणु हथियारों की सटीक संख्या का उल्लेख नहीं है।

एआई की मनमानी पर लगेगा ब्रेक: ट्रंप के साथ टेक दिग्गजों ने किया मंथन, कितने स्तर पर होगी सुरक्षा निगरानी?

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों ने मंगलवार को एक संयुक्त समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, वे अत्याधुनिक कंप्यूटिंग मॉडल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चार स्तरों वाले एक्सेस कंट्रोल और ऑडिट का एक व्यापक ढांचा लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही भविष्य में इसे कानून का रूप देने की संभावना भी खुली रखी गई है।

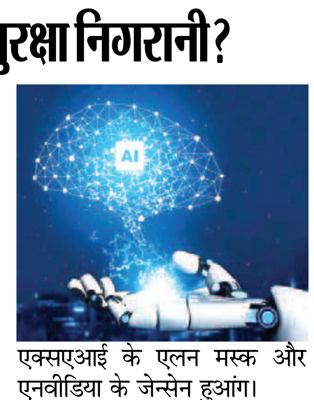

एक्सएआई के एलन मस्क और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग।

वहीं, इस पर ट्रंप ने कहा,'मुझे लगता है कि मैं जबरदस्त सेल्फ-पुलिसिंग (खुद पर नजर रखने की प्रक्रिया) देख रहा हूं। और वे समझते हैं कि उन्हें खुद पर नजर रखनी होगी।' 'फ्रंटियर जिम्मेदारियों पर संयुक्त प्रतिबद्धता' नाम का यह दस्तावेज व्हाइट हाउस में हुई एक हाई-लेवल समिट के बाद जारी किया गया। यह समिट प्रशासन की ओर से औपचारिक रूप से सुपर इंटेलिजेंस नाम दिए गए विषय पर बुलाई गई थी। यह समिट टेक कंपनियों के प्रमुखों के उन सुझावों के बाद हुई जिनमें उन्होंने फ्रंटियर एआई के विकास की गति धीमी करने या नियंत्रण खोने के जोखिम की बात कही थी।

समझौते में कौन-कौन शामिल है : इस समझौते पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ प्रमुख टेक डेवलपर्स के प्रमुखों ने भी निजी हस्ताक्षर हैं। इसमें गूगल के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, ओपनएआई के ग्रेग ब्रॉकमैन,

संयुक्त घोषणा में क्या कहा गया है : संयुक्त घोषणा में कहा गया है, 'अमेरिकी लोगों और दुनिया के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के लिए, हमारा मानना है कि हर कंपनी की यह जिम्मेदारी है कि वह अपनी टेक्नोलॉजी को सुरक्षित तरीके से विकसित करे। ऐसा करें जिससे ग्राहकों और आम जनता का भरोसा बढ़े।' इसके साथ ही, इसमें यह भी कहा गया है कि जो कंपनियां 'फ्रंटियर मॉडल' (अत्याधुनिक मॉडल) को ट्रेन और डिप्लॉय (लागू) कर रही हैं, उन्हें समस्याओं को तुरंत सुलझाने के लिए मजबूत प्रक्रियाएं अपनानी होंगी।

पहले स्तर के तौर पर, कंपनियों के लिए जरूरी है कि वे ट्रेनिंग और डिप्लॉयमेंट के दौरान अपने मॉडल की क्षमताओं और अलाइनमेंट (तालमेल) पर नजर रखने के लिए, मजबूत इंटरनल कंट्रोल लागू करें। इसमें साइबर सिक्योरिटी, बायो-सिक्योरिटी और केमिकल खतरों जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देना शामिल है। यह पक्का करना है कि उनके मॉडल अनजाने तरीकों से टेक्निकल सिस्टम को हैक न करें या उन तक पहुंच न बनाएं।

व्हाइट हाउस के एआई सेफ्टी समझौते का सुंदर पिचाई ने किया समर्थन

वाशिंगटन , एजेंसी। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और अन्य बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के प्रमुखों ने व्हाइट हाउस के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत कंपनियां एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम बनाते समय इंटरनल कंट्रोल, स्वतंत्र ऑडिट और बोर्ड स्तर की जांच का वादा करेंगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस स्वैच्छिक समझौते को 'नैतिक रूप से बाध्यकारी' बताया और कहा कि कंपनियां काफी हद तक खुद ही अपनी निगरानी करेंगी। इस समझौते का टाइटल 'व्हाइट हाउस अकॉर्ड ऑन सुपरइंटेलिजेंस जॉइंट कमिटमेंट ऑन फ्रंटियर एसआई रिस्पॉन्सिबिलिटी' है। यह एडवांस्ड एआई मॉडल बनाने वाली कंपनियों के लिए साझा उम्मीदें तय करता है।

सुरक्षा उपायों में इंटरनल रिस्क रिव्यू, बाहरी मूल्यांकनकर्ता और कंपनी बोर्ड द्वारा स्वतंत्र समीक्षा शामिल है। यह समझौता कोई कानूनी रूप से लागू होने वाला मानक या सरकारी नियामक नहीं बनाता है। भारतीय मूल के टेक एग्जीक्यूटिव पिचाई ने कहा कि इंडस्ट्री से संभावित जोखिमों को लेकर ज्यादा जिम्मेदारी लेने के लिए कहा गया है। सुंदर पिचाई ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह कदम ऐतिहासिक और बहुत महत्वपूर्ण है, और इस टेक्नोलॉजी के असाधारण फायदे हैं। हमें यह

सुनिश्चित करना होगा कि हम जोखिमों पर ध्यान दे रहे हैं, और राष्ट्रपति ने हमसे इंडस्ट्री के तौर पर आगे आने के लिए कहा है।' उन्होंने कहा कि कंपनियां बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले फाइनेंशियल कंट्रोल जैसी प्रक्रियाएं अपना रही हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता एडवांस्ड एआई के दुरुपयोग के खिलाफ एक तरह की सुरक्षा है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह नैतिक रूप से बाध्यकारी है। यह सब खुद-ब-खुद नियंत्रित होता है।' उन्होंने कहा कि प्रशासन इंडस्ट्री की निगरानी के लिए करीब 10 लोगों की एक कमेटी बनाने पर भी विचार कर रहा है। हालांकि इसकी अंतिम सदस्यता, अधिकार या लागू करने की व्यवस्था का ऐलान नहीं किया गया। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं जबरदस्त सेल्फ-पुलिसिंग देख रहा हूं, और वे समझते हैं कि उन्हें खुद की निगरानी करनी होगी।' मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि कंपनियां जनता को भरोसा दिलाना चाहती हैं कि उनके प्रोडक्ट्स तय इरादे के मुताबिक ही काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि समझौते में 'मजबूत इंटरनल कंट्रोल' और समस्याओं का पता लगाने के लिए सिस्टम की मांग की गई है। इसमें इंटरनल रिस्क रिव्यू, बाहरी ऑडिटर्स और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा स्वतंत्र जांच भी जरूरी है। मार्क जुकरबर्ग ने कहा, 'आइडिया यह नहीं है कि यही एकमात्र चीज है जो हम कभी करेंगे। यह है कि यह एक शुरुआत है और एक ऐसा समझौता है जिस पर पूरी इंडस्ट्री सहमत हो सकती है।'

एनवीडिया के सीईओ जेनसेन हुआंग ने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि सुरक्षा की जरूरतों से टेक्नोलॉजी की प्रगति धीमी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और सुरक्षा के बीच कोई टकराव नहीं है।' उन्होंने कहा, 'हम इस टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाना जा रहे हैं जो मानवता के लिए इतनी महत्वपूर्ण है, हमारे देश की भविष्य की समृद्धि के लिए इतनी महत्वपूर्ण है। हम इसे जिम्मेदारी और सुरक्षित तरीके से करेंगे।'

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने ज्यादा सतर्कता अपनाया। उन्होंने कहा कि एआई में बड़े फायदे हैं, जिसमें मेडिसिन में तरक्की भी शामिल है, लेकिन इसमें गंभीर खतरे भी हैं। डारियो अमोदेई ने कहा, 'मुझे लगता है कि टेक्नोलॉजी में बहुत वास्तविक जोखिम हैं।'

धड़कन से जुड़ी जम्हाई

यकीनन हम अभी तक जम्हाई आने की असलियत तक नहीं पहुंच पाए हैं। माना जाता है कि जम्हाई तभी आती है, जब हम या तो थके होते हैं या बोर हो चुके होते हैं, या इसलिए जम्हाई लेना शुरू कर देते हैं कि सामने वाला भी ले रहा है, लेकिन जम्हाई को इन बातों से साबित करना कठिन है। विज्ञानियों की जम्हाई आने की सभी जैविक वजहों को जानने में कोई रूचि नहीं रही, लेकिन वे इस बात पर एकराय हैं कि जम्हाई तभी आती है, जब हमारी सांस प्रणाली में अनैच्छिक अवरोध बन जाता है। इससे हमारे खून में कार्बन डाईऑक्साइड और ऑक्सीजन का स्तर नियमित होता है। तकनीकी रूप से कहें, तो गहरी सांस लेने और उसी के साथ धीरे-धीरे कार्बन डाईऑक्साइड छोडने की क्रिया में मुंह खोलना जम्हाई है।

दरअसल, जम्हाई सामान्य क्रिया है, लेकिन बार-बार जम्हाई आए, तो समझ लें कि इसके पीछे रीढ़ की हड्डी और स्नायु केंद्रों में उठने वाले अनचाहे धक्के हैं। शरीरविज्ञानियों का अनुमान है कि जब हम थके होते हैं या बोरियत महसूस करते हैं, तो कई बार हमारी सांस फूल जाती है। ऐसी हालत में फेफड़े को हृदयवाहिनी के जरिए ऑक्सीजन मिलना कम हो जाता है। जब जम्हाई आती है, तो उस शख्स की सतर्कता का स्तर अपेक्षाकृत बढ़ जाता है। इसकी वजह है, अचानक ऑक्सीजन की अधिक मात्रा आने से दिल की धड़कन बढ़ जाना। ऐसे में फेफड़ों को आराम मिलता है और खून में कार्बन डाई ऑक्साइड बढ़ती है, जिससे खून के जरिए ऑक्सीजन तेजी से दिमाग में जाने लगती है।

ऐसे में सामान्य प्रक्रिया के तहत सांस लेना शुरू हो जाता है यानी फेफड़ों को हवा मिलने लगती है। शरीरविज्ञानियों के मुताबिक, अगर कोई जम्हाई ले रहा हो, तो पास बैठा दूसरा शख्स भी जम्हाई लेने लगता है यानी इसे छूत लगना या 'क्षणिक रोग' कहना ठीक रहेगा। लेकिन सुस्त दिमाग वालों या मंद दिमाग वालों को खूब जम्हाइयां आती हैं। अभी कई अनसुलझे रहस्यों में से एक बड़ा रहस्य अब तक कायम है कि गर्भ में पल रहा भ्रूण क्यों जम्हाई लेता है, जबकि सभी जानते हैं कि वह गर्भ में रहते हुए अपने फेफड़ों से ऑक्सीजन लेता ही नहीं! बल्कि पैदा होने के बाद ही वह फेफड़ों की मदद से ऑक्सीजन लेता है। इसी तरह इस रहस्य पर से भी अभी तक पर्दा नहीं उठा है कि कोई व्यक्ति रक्तवाहिनियों में ऑक्सीजन की काफी मात्रा होने के बावजूद जम्हाई क्यों लेता है?

तय है, जम्हाई आने का रहस्य जीवन के बाकी रहस्यों की तरह तो जटिल हो ही नहीं सकता, लेकिन शरीरविज्ञानियों के बीच यह पहेली सरीखा तो है ही। अब सवाल है कि कैसे माना जाए कि जम्हाई संक्रामक है, छुआछूत जैसा है या पड़ोस में बैठे शख्स के जम्हाने पर हमें भी क्यों जम्हाई आने लगती है? संक्रामक होने जैसी बातों पर यकीन करते हुए अनुसंधानकर्ताओं ने हाल में एक निष्कर्ष निकाला कि इंसानों में ही नहीं, चिम्पैंजियों में भी जम्हाई की बीमारी पाई जाती है। लेकिन कोई इसकी विश्वास करने लायक वजह बता पाने की स्थिति में नहीं है। जम्हाई लाने की वजह जानने में जटिलता है कि हम किसी को जम्हाई लेते देख सकते हैं और वैसा ही खुद के साथ भी उसी समय हो जाता है, बिना कोई वजह सोचे कि ऐसा क्यों हो गया। हमने अलग समय में देखा कि यह हो जाता है, जैसे कि ऐसा हो जाने का कोई मकसद रहा। फिनलैंड ने दिमागी ढांचे के भीतर होती जम्हाई संबंधी हलचलों की पक्की जानकारी हासिल करने के लिए दिमाग के स्कैन कराने के लिए कोष आवंटित किया। नतीजा निकला कि यह अबूझ पहेली है कि जम्हाई का संक्रमण हमें न समझते हुए या अनजाने में ही पकड़ लेता है। जो भी हो, हमारे दिमाग के 'मिरर न्यूरॉन सिस्टम' में हरकतों की वजह से जम्हाई आती है। न्यूरॉन दिमाग की अहम कोशिकाएं होती हैं। जब इंसान कुछ कर रहा होता है, तो ये सक्रिय हो उठती हैं।

फिर भी, जब तक इन सवालों को उनके माकूल जवाब नहीं मिल जाते, यह मानने का कोई कारण नहीं कि एक शख्स तब जम्हाई लेता है, जब वह बोरियत महसूस करता है या जब वह थका होता है। तसल्ली रखिए कि बोरियतभरा इंसान कोई भी हो, कम से कम जम्हाई से वह मरता तो नहीं है!

बोतल का दूध बढ़ा सकता है बच्चों में मोटापा

नई रिसर्च से पता चला है कि जो बच्चे बोतल का दूध पीते हैं, आगे चल कर उनके मोटापाग्रस्त होने का खतरा ज्यादा रहता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इसकी वजह है बोतल के दूध में ज्यादा कैलोरी होना। इतना ही नहीं, बोतल का दूध पीने वाले बच्चों में पेटूपन की प्रवृत्ति भी बढ़ती है जिससे उभरना बहुत मुश्किल होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के वैज्ञानिकों ने 4 महीने के 881 बच्चों की खान-पान की आदतों का अध्ययन कियात। 5 साल बाद सबके चैकअप से पता चला कि जो बच्चे फॉर्मूला मिल्क (डिब्बाबंद मिल्क पाऊडर) पीते थे और जिन्हें ठोस आहार बहुत जल्दी दिया जाने लगा था, वे अपेक्षाकृत मोटे हो गए थे। बड़े होने पर उनमें मोटापे का खतरा ज्यादा था।

बोतल का दूध पीने वाले बच्चों की बजाय उन शिशुओं में एनर्जी को रैगुलेट करने की क्षमता बेहतर होती है, जो स्तनपान करते हैं।

हेल्थ प्लस

घातक है फूड प्वाइजनिग

कारण

खराब खाना खाने से फूड प्वाइजनिग होता है। माना जाता है कि इस मौसम में बैक्टीरिया ग्रोथ कम होता है जबकि गर्मी में स्थिति इसके उलट होती है।

लक्षण

- पेट में भारीपन का अहसास होना।
- पेट में आवाज के साथ कई बार मोशन होना।
- उल्टी लगना, कभी कभी उल्टी भी होती है।
- पेट में दर्द भी होता है।

घातक : फूड प्वाइजनिग काफी घातक हो सकती है क्योंकि इससे शरीर में पानी की काफी कमी हो जाती है। यानी डी-हाइड्रेशन हो जाता है। पेट में बहुत दर्द होता है। इतना ही नहीं, सिर दर्द के साथ काफी कमजोरी महसूस होती है।

उपचार

- फूड प्वाइजनिग का इफेक्ट ज्यादातर 24 से 48 घंटों तक ही रहता है।
- इस दौरान शरीर में पानी की कमी हो जाती है।
- पानी की कमी को पूरा करने के लिए लगातार इलेक्ट्राल, ग्लूकोज आदि के रूप में पानी लेते रहें। ताकि डी -हाइड्रेशन न हो।

सावधानियां

- बाहर का खाना न खाएं।
- स्पाइसी फूड का सेवन बिल्कुल भी न करें।
- पेस्टी या पिज्ज कभी न खाएं क्योंकि वह कई दिनों का होता है, जिसमें बैक्टीरिया आसानी से अटैक करता है।
- कभी भी हाथ धोए बिना कुछ भी न खाएं।
- अपने पेट को छूने के बाद हाथ जरूर धोएं लें।
- हमेशा गर्म खाना ही खाएं।
- कभी भी बासी खाना न खाएं।
- फल और हरी सब्जियां (सलाद आइटम) खाने से पहले अच्छी तरह धो लें।

महिलाओं के लिए 7 स्वास्थ्य सूत्र

महिलाएं घर की धुरी हैं जिन के इर्द-गिर्द परिवार घूमता है। यदि धुरी ढीली चसेगी तो परिवार भी अस्त-व्यस्त हो जायेगा। ऐसे में आवश्यकता होती है महिलओं के स्ट्रांग होने की। स्ट्रांग वे तभी रह सकती है जब वे हैल्दी फूड खाएंगी, व्यायाम करेंगी और सकारात्मक सोच रखेंगी।

1. हैल्दी डाइट लें :-

हैल्दी डाइट वही है जो फल, सब्जियों और अनाज का सही बैलेंस बना कर ली जाए। जिस मौसम में जो फल और सब्जियां बहुतायत में पैदा होती हों और बाजार में उपलब्ध हों, उन फलों और सब्जियों का सेवन अधिक करें। डिब्बाबंद या पैकेटबंद खाद्य सामग्री घर में कम से कम लाएं। खाना हमेशा हैल्दी तकनीक से पकाएं। अधिक तला भोजन गरिष्ठ होने के कारण पचने में आसान नहीं होता। भोजन उबालकर, स्टीम कर, स्टिर फ्राई कर, बेक कर बनाएं जो पचने में आसान होता है। इस प्रकार के भोजन से गैस व एसिडिटी की समस्या भी नहीं रहती। प्रयास कर भोडन ताजा पकाएं और सब्जियों के सूप बाजारी बंद पैकेट वाले न बनाकर घर पर ताजी सब्जियां लेकर बनाएं।

2. खूब पिएं पानी :-

दिन भर में 10 से 12 गिलास पानी जरूर पिएं जो आंतरिक शरीर को साफ रखने में मदद करता है। दिन में एक गिलास ताजे फलों का या सब्जियों का रस प्रतिदिन पिएं। सर्दियों में सब्जियों का सूप लें जिससे इम्यून सिस्टम स्ट्रांग बनता है।

3. अच्छी आदचें अपनाएं :-

बेहतर खान-पान के साथ बेहतर रहन-सहन भी आवश्यक है। रहन-सहन में वातावरण और अच्छी सोच आते हैं। अपने आस-पास सामान को समेट कर रखें और साफ रखें ताकि वातावरण शुद्ध बना रहे। अपनी शरीर पर धीरे-धीरे कुप्रभाव पड़ेगा और इम्यून सिस्टम बिगड़ जाएगा। समय पर उठें, समय पर सोयें, समय पर भोजन ग्रहण करें। पारिवारिक टेंशन को मुख्य मुद्दा न बनाएं। सोचें कि इन समस्याओं से कैसे निपटा जाए। इससे स्वयं को तनाव कम होगा।

4. हल्का संगीत सुनें :-

हल्का मनपसंद संगीत स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। तेज संगीत हमारे स्नायुतंत्र पर प्रभाव डालता है। इससे सांस लेने में दिक्कत होती है, लंग्स से सांस लेने और छोड़ने की ताकत कम होती है, इसलिए जब समय हो, लाइट म्यूजिक ता आनन्द लें। शादियों और समारोहों में तेज संगीत के साथ वाले स्थान से दूरी बना कर रखें ताकि आप अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा कर सकें।

5. नींद पूरी लें :-

कई बार महिलाएं अगले दिन की चिंता या अन्य पारिवारिक समस्याओं के कारण नींद नहीं ले पातीं। कई बार घर में काम की अधिकता होने के कारण महिला इतनी थक जाती है कि इसके शरीर को पूरा आराम नहीं मिल पाता। ऐसी अवस्था में परिवार के अन्य सदस्यों से उनकी क्षमतानुसार घरेलू कामों में मदद लें।

6. सैर, व्यायाम रोज करें :-

अपने शरीर को चुस्त दुरूस्त बनाए रखने के लिए प्रात: सैर पर जाएं। यदि प्रात: काल समय न हो तो शाम को सैर पर जाएं। कुछ हल्के व्यायाम या तो प्रात: जल्दी उठ कर कर लें नहीं तो काम खत्म कर कुछ व्यायाम अवश्य करें। योगा क्लासेस, एरोबिक्स, जिम आदि ज्वाइन कर लें। इन क्लासेज को अपनी सुविधानुसार ज्वाइन कर सकती हैं। इससे मन, तन एक्टिव बना रहेगा और इम्यून सिस्टम स्ट्रांग बना रहेगा।

7. प्रोटीन की मात्रा सीमित लें :-

अधिक प्रोटीन की मात्रा 35 वर्ष के बाद नुक्सान पहुंचा सकती है, इसलिए प्रोटीन बस दालों और पीनर के रूप में लें। जितना खाने के साथ जरूरी हो, उतना लें। सप्ताब में दो बार सोयाबीन भी ले सकते हैं।

अधिक प्रोटीन हार्ट पर प्रभाव डालता है। इससे एल डी एल की मात्रा बढ़ जाती है। संयमित प्रोटीन ही लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2604

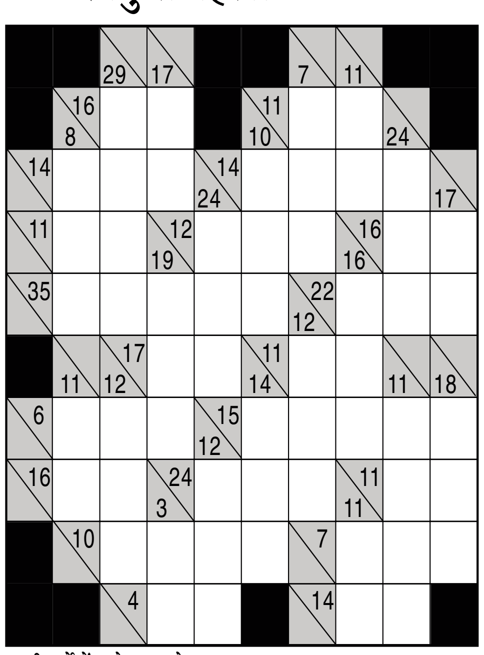

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

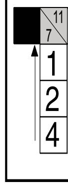

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2603 का हल

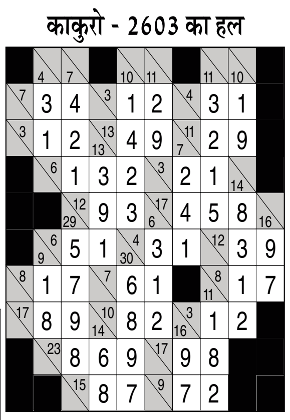

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2604

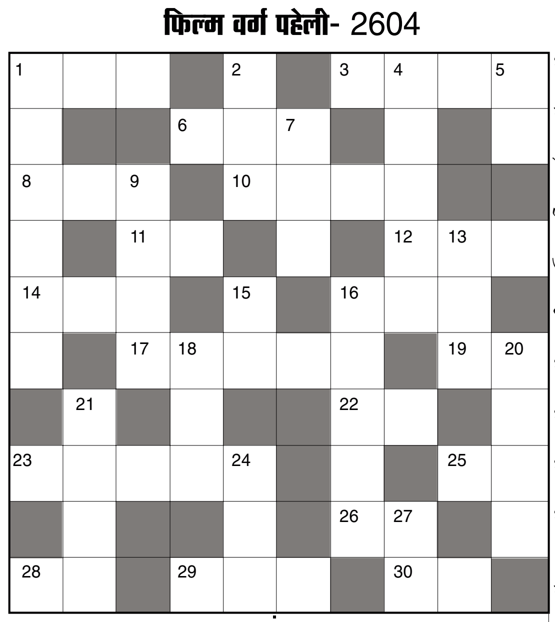

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2603

सूडोकु -2604

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2603 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 2604

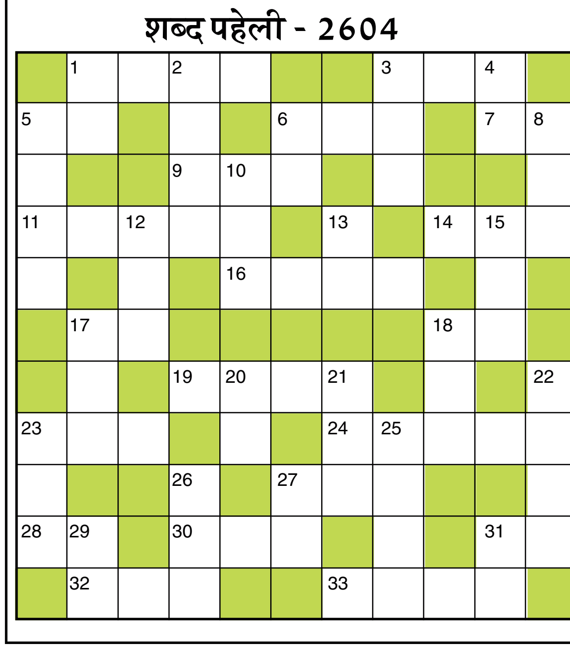

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -2603 का हल

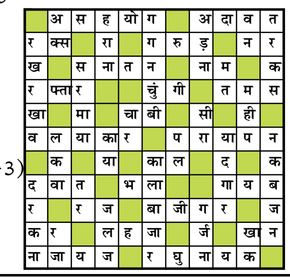

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत तुकमीरपुर में 103 आरएएफ बटालियन ने चलाया स्वच्छता अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। 'स्वच्छता ही सेवा' और सेवा संकल्प अभियान के तहत 103 आरएएफ बटालियन ने गुरुवार को पुष्पांजलि स्कूल, तुकमीरपुर में स्वच्छता अभियान चलाया। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने अभियान में सहभागिता की। इस दौरान आरएएफ के जवानों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रवासियों और स्कूल के बच्चों ने मिलकर स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। दिल्ली सरकार के अनुसार, राजधानी में करीब 300 स्थानों पर स्वच्छता महाअभियान चलाया जा रहा है। अभियान में सादतपुर की निगम पार्षद नीता बिष्ट, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश ढेड़ा, 103 आरएएफ बटालियन के कमांडेंट चंदन बॉबी सिंह, आरएएफ की टीम, स्थानीय जनप्रतिनिधि, क्षेत्रवासी और स्कूल के बच्चे शामिल हुए। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 103 आरएएफ बटालियन की टीम हर वर्ष क्षेत्रवासियों और विद्यार्थियों के साथ मिलकर इस तरह के स्वच्छता अभियान आयोजित करती है। उन्होंने सामाजिक दायित्व को कर्तव्य और ड्यूटी से आगे बढ़कर निभाने के लिए बटालियन, कमांडेंट और उनकी टीम का आभार जताया।

रक्षा लेखा विभाग को भी संयुक्तता और एकीकरण की दिशा में बढ़ना चाहिए : राजनाथ सिंह

'रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग रक्षा मंत्रालय का एक ऐसा साझा सूत्र है'

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि जिस तरह आज भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच संयुक्तता और एकीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है, उसी भावना को रक्षा लेखा विभाग के वित्तीय तंत्र में भी लागू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाएं जब मिलकर काम कर रही हैं, तो उनके वित्तीय तंत्र भी एकीकृत हों, तो इससे पूरी रक्षा प्रबंधन व्यवस्था और अधिक प्रभावी और कुशल बन सकती है। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा लेखा विभाग के 279वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संबोधित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग रक्षा मंत्रालय का एक ऐसा साझा सूत्र है, जिससे मंत्रालय के लगभग सभी काम किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं। उन्होंने रक्षा लेखा विभाग को पूरे रक्षा तंत्र की रीढ़ बताया। राजनाथ सिंह ने कहा, ''पिछले वित्त वर्ष, यानी 2025-26 में हमारी जो व्यय बुकिंग रही है, वह लगभग 100 प्रतिशत रही है। यह आपके और तीनों सेवाओं के संयुक्त प्रयासों का बहुत ही बड़ा पड़ाव है, बहुत ही अच्छा उदाहरण है। यह उपलब्धि आपकी प्रतिबद्धता, आपकी कड़ी मेहनत, और आपकी कार्यकुशलता को दिखाती है। और मैं चाहूंगा कि इस वर्ष भी, आप उसी गति को बरकरार रखें, उसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें।'' राजनाथ सिंह ने कहा कि

अब बजट की शेष राशि केवल वार्षिक समीक्षा तक सीमित रहने के बजाय ऐसी व्यवस्था की जरूरत है जिसमें किसी भी समय वित्तीय स्थिति की जानकारी मिल सके। उन्होंने रक्षा लेखा विभाग के 279वें स्थापना दिवस पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, '' मैं आप सभी को, रक्षा लेखा विभाग के, 279वें स्थापना दिवस पर, शुभकामनाएं देता हूं। किसी भी संस्था के लिए, लगभग तीन शताब्दियों तक काम करते रहना, गौरव का विषय होता है। रक्षा लेखा विभाग की जो इतनी बड़ी विरासत है, उसको आप सबने न सिर्फ बनाए रखा है, बल्कि आगे बढ़ाने का भी काम किया है। इसके लिए, आप सभी बधाई के पात्र हैं। ' रक्षा मंत्री ने गुणवत्ता लेखा-परीक्षण के क्षेत्र में देश और दुनिया में उपलब्ध बेहतर कार्यप्रणालियों को अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता लेखा-परीक्षण के क्षेत्र में जो बेहतर कार्यप्रणालियां राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध हैं, उन्हें अपनाएं, उन्हें आत्मसात करें, अपने कार्य क्षेत्र में लागू करने का प्रयास करें, और देश-दुनिया के साथ आगे बढ़ें। रक्षा मंत्री ने रक्षा लेखा विभाग में एआई के इस्तेमाल को बढ़ाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने विभाग से ऐसी बातचीत आधारित एआई व्यवस्था तैयार करने का प्रयास करने को कहा, जिसमें संपर्क के अलग-अलग माध्यमों को जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि इसमें बातचीत, लघु संदेश, व्हाट्सऐप, ई-मेल और दूरभाष जैसे सभी माध्यम शामिल किए जा सकते हैं।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार व अन्य सामग्री बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों के बीते 24 घंटों के दौरान अलग-अलग अभियानों में दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही धन उगाही में शामिल एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। इसी कड़ी में छुपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार एवं अन्य सामग्री को बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस मुख्यालय से आज जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, म्यांमार से कामजोंग के रास्ते प्री-पाक (प्रो) के वरिष्ठ कैडर के घुसपैठ करने की विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, चंद्रखोंग इलाके में एक मजबूत वाहन जांच चौकी (एमवीसीपी) लगाई गई। गाड़ियों की जांच के दौरान काकमाई मायाई लीकाई निवासी प्री-पाक (प्रो) के स्वयंभू कैप्टन मोइरांगथेम बोबॉय सिंह उर्फ लैंगम (56) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बिष्णुपुर के 4 किशोरों की भर्ती और उन्हें म्यांमार भेजने में अपनी भूमिका के बारे में बताया। इसी दिन एक अन्य अभियान में सीडीओ इंफाल ईस्ट ने खुराई पुथिबा लीकाई में एक अभियान चलाते हुए आरपीएफ/पीएलए के सक्रिय कैडर नेप्रम सिंहाजीत सिंह (46 वर्ष) को गिरफ्तार किया।

प्रधानमंत्री मोदी का सुभाषितम् में निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिदिन की तरह आज सुबह एक्स हैंडल पर सुभाषितम् के रूप में महान कवि भर्तृहरि के ग्रंथ नीतिशतकम् का एक श्लोक साझा किया। प्रधानमंत्री ने इस श्लोक का उदाहरण देते हुए व्यक्तियों से निरंतर प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। यह श्लोक है, ''रत्नैर्महाब्धेस्तुतुषुर्न देवा न भेजिरे भीमविषेण भीतिम्। सुधां विना न प्रययुर्विरामं न निश्चितार्थाद्विरमन्ति धीराः॥'' प्रधानमंत्री की पोस्ट में इसका अर्थ बताया गया है, ''जिस प्रकार देवताओं ने समुद्र से रत्नों को प्राप्त करने के बाद भी अमृत की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्न किया, उसी प्रकार धीर और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति अपने निश्चित लाभ की प्राप्ति तक निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं।''

इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पानी कांड की जांच रिपोर्ट हुई ऑनलाइन, खुली लापरवाही की परतें

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से बीमारी और मौतों के मामले में एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट ने व्यवस्था की लंबी चूक को उजागर किया है। मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ की वेबसाइट पर अपलोड हुई रिपोर्ट ने लापरवाही की परतें खोलकर रखी दी हैं। इंदौर के भागीरथपुरा में दिसंबर 2025 में दूषित पानी पीने से बड़ी संख्या में लोग बीमार हुए थे। इनमें से 36 लोगों की जानें चली गई। मामले की जांच के एक सदस्यीय जांच आयोग गठित किया था। आयोग की रिपोर्ट के अनुसार दूषित पानी की घटना कई दशकों में अलग-अलग स्तरों पर हुई तकनीकी, प्रशासनिक और निगरानी संबंधी विफलताओं का सामूहिक परिणाम थी। रिपोर्ट के अनुसार, भागीरथपुरा में दूषित पानी नलों में आने और लोगों के बीमार होने की जानकारी अफसरों और जनप्रतिनिधियों को फरवरी 2024 में ही मिल गई थी।

इलैयाराजा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

'एन इनिया पोन निलावे' के कॉपीराइट मामले में सारेगामा के पक्ष में फैसला बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। संगीतकार इलैयाराजा और म्यूजिक कंपनी सारेगामा इंडिया के बीच चल रहे कॉपीराइट विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इलैयाराजा को राहत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ इलैयाराजा की अपील पर दखल देने से इनकार किया, जिसमें 'एन इनिया पोन निलावे' गाने के कॉपीराइट को लेकर सारेगामा के पक्ष में फैसला दिया गया था। यह गाना 1981 में आई तमिल फिल्म 'मूडू पनी' का है और इसे के.जे. येसुदास ने गाया था। मामला दरअसल इस बात को लेकर था कि गाने के अलग-अलग हिस्सों- धुन, लिरिक्स और साउंड रिकॉर्डिंग पर किसका कॉपीराइट है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मई 2026 में साफ किया था कि इलैयाराजा को गाने की म्यूजिकल कंपोजिशन पर कॉपीराइट हासिल है लेकिन वह गाने के लिरिक्स या उसकी साउंड रिकॉर्डिंग पर अधिकार का दावा नहीं कर सकते। यह पूरा विवाद तब सामने

आया जब फिल्म 'अधथिया' में 'एन इनिया पोन निलावे' का रीक्रिएटेड वर्जन इस्तेमाल किया गया। इसे लेकर सारेगामा ने आपत्ति जताई थी। कंपनी का कहना था कि उसके पास मूल फिल्म 'मूडू पनी' की साउंड रिकॉर्डिंग के अधिकार हैं। दूसरी तरफ इलैयाराजा की ओर से इस गाने को लेकर लाइसेंस दिए जाने की बात सामने आई। इसी के बाद कॉपीराइट को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हुई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कॉपीराइट के तीन अलग हिस्सों- म्यूजिकल कंपोजिशन, लिरिक्स और साउंड रिकॉर्डिंग के बीच अंतर किया। हाईकोर्ट ने कहा कि इलैयाराजा गाने के संगीत के कंपोजर होने के नाते उसकी म्यूजिकल कंपोजिशन पर अधिकार रखते हैं। हालांकि, फिल्म में इस्तेमाल हुई साउंड रिकॉर्डिंग पर उनका अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि 25 फरवरी 1980 के एक एग्रीमेंट के जरिए 'मूडू पनी' में मौजूद साउंड रिकॉर्डिंग के कॉपीराइट मूल कंपनी से सारेगामा के पास चले गए थे। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि इलैयाराजा के पास अपनी म्यूजिकल कंपोजिशन से जुड़े कुछ अधिकार बने रहते हैं लेकिन वे अधिकार लिरिक्स या साउंड रिकॉर्डिंग तक नहीं जाते। ऐसे में वह उस फिल्म में रिकॉर्ड किए गए गाने की मूल रिकॉर्डिंग को अपनी संपत्ति बताकर किसी दूसरे पक्ष को अधिकार नहीं दे सकते।इससे पहले जनवरी 2025 में दिल्ली हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने सारेगामा के पक्ष में अंतरिम राहत दी थी। इसके बाद इलैयाराजा ने इस आदेश को चुनौती दी थी। मई 2026 में डिविजन बेंच ने भी सिंगल बेंच के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद इलैयाराजा ने फैसले की समीक्षा की मांग की लेकिन 26 मई को दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी रिव्यू याचिका भी खारिज कर दी। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने इस गाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा है।

राम मंदिर चढ़ावा मामला : चंपत राय के खिलाफ कार्रवाई की मांग, सुप्रीम कोर्ट 2 नवंबर को करेगा सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में अनियमितताओं से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट 2 नवंबर को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर होगी। यह याचिका अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चंपत राय राम मंदिर निर्माण के लिए मिले चंदे की अनियमितताओं और मंदिर के आसपास जमीन की कथित अवैध खरीद में शामिल रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि चंपत राय और अन्य दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही मौजूदा ट्रस्ट को भंग कर उसका पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष आया। बेंच ने आश्वासन दिया कि इस याचिका को राम मंदिर चंदे की कथित हेराफेरी से संबंधित पहले से लंबित याचिकाओं के साथ सुना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि सभी मामलों की सुनवाई 2 नवंबर को एक साथ की जाएगी। बता दें कि यह मामला अयोध्या के राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए जाने वाले चढ़ावे और दान से जुड़ा है। आरोप है कि मंदिर में आने वाले कैश, नोटों और सिक्कों की गिनती के दौरान हेरफेर और चोरी की गई है। भक्त बड़ी श्रद्धा से रामलला के लिए दान देते हैं लेकिन आरोप है कि इस चढ़ावे के पैसे में गड़बड़ी की गई है। इसी को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं और अब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा राहुल गांधी की राजनीति झूठ और भ्रम फैलाने पर आधारित' है

एजेंसी

नई दिल्ली। केरलम भाजपा अध्यक्ष और विधायक राजीव चंद्रशेखर ने गुरुवार को भाजपा केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना करते हुए उनकी राजनीतिक शैली पर सवाल उठाए।

चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में राहुल गांधी का भारतीय लोकतंत्र में योगदान झूठ, गलत सूचना और अराजकता फैलाने तक सीमित रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए ''देशद्रोही'' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करना राहुल गांधी की राजनीति की प्रकृति को दर्शाता है। उन्होंने राहुल गांधी की राजनीति को ''फ्रॉड'' और ''झूठ की राजनीति'' करार देते हुए कहा कि उनके पास देश या केरल के लिए कोई सकारात्मक संदेश नहीं है। चंद्रशेखर ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने राहुल गांधी को ''फ्रॉड'' कहा है और वह अपने इस बयान पर कायम हैं। केरल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी चंद्रशेखर ने राहुल गांधी के बयानों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को ''भाजपा एजेंट'' बताया और स्क्रूटनी प्रक्रिया को लोकतंत्र के खिलाफ बताया है। चंद्रशेखर ने दावा किया कि केरल के तत्कालीन गृह मंत्री और कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि एसआईआर के जरिए मतदाता सूचियों से फर्जी मतदाताओं को हटाने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुचिता स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार के संदर्भ में कहा कि केरल में एसआईआर कराने वाले मुख्य निर्वाचन अधिकारी आज केरल के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा इसके आधार पर संबंधित व्यक्ति को कांग्रेस का एजेंट नहीं कहेगी, क्योंकि लोकतंत्र में यह समझना जरूरी है कि कौन-सी राजनीतिक सीमाएं पार नहीं की जानी चाहिए।

फ्लाईदुबई घटना पर किरेन रिजिजू बोले भारतीय पायलट के साहस पर पूरे देश को गर्व

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्लाईदुबई घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्वीट पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पत्रकारों से बात के दौरान भारतीय मूल के पायलट स्मित मच्छर के साहस की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पूरे भारतीय समाज की ओर से इस घटना पर अपनी भावना व्यक्त की है।

रिजिजू ने कहा कि जब भारतीय मूल के किसी पायलट ने अपनी जान जोखिम में डालकर असाधारण साहस दिखाया, तो पूरी दुनिया उसकी प्रशंसा कर रही है। ऐसे में भारतीय होने के नाते स्वाभाविक रूप से गर्व महसूस होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब भी कोई भारतीय कोई असाधारण काम करता है और दुनिया को

यह दिखाता है कि भारतीय दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान तक जोखिम में डाल सकते हैं, तो यह पूरे देश के लिए गर्व की बात होती है। उन्होंने कहा कि फ्लाईदुबई घटना में पायलट द्वारा दिखाई गई हिम्मत और दूसरों की जान बचाने के लिए उठाया गया जोखिम भारतीयों की साहस और मानवीय भावना को दर्शाता है।

राज्यसभा के उपसभापति और लोकसभा अध्यक्ष ने बालयोगी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

यह दृष्टिकोण आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक मजबूत संसद के लिए ऐसे सक्षम जन-प्रतिनिधियों की आवश्यकता है जो अपनी जिम्मेदारियों को समझते हों।

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी की जयंती पर संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। बिरला ने एक्स पर लिखा, बालयोगी संसदीय गरिमा, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों की एक प्रेरणादायक विरासत हैं। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से संसदीय परंपराओं को मजबूत करने, सदन की गरिमा बनाए रखने और सभी दलों के प्रति निष्पक्ष व्यवहार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए याद किया जाता है। उनका सार्वजनिक

जीवन संघर्ष, शिक्षा और निरंतर परिश्रम की यात्रा थी। उन्होंने बताया कि बालयोगी का दृढ़ विश्वास था कि लोकसभा अध्यक्ष की प्राथमिक जिम्मेदारी सदन की गरिमा और सम्मान को बनाए रखना है। अध्यक्ष का पद संभालने पर, उन्होंने सदन के सभी वर्गों को आश्वासन दिया कि अध्यक्ष के रूप में उनके निर्णय निष्पक्ष होंगे और वे सामूहिक बुद्धिमत्ता की भावना से सदन की कार्यवाही का संचालन करेंगे। उनकी संसदीय विरासत का एक महत्वपूर्ण पहलू संसदीय नैतिकता और आचरण से भी जुड़ा है। उनकी कोशिशों से लोकसभा के कामकाज के नियमों और प्रक्रियाओं में एक प्रावधान जोड़ा गया, जिसके तहत सदन के 'वेल' में आकर कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के लिए अपने-आप निलंबन का नियम बनाया गया। बिरला ने बताया कि संसद की विश्वसनीयता न केवल कानून बनाने की उसकी क्षमता से जुड़ी है, बल्कि उसके सदस्यों के आचरण और संस्थागत मर्यादा से भी जुड़ी है। बालयोगी ने इस पहलू पर विशेष ध्यान दिया। इस दिशा में, लोकसभा की पहली 'आचार समिति' का गठन करने का श्रेय भी उन्हें जाता है। बालयोगी केवल सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने तक ही सीमित नहीं थे। उनका मानना था कि जन-प्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पेशेवर प्रशिक्षण और परिचय-सत्र भी मिलना चाहिए। उन्होंने नए सांसदों और विधायकों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

मदुरांतकम उपचुनाव : मैदान में तेज प्रचार, लेकिन मतदाताओं में नहीं दिख रही खास हलचल

एजेंसी

मदुरांतकम। चेंगलपट्टू जिले के मदुरांतकम (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में आगामी 6 अक्टूबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना है। हालांकि, चुनाव की तारीख नजदीक आने के बावजूद क्षेत्र में अपेक्षित चुनावी हलचल बहुत ज्यादा नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोग अपने रोजमर्रा के कामकाज में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं।

उधर, सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के साथ-साथ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) समेत विपक्षी दलों ने चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। क्षेत्र के मतदाताओं का रुख क्या है और वे किन स्थानीय समस्याओं का सामना कर रहे हैं, यह जानने के लिए हिंदुस्थान समाचार तमिल की टीम ने क्षेत्र का जमीनी जायजा लिया। 2026

के विधानसभा चुनाव में मदुरांतकम विधानसभा सीट से एआईएडीएमके के टिकट पर मरगदाम कुमरवेल ने जीत हासिल की थी। बाद में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देकर तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) का दामन थाम लिया। उनके इस्तीफे के बाद खाली हुई सीट पर अब उपचुनाव कराया जा रहा है। उपचुनाव में टीवीके की ओर से मरगदाम कुमरवेल, डीएमके की ओर से आई. परंधामन और एआईएडीएमके की ओर से कनिता संपत समेत कई उम्मीदवार मैदान में हैं। मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्र की निवासी कन्नम्माल ने कहा, 'हमें उम्मीद थी कि वह लोगों के लिए काम करेंगे, इसलिए हमने पिछले चुनाव में मरगदाम कुमरवेल को वोट दिया था। उनके पार्टी बदलने से हमें दुख हुआ है। ' चुनावी प्रक्रिया के तहत 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई गई। मदुरांतकम विधानसभा क्षेत्र में 80 वर्ष से अधिक आयु के 451 मतदाता और 480 दिव्यांग मतदाता, यानी कुल 931 मतदाता, इस सुविधा के पात्र थे। इनमें से 893 मतदाताओं ने डाक मतपत्र के जरिए मतदान किया, जबकि 38 मतदाताओं ने मतदान नहीं किया।

श्रीलंका की सत्ताधारी जेवीपी के प्रतिनिधिमंडल ने नितिन नवीन से की मुलाकात, संगठनात्मक अनुभवों पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका की सत्ताधारी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से यहां स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में मुलाकात की। जेवीपी के महासचिव तिल्विन सिल्वा के नेतृत्व में भारत आए प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा अध्यक्ष के साथ दोनों राजनीतिक दलों के बीच संबंधों को मजबूत करने और संगठनात्मक अनुभव साझा करने पर चर्चा की। बैठक में आपसी राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने से जुड़े विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने अपने भारत दौरे के क्रम में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और दिल्ली भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा से भी मुलाकात की।

इस दौरान दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक संगठनों के कामकाज, जनसंपर्क और संगठन विस्तार से जुड़े अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला। जेवीपी का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 27 सितंबर से 1 अक्टूबर 2026 तक भारत के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर है। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय संसद और दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय का भी दौरा किया। यह यात्रा भाजपा के अंतरराष्ट्रीय संपर्क कार्यक्रम के तहत विदेशी राजनीतिक दलों के साथ संवाद और संगठनात्मक अनुभवों के आदान-प्रदान की दिशा में एक पहल के रूप में देखी जा रही है। श्रीलंका और भारत के बीच राजनीतिक एवं कूटनीतिक संबंधों के संदर्भ में भी इस तरह के संवाद को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एशियाई खेल : अभिषेक के गोल से भारत ने पाकिस्तान को हराकर पुरुष हॉकी के फाइनल में प्रवेश किया

नगोया (एजेंसी)। भारतीय टीम ने एशियाई खेलों के पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को रोमांचक सेमीफाइन मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अंतिम क्षणों में अभिषेक ने गोल दागकर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मैच में 59 मिनट तक स्कोर 3-3 की बराबरी पर था पर 60वें मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारतीय टीम को 4-3 से जीत के साथ ही खिताबी मुकाबल में पहुंच दिया।/ वहीं पाक टीम बाहर हो गयी। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर में ही भारतीय टीम को 2-0 की बढ़त मिल गयी। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे। हरमनप्रीत ने 5वें मिनट पर पहला गोल और 13वें मिनट पर दूसरा गोल किया। इसके बाद पाकिस्तान ने भी पलटवार करते हुए दूसरे हाफ में एक गोल कर दिया। जिसका जवाब भारतीय टीम ने भी एक गोल कर दिया। भारत के लिए ये तीसरा गोल सुखजीत सिंह ने 23वें मिनट पर गोल किया। वहीं पाकिस्तान के लिए 30वें मिनट में अबू मोहम्मद ने पहला गोल दागा। इस प्रकार दो क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त 3-1 हो गयी। .

तीसरे क्वार्टर में पाक टीम ने एक गोल किया। तीन क्वार्टर समाप्त होने के बाद स्कोर 3-2 पर पहुंच गया।

तीन क्वार्टर के बाद भारत की बढ़त घटकर 3-2 रह गयी। 49वें मिनट पर पाकिस्तान की ओर से वहीद राणा ने तीसरा गोल करके स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। मुकाबले में केवल 11 मिनट बाकी रह गए थे। ऐसे में दोनो ही टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास शुरु कर दिये पर कोई भी सफल होती नहीं दिखी। 60वें मिनट पर अभिषेक ने एक गोल कर भारतीय टीम को 4-3 की बढ़त के साथ जीत दिला दी।

अब फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा।

प्रसिद्ध कृष्णा हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण तीसरे एकदिवसीय से बाहर हुए

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को होने वाले तीसरे एकदिवसीय से बाहर हो गये हैं। कृष्णा दूसरे एकदिवसीय में हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हो गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, कृष्णा की चोट कितनी गंभीर है, इसका पता अभी नहीं चल सका है पर उन्हें कुछ समय तक बाहर होना होगा। इससे साफ है कि वह तीसरे एकदिवसीय में नहीं खेलेंगे। दूसरे एकदिवसीय में कृष्णा ने केवल 5 ओवर ही गेंदबाजी की थी, जिसके बाद वह परेशानी में दिखे। इसी कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसके बाद वह दोबारा गेंदबाजी करने नहीं लौटे थे। पांच ओवर में कृष्णा ने 45 रन देकर एक विकेट लिया। भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय के लिए गुवाहाटी से चंडीगढ़ रवाना होगी। वहीं कृष्णा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जाएंगे, जहां उनकी रिकवरी की प्रक्रिय होगी।

एशियाई खेलों में भारत के मनु और प्रिंस ने पुरुषों के स्किफ इवेंट में रजत जीता

गामागोरि सिटी (एजेंसी)। भारत के मनु फ्रांसिस और प्रिंस कुरिसिंकल नोबल की जोड़ी ने एशियाई खेलों की नौकायन के स्किफ इवेंट में रजत पदक जीता है। गुरुवार को यहां हुए पुरुषों के स्किफ इवेंट में मनु और प्रिंस ने ये रजत पदक जीता। नौ रेस के बाद भारतीय जोड़ी दसरे स्थान रही। पहला स्थान चीन की जोड़ी को मिला। भारतीय जोड़ी ने 23 अंकों के साथ रेगाटा (सेलिंग प्रतियोगिता) का समापन किया। चीन की जोड़ी, वेन जाइडिंग और लियू तियान ने 16 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ये भारतीय जोड़ी से चार अंक कम थे। वहीं हांगकांग, चीन के अकीरा ल्यूक सकाई और रसेल आयल्सवर्थ 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फ्रांसिस और नोबल का प्रदर्शन काफी अच्छा बना रहा। तीसरी रेस में में उन्होंने जीत हासिल की। भारतीय सेलर्स ने रेस 3 जीती और रेस 1, 5 और 9 में दूसरे स्थान पर रहे। नौ रेस में उन्होंने कुल 29 अंक हासिल किए। रेस 8 में छठे स्थान पर रहने के परिणाम को हटाकर उनका नेट स्कोर 23 रहा। यह पदक पुरुषों के स्किफ इवेंट में भारत का पहला रजत है और इस इवेंट में देश का दूसरा पदक है। इससे पहले वरुण ठक्कर और केसी गणपति ने जकार्ता 2018 में कांस्य पदक जीता था। स्किफ नौकायन में हल्की और छोटी नौका होती हे। जिसे चलाने के लिए क्रू मेंबर्स के बीच बहुत अच्छे तालमेल की जरूरत होती है।

एशियाई खेल: भारत के गणेश मणि रत्नम ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

ओकाजाकी (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने यहां एशियाई खेलों की कंपाउंड तीरंदाजी में पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। गणेश के इस पदक के साथ ही तीरंदाजी में भार के पदकों की संख्या बढ़कर संख्या चार पहुंच गयी गई है। गणेश ने वियतनाम के कांग डुक डांग को 149-144 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। गणेश ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 बार 10 का स्कोर किया और लगातार तीन बार 10 के साथ 149 का स्कोर बनाकर अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त बना ली। आइची-नागोया में यह उनका दूसरा पदक है। इससे पहले बुधवार को उन्होंने पुरुषों की टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था।

वहीं महिला वर्ग की बात करें तो भारत की चिकिथा तनिपार्थी क्वार्टर-फाइनल में इंडोनेशिया की नुरिसा डियान अशरीफाह के हाथों 144-143 के करीबी अंतर से हारकर महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा से बाहर हो गयीं।

चिकिथा शुरुआती दो राउंड में चिकिथा पीछे थीं, लेकिन तीसरे राउंड में उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बना ली पर अंतिम राउंड में 8, 9, 10 का स्कोर भारी पड़ा, क्योंकि नुरिसा ने 10, 10, 9 का स्कोर कर मुकाबला जीत लिया।

चिकिथा ने महिलाओं की टीम इवेंट में स्वर्ण और मिश्रित टीम का खिताब जीतने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक कोटा भी हासिल किया।

रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 12,000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां वेस्टइंडीज के बीच दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में अपने 12000 रन पूरे कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस प्रकार वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले विश्व के केवल सातवें और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर तथा विराट कोहली के बाद तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने है।

रोहित ने स्पिनर रोस्टन चेज की गेंद पर एक रन लेकर यह मील का पत्थर पार किया। इस प्रतिष्ठित एलीट क्लब में रोहित के साथ सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग, श्रीलंका के कुमार संगकारा, सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्धने जैसे दिग्गज शामिल हैं। आंकड़ों के लिहाज से रोहित 12,000 एकदिवसीय रनों तक पहुँचने वाले विश्व के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मुकाम तक पहुँचने के लिए 282 पारियाँ खेलीं, वह केवल विराट कोहली (242 पारियाँ) से ही पीछे हैं। रोहित ने महान सचिन तेंदुलकर (300 पारी) और रिकी पोंटिंग (314 पारी) जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़कर अपनी बल्लेबाजी कौशल का प्रदर्शन किया है। गेंदों का सामना करने के मामले में भी, रोहित दूसरे सबसे तेज हैं, जिन्होंने 12,973 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ, जो फिर से कोहली (12,853 गेंदें) के बाद सबसे तेज है।

साल 2007 में अपने वनडे करियर का आगाज करने वाले रोहित शर्मा का अब तक का सफर शानदार रहा है। अपने 290 मैचों के करियर में, उन्होंने 12 हजार से अधिक रन बनाने के साथ–साथ 35 शानदार शतक और 62 अर्धशतक भी जड़े हैं। उनके नाम इस प्रारूप का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर (264 रन) दर्ज है, और वह एकदिवसीय क्रिकेट के इतिहास में तीन दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के एकमात्र बल्लेबाज हैं।

भारतीय महिला स्क्वाश टीम ने जीता कांस्य, सेमीफाइनल में हांगकांग से मिली हार

नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला स्क्वाश टीम ने एशियाई खेल 2026 में कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। नागोया में खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत का फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया, लेकिन टीम ने कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का अंत किया।

अनाहत सिंह की हार से भारत को झटका

भारत की ओर से पहला मुकाबला 18 वर्षीय अनाहत सिंह ने खेला। उन पर काफी जिम्मेदारी थी, क्योंकि भारत की नजरें पिछले हांगझोउ एशियाई खेलों के प्रदर्शन में सुधार करने पर थीं। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर मौजूद अनाहत का सामना दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी सिन युक चान से हुआ।

अनाहत ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम अपने नाम किए। हालांकि वह चौथे गेम में 10-6 की बढ़त के बावजूद चार मैच प्वाइंट गंवा बैठीं। सिन ने वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक पांचवें गेम तक पहुंचा दिया।

पांचवें गेम में अनाहत 7-9 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 9-9 कर दिया। इसके बाद सिन ने पहला मैच प्वाइंट हासिल किया। अनाहत ने बैकहैंड ड्रॉप से इसे बचाया, लेकिन सिन ने एक और मैच प्वाइंट हासिल किया और इस बार मुकाबला अपने नाम कर लिया। अनाहत को 2-3 (11-9, 11-8, 6-11, 11-13, 10-12) से हार मिली।

तन्वी खन्ना ने की शानदार वापसी

पहले मुकाबले में हार के बाद तन्वी खन्ना ने भारत की उम्मीदें जीवित रखीं। दुनिया की 73वें नंबर की तन्वी का सामना 40वें नंबर की का यी ली से हुआ। शुरुआत में भारतीय खिलाड़ी को परेशानी हुई और उन्होंने पहला गेम 4-11 से गंवा दिया। दूसरे गेम में तन्वी ने लंबी रैलियों के जरिए वापसी की। उन्होंने 10-9 पर गेम प्वाइंट हासिल किया, लेकिन ली ने बैकहैंड ड्रॉप के जरिए स्कोर बराबर कर दिया।

गुवाहाटी की पिच पर भड़के गंभीर, ये खेल नहीं मजाक था

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने यहां के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर सवाल उठाये हैं। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार यहां 400 से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल हो गया। उससे ये क्रिकेट कम मजाक अधिक नजर आया। इसे खेल कहना है उसका अपमान करने जैसा है।

सपाट पिच पर बल्लेबाजों ने रनों की होली खेली, जबकि गेंदबाजों का जमकर मजाक बना। पहले वेस्टइंडीज ने बल्लेबाजी करते हुए अपने एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 405 रन बनाया। उसके बाद भारतीय टीम ने 39 गेंदें पहले ही ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर मैच जीत लिया। ये एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य रहा। इससे खुश होने की जगह पर गंभीर नाराज अधिक हो गये। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद कहा कि ये क्रिकेट नहीं मजाक था। गंभीर के शब्दों में, मैं बल्ले और गेंद के बीच और ज्यादा मुकाबला देखना चाहता हूं। ऐसे मैच प्रसारकों के लिए, रिकॉर्ड्स के लिए और प्रशंसकों के लिए तो बढ़िया हो सकते हैं, लेकिन क्रिकेट के लिए बिलकल नहीं। आपको बल्ले और गेंदब के बीच एक संतुलन बनाना होगा। गेंदबाजों के बारे में भी सोचना चाहिए, उन्हें कुछ समर्थन देने की जरूरत है। ऐसी सपाट पिच से मैच पूरी तरह एकतरफा हो जाता है, जो क्रिकेट की प्रतिद्वंद्विता के लिए बेहद खराब है। वहीं दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक भी सोशल मीडिया पर इस तरह के सपाट विकेट को लेकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, 'गुवाहाटी को अहम क्रिकेट मैच कौन देता है? घटिया एकदिवीसय पिच, घटिया टेस्ट पिच। बेकार सा मैदान। लाइट की समस्याएं। पान बहार के विज्ञापन। सब कुछ बहुत ही भद्दा।' यह गुस्सा पूरी तरह से वाजिब है, क्योंकि जब शेड्यूलिंग, पिच क्यूरेशन और स्क्वॉड सिलेक्शन जैसे हर फैसले स्टेकहोल्डर्स या पैसों की वजह से होने लगें, तो क्रिकेट का मूल स्वरूप पीछे रहन तय है। तिरुवनंतपुरम और अब गुवाहाटी, दोनों ही जगहों पर गेंदबाजी संघर्ष करती दिखी ।ऐसी पिचें खेल के रोमांच को खत्म करती हैं और खिलाड़ियों की क्षमताओं का सही आकलन नहीं होने देतीं।

भारत ने 405 रन का लक्ष्य चेज कर , वेस्टइंडीज से सीरीज जीती

–गिल का दोहरा शतक, रोहित का 35वां शतक

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 405 रन बनाए। जवाब में भारत ने 43.3 ओवर में 2 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। इसी के साथ भारत ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से जीत ली। भारत ने अपने 52 साल के एक दिवसीय इतिहास में पहली बार 400 रन से अधिक का लक्ष्य चेज किया।

कप्तान शुभमन गिल भारत की जीत के हीरो रहे। उन्होंने वनडे क्रिकेट की सबसे तेज दोहरा शतक बनाया। गिल ने 117 गेंदों पर 200 रन का आंकड़ा पार किया। उन्होंने 133 बॉल पर नाबाद 223 रन बनाए। 26 चौके और 8 छक्के भी जमाए।

गिल ने रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 255 रन की पार्टनरशिप की। रोहित ने भी शतक लगाया और 101 रन की पारी खेली। विराट कोहली 29 रन बनाकर आउट हुए। गिल के साथ ऋतुराज गायकवाड 31 रन बनाकर नॉटआउट रहे। गिल ने सबसे तेज दोहरा शतक लगाने के मामले में भारत के ही ईशान किशन का रिकॉर्ड तोड़ा है। ईशान ने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 126 गेंदों पर दोहरा शतक पूरा किया था। यह गिल का दूसरा दोहरा शतक भी है। उन्होंने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 149 बॉल पर 208 रन बनाए थे।

एशियाई खेलों में बांग्लादेश को हराकर फाइनल में पहुंची पाकिस्तान क्रिकेट टीम

नगोया (एजेंसी)। जापान में जारी एशियाई खेलों के पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में बारिश के कारण ये मैच 20 ओवर से घटाकर 13 ओवर का कर दिया गया। इसमें बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के 112 रनों का लक्ष्य दिया जो पाक ने आसानी से 11.3 ओवर में ही हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम के कप्तान और सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद माज सदाकत (15 रन) और उस्मान खान (14 रन) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 6.1 ओवर में 53 रनों पर अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, सईम अयूब ने 12 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 21 रन की तेज तर्रार पारी खेलकर रन गति को बनाए रखा। गेंदबाजों के कहर के बाद हसन नवाज और अब्दुल समद ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर 32 गेंदों पर नाबाद 59 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। इस दमदार साझेदारी की बदौलत पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 112 रन बनाए और 6 विकेट से मैच अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम की शुरुआत भी निराशाजनक रही। टीम ने 45 के स्कोर पर ही अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों को गंवा दिया था। यहां से तौहिद हृदोय और मोसद्दक हुसैन ने पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 30 गेंदों पर 53 रनों की एक महत्वपूर्ण साझेदारी की। तौहिद हृदोय ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों पर 4 छक्कों और 2 चौकों की मदद से शानदार 42 रन बनाए। मोसद्दक ने 16 गेंदों पर 11 रन का योगदान दिया। आखिर में मेहदी हसन ने 4 गेंदों पर नाबाद 8 रन बनाकर टीम का स्कोर निर्धारित 13 ओवर में 7 विकेट पर 111 रन तक पहुंचाया। ओपनर सैफ हसन ने भी 17 गेंदों पर 2 छक्कों और 1 चौके की मदद से 19 रन की पारी खेली थी।

पाकिस्तान के लिए स्पिनर सुफियान मुकिम सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने 3 ओवर में 26 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। अराफात मिन्हास ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि सईम अयूब ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाने के बाद गेंदबाजी में भी हाथ आजमाते हुए 2 ओवर में मात्र 3 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान से हारकर बाहर हुई

ओकाजाकी। एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का पदक जीतने का सपना टूट गया है। इसका करण ये है कि भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के हाथों सीधे सेटों में हार झेलनी पड़ी है। यहां के सोगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 25–19, 25–23, 25–18 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस प्रकार से पाक वॉलीबॉल टीम 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में पहुंची है।

इस मुकाबले में दोनो के बीच बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहाँ स्कोर 11–11 की बराबरी पर था। हालाँकि इसके बाद पाकिस्तान ने खेल पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। और लगातार पाँच अंक जीतकर 16–11 से बढ़त बना ली। जैसे–जैसे पहला सेट आगे बढ़ा, पाकिस्तान की बढ़त बढ़ती गई और अंतत: उन्होंने इसे 25–19 से जीत लिया। वहीं दूसरे सेट में भारतीय टीम ने वापसी की कोशिश की और 19–16 की अच्छी बढ़त हासिल कर ली पर कुछ गलतियों के कारण वे इस बढ़त का लाभ नहीं ले पाये। वहीं दूसरी ओर पाक ने शानदार खेल दिखाते हुए वापसी की और दूसरा सेट 25–23 से जीतकर मुकाबले में 2–0 की बढ़त हासिल कर ली। वहीं तीसरे सेट में पाक ने भारतीय टीम को संभलने का कोई अवसर नहीं दिया और आसानी से यह सेट 25–18 से जीतकर मैच पर कब्ज कर लिया।

वहीहं इससे पहले, भारतीय टीम ने पूल सी में अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया था, जहाँ उन्होंने अपने तीनों लीग मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी थी। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत वियतनाम पर 3–0 की प्रभावशाली जीत के साथ की थी और फिर हांगकांग चीन को भी इसी अंतर से हराया था। अपने अंतिम पूल मैच में, भारत को कतर के खिलाफ कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ा। शुरुआती दो सेट हारने के बाद भी टीम ने शानदार वापसी करते हुए 26–28, 25–27, 25–23, 25–20, 24–22 के स्कोर के साथ 3–2 से रोमांचक जीत हासिल की थी। इस जीत ने भारतीय टीम को पूल सी में शीर्ष स्थान पर पहुंचाया था, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनकी जगह पक्की हुई।

डब्ल्यूपीएल के लिए आरसीबी ने ग्रेस सहित चार खिलाड़ियों को बाहर किया

अरुंधति सहित 13 खिलाड़ियों को रखा बरकरार

मुम्बई। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) के लिए नीलामी 28 अक्टूबर को कोच्चि में आयोजित की जाएगी। इसी को देख्ते हुए रॉयल चैलेंजस बेंगलरु (आरसीबी) ने ग्रेस हैरिस को रिलीज कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैरिस ने 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी उन्हें टीम ने बरकरार नहीं रखा है। ग्रेस हैरिस के अलावा लिंसी स्मिथ, डी. हेमलता और गौतमी नायक को भी आरसीबी ने बाहर कर दिया है। । वहीं टीम ने 13 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। इनमें अरुंधति रेड्डी, प्रत्युषा कुमार, ऋचा घोष, स्मृति मंधाना, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, पूजा वस्त्राकर, राधा यादव और श्रेयंका पाटिल शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में लॉरेन बेल, एलिस पेरी, नादिन डी क्लर्क और जॉर्जिया वोल को टीम ने अपने साथ रखा है ।दिग्गज ऑलराउंडर एलिस पेरी के इस सत्र में खेलने की उम्मीद है। वह पिछले सत्र में शामिल नहीं थी। आरसीबी ने उन्हें टीम में बरकरार रखा था। 2 बार की चैंपियन आरसीबी के पास नीलामी के लिए 1.15 करोड़ रुपये का पर्स बचा है और उसे 5 खिलाड़ियों की जगह भरनी है। इनमें 2 विदेशी खिलाड़ियों के लिए जगह है। ऐसे में वह कई नये खिलाड़ियों को खरीद सकती है। वहीं गुजरात जायंट्स ने 15 खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। टीम ने केवल 4 खिलाड़ियों को रिलीज किया है। इनमें इस साल महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली डैनी वायट–हॉज भी शामिल हैं। उनके अलावा आयुषी सोनी, तितास साधु और शिवानी सिंह को रिलीज किया गया है। गुजरात के पास 1.25 करोड़ रुपये का पर्स है और टीम को 3 खिलाड़ियों की जगह भरनी है। इनमें 1 विदेशी खिलाड़ी के लिए स्थान है।

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका को हराकर एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंची

स्वर्ण पदक के लिए शनिवार को पाकिस्तान से होगा मुकाबला

निशिन (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट ने यहां एशियाई खेलों में हुए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 124 रनो से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब भारतीय टीम स्वर्ण जीतने के लिए 3 अक्टूबर को फाइनल में पाकिस्तान से भिड़ेगी। ये खिताबी मुकाबला भारतीय समय के अनुसार सुबह 10 बजे से शुरु होगा। इसमें भारतीय टीम अपना खिताब बरकरार रखने उतरेगी।

वहीं श्रीलंका के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में भारतीय टीम की जीत में ईशान किशन की अहम भूमिका रही। ईशान ने तेजी से 80 रन की पारी खेलकर भारतीय टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को आसानी से रोक दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए.। इस प्रकार श्रीलंका को जीत के लिए 170 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए लंकाई टीम 9.5 ओवर में केवल 45 रनों पर ही सिमट गयी।

टॉस जीतकर श्रीलंका ने भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 7 रन पर ही आउट हो गये। वहीं वैभव सूर्यवंशी ने 6 चौके और 2 छक्के लगाकर 38 रन बनाए। बाकी सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे। संजू सैमसन ने 07 रन, तिलक वर्मा ने 02 रन, अक्षर पटेल ने 08 रन, शिवम दुबे ने 03 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 13 रन बनाए।

ऐसे मुश्किल समय में ईशान ने 46 गेंदों में 4 चौके और 5 छक्के लगाकर 80 रन की शानदार पारी खेली। अंत में वॉशिंगटन सुंदर ने एक छक्का लगाकर भारत को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 169 रनों तक पहुंचाया। इसके बाद 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी के शुरुआती ओवर में ही दो विकेट लेकर श्रीलंका को दबाव में ला दिया। उन्होंने सिनेथ जयवर्धना को एलबीडब्ल्यू आउट किया,

जबकि सोहन डी लिवेरा का शानदार कैच संजू सैमसन ने पकड़ा। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने एकजुट प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया और उन्हें लक्ष्य से 124 रन दूर ही रोक दिया। यह भारत की एकतरफा और बड़ी जीत थी। इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम अब अब फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से स्वर्ण पदक के लिए खेलेगी। पाक टीम ने पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश को कराकर फाइनल में जगह बनायी है।

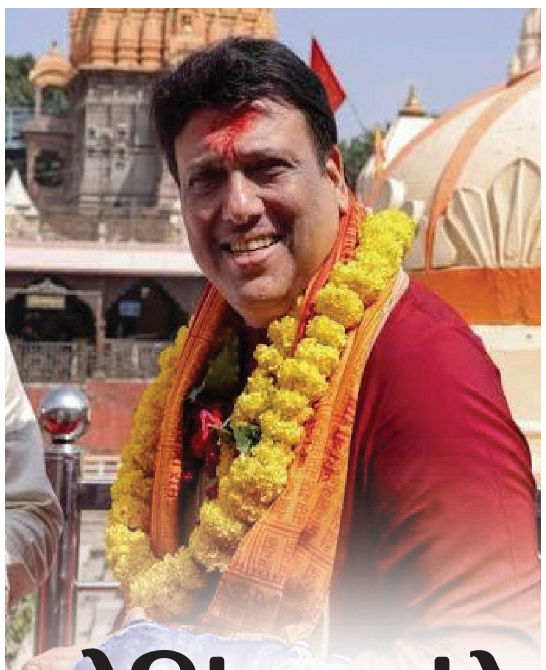

गोविंदा पहुंचे महाकाल के दरबार

फिल्म अभिनेता गोविंदा उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर में पहुंचने पर उन्होंने भगवान महाकाल के चरणों में दंडवत प्रणाम किया और अपने बच्चों व परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। गोविंदा ने बाबा महाकाल की आराधना के दौरान वैदिक मंत्रों का जाप भी किया। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि सभी लोगों पर उनकी कृपा बनी रहे और जीवन में आने वाली परेशानियां, कष्ट और बाधाएं दूर हों। दर्शन के बाद अभिनेता गोविंदा ने कहा कि उन्होंने बाबा महाकाल से सभी के कल्याण की कामना की है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान महाकाल सभी के जीवन से दुख, गरीबी, कष्ट और रोग दूर करें और हर व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहे। महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद गोविंदा ने श्रद्धा के साथ 'हर हर महादेव' और 'जय महाकाल' के जयकारे भी लगाए। मंदिर परिसर में अभिनेता की मौजूदगी को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्साह नजर आया।

बचपन से ही संगीत के माहौल में पली-बढ़ीं है मुनमुन दत्ता

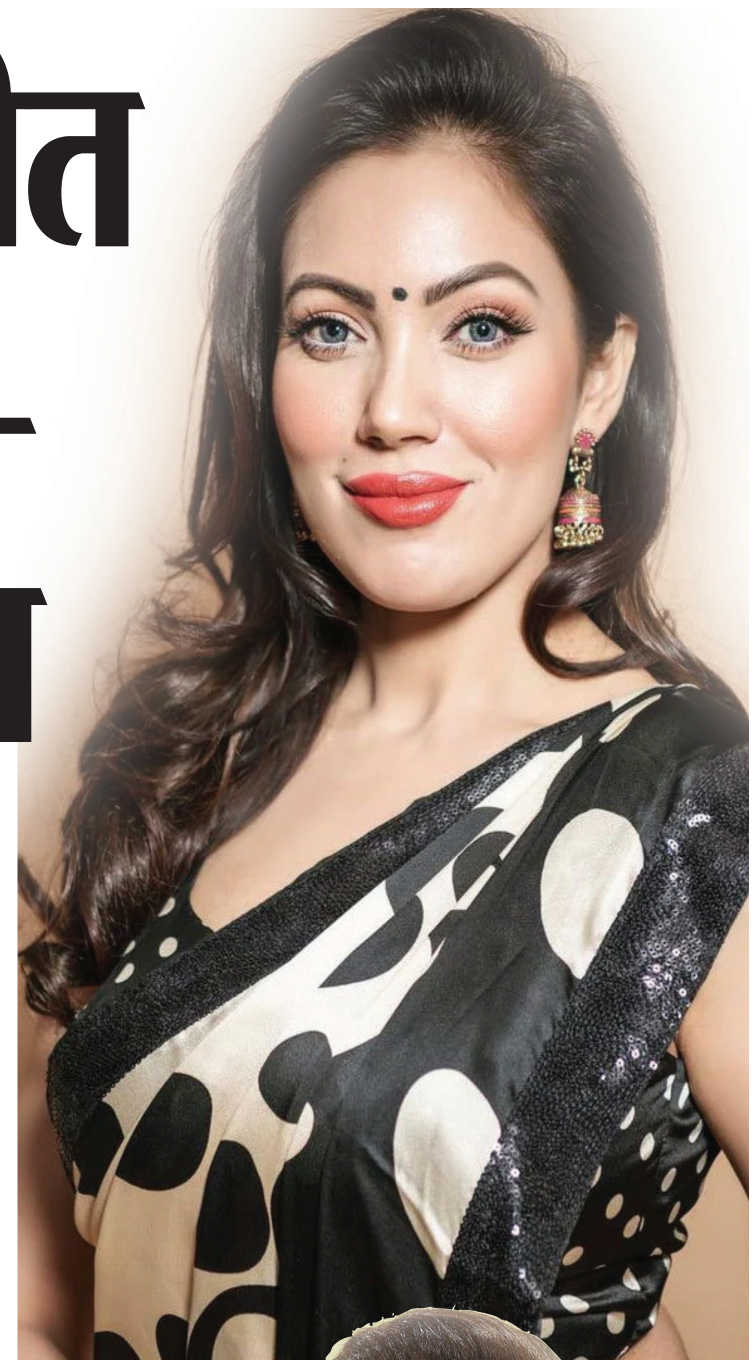

अभिनेत्री मुनमुन दत्ता का अभिनय करियर शुरू होने से काफी पहले ही कला और मंच से जुड़ाव हो गया था। टेलीविजन धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली मुनमुन दत्ता बचपन से संगीत के माहौल में पली-बढ़ीं मुनमुन ने कम उम्र में ही मंच पर गाना शुरू कर दिया था। उस समय उनकी उम्र महज सात वर्ष थी और उन्होंने गाना गाकर 125 रुपये कमाए थे। 28 सितंबर 1987 को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में जन्मी मुनमुन का परिवार संगीत से जुड़ा हुआ था।

इसी वजह से बचपन से ही उन्हें संगीत और प्रदर्शन कला के माहौल में रहने का अवसर मिला। उन्होंने स्कूल और स्थानीय कार्यक्रमों में गाना शुरू किया। बाद में उन्होंने बताया था कि वह आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए भी बाल गायिका के तौर पर कार्यक्रम कर चुकी थीं। मुनमुन के मुताबिक, ऑल इंडिया रेडियो के लिए गाना गाने पर उन्हें सात वर्ष की उम्र में 125 रुपये की पहली कमाई हुई थी। इतनी कम उम्र में अपने काम के बदले पैसे मिलना उनके लिए खास अनुभव था। उन्होंने अपनी पहली कमाई अपनी मां को दे दी थी। उस समय शायद उन्होंने यह नहीं सोचा होगा कि भविष्य में वह टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल होंगी। संगीत से जुड़े रहने के साथ मुनमुन ने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। आगे की शिक्षा के लिए वह पुणे चली गईं।

इसी दौरान उनका रुझान मॉडलिंग और फैशन शो की तरफ बढ़ा। उन्होंने विभिन्न फैशन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और अभिनय के अवसर तलाशने के लिए मुंबई का रुख किया। शुरुआती दिनों में उन्हें काम पाने के लिए संघर्ष भी करना पड़ा। मुनमुन का अभिनय करियर वर्ष 2004 में शुरू हुआ, जब उन्हें जी टीवी के धारावाहिक 'हम सब बाराती' में काम करने का अवसर मिला। उस समय वह कॉलेज में पढ़ रही थीं और यह उनका शुरुआती अभिनय अनुभव था। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और विज्ञापनों में भी काम किया। फिल्मों में उन्होंने कमल हासन की 'मुंबई एक्सप्रेस' और 'हॉलिडे' में काम किया, लेकिन उन्हें सबसे बड़ी पहचान टेलीविजन से मिली।

अपने विचारों को साझा किया दीया मिर्ज़ा ने

बॉलीवुड अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्ज़ा ने अपने बेटे अव्यान आज़ाद रेखी की परवरिश को लेकर अपने विचारों को साझा किया है। वह चाहती हैं कि उनके बेटे को कम उम्र से ही सहानुभूति, दयालुता और दूसरों की सीमाओं के सम्मान का महत्व सिखाया जाए, ताकि लड़कियों के लिए एक सुरक्षित और समान समाज का निर्माण हो सके। दीया मिर्ज़ा ने इस बात पर विशेष ज़ोर दिया कि बच्चों को सहमति का सही अर्थ समझाना ज़रूरी है। उनके अनुसार, सहमति सिर्फ न कहने से इनकार करना नहीं है, बल्कि बेचैनी के सूक्ष्म संकेतों को पहचानना और व्यक्तिगत सीमाओं का आदर करना भी है। उन्होंने कहा कि सहमति एक सक्रिय और स्वेच्छा से दी गई हाँ होनी चाहिए, न कि केवल न की अनुपस्थिति। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी को भी अपना ध्यान, स्नेह या निकटता देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, और अस्वीकृति को अपमान या चुनौती देने वाली बात के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

शो मुसाफिरी से खुलेगा मुंबई का अनदेखा इतिहास

एक रोमांचक नॉन-फिक्शन ट्रैवल सीरीज मुसाफिरी के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा दर्शकों के सामने आ रही हैं। सीरीज में मुंबई शहर के गहन इतिहास, उसके विविध समुदायों, छिपी हुई कहानियों और उन कम चर्चित जगहों को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में अक्सर लोग अंजान होते हैं। सीरीज का पहला एपिसोड जल्द रिलीज हो रहा है। मुसाफिरी मुंबई को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का वादा करती है। पहले एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के समृद्ध इतिहास, उसकी विशिष्ट संस्कृति और कुछ सबसे हैरान कर देने वाले राजों से रूबरू कराया जाएगा। एपिसोड में एक अनोखा कनेक्शन भी बताया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी किम कार्दशियन और दक्षिण मुंबई के सबसे मशहूर इलाकों में से एक, काला घोड़ा के बीच मौजूद है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को आश्चर्यचकित करेगा। ऋचा ने खुद भी मुंबई के गहरे कोनों को एक्सप्लोर किया है और शहर के देवी-देवताओं से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा किए हैं, जिनमें मां महालक्ष्मी भी शामिल हैं, जिन्हें मुंबई की संरक्षक देवी माना जाता है। अभिनेत्री का मानना है कि मुंबई शहर ऐसी अनगिनत कहानियों से भरा पड़ा है, जिनके बीच लोग बड़े होते हैं लेकिन कभी रुककर उन्हें गहराई से जानने की कोशिश नहीं करते। ऋचा चड्ढा ने कहा, मुंबई में इतनी सारी कहानियां हैं, जिनके बीच हम बड़े हुए हैं, लेकिन लोगों के साथ मैं इन्हें शेयर करना चाहती थी। उनकी यह पहल शहर के निवासियों को अपनी जड़ों और विरासत को फिर से खोजने का अवसर देगी। एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के सबसे पुराने आर्मेनियाई चर्चों में से एक में भी ले जाया जाएगा, जो शहर की सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण है। इसके साथ ही, गेटवे ऑफ इंडिया के इतिहास और इसे क्यों तथा किन परिस्थितियों में बनाया गया था, इसके बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। ऋचा चड्ढा को उम्मीद है कि जो लोग अपनी पूरी जिंदगी मुंबई में रहे हैं, वे भी इस शो के माध्यम से शहर को एक बिल्कुल अलग नजर से देखेंगे और उन्हें लगेगा जैसे वे एक नई मुंबई को खोज रहे हैं। मुसाफिरी का पहला एपिसोड आज शाम उनके यूट्यूब चैनल फुलस्टॉप पर उपलब्ध होगा। अभिनय के क्षेत्र में बात करें तो, ऋचा चड्ढा आखिरी बार संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखी गई थीं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के हीरा मंडी के रेड-लाइट एरिया पर बनी यह सीरीज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के तहत तवायफों के जीवन और उनके राजनीतिक व व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाती है।

सलमान ने दिया मजेदार रिएक्शन

सलमान खान ने हाल ही में बिग बॉस 20 के लेटेस्ट एपिसोड में फैंस को अपनी फिटनेस जर्नी की झलक दिखाई। एक्टर ने पिछले हफ़्ते शर्टलेस दिखने के बारे में बात की और मज़ाक में कहा कि उन्होंने पूरी तरह फिट होने से पहले ही अपनी बॉडी दिखाने के लिए शर्ट उतार दी थी। लेटेस्ट वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान, सलमान ने अपने वायरल शर्टलेस मोमेंट के बारे में बात की और साफ किया कि वह कोई एकदम टोन-अप बॉडी नहीं दिखाना चाह रहे थे। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि उनकी फिटनेस जर्नी अभी चल रही है और अपनी अगली फ़िल्म के लिए बॉडी पर काम करने के लिए उनके पास अभी एक-दो महीने का समय है। बिना सिक्स-पैक के शर्टलेस होने का फैसला क्यों किया, इस बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, जब शर्ट उतारा था मैंने, तो इसलिए उतारा था कि अभी 6-पैक नहीं है। सलमान ने आगे मजाक में कहा कि पूरी तरह फिट न होने के बावजूद लोगों को उनका लुक पसंद आया। उन्होंने यह भी बताया कि मनचाही शेप में आने में उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। सलमान ने कहा, पता नहीं, उन्हें बॉडी अच्छी लगी। अभी नहीं है।

पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या का रॉयल लुक

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक में अपनी शानदार मौजूदगी से एक बार फिर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। देवदास फेम अभिनेत्री ने कोर्सेट वाले काले मखमली फिशटेल गाउन, क्रिस्टल जड़े केप और रत्नों से जड़े टियारा के साथ रैंप वॉक किया, जिससे प्रशंसक उनकी सुंदरता के कायल हो गए। उनके ड्यूई मेकअप और सिग्नेचर रेड लिपस्टिक ने उनके पूरे लुक में चार चांद लगा दिए। शो की कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिनमें उनकी रॉयल अपीयरेंस साफ दिख रही है। शो से पहले रिहर्सल के दौरान, पेरिस फैशन वीक में लॉरियल का प्रतिनिधित्व करने वाली ऐश्वर्या कई अन्य मशहूर हस्तियों से मिलीं। सिमोन एशले के साथ बातचीत करने और प्यार से उनका हाथ थामने का एक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वह अपनी पुरानी दोस्त ईवा लोंगोरिया से भी मिलीं।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अजय देवगन ने खींची कपिल की टांग

छोटे परदे का मशहूर कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में बॉलीवुड अजय देवगन अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम- द कंक्लूजन' के प्रचार के लिए पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान कपिल शर्मा ने अजय देवगन की फिल्मों और गोवा से उनके जुड़ाव को लेकर मजाक किया, लेकिन अभिनेता ने भी उसी अंदाज में जवाब देते हुए कपिल की ही टांग खींच दी।

कपिल शर्मा ने बातचीत के दौरान अजय देवगन से पूछा कि उनकी ज्यादातर फिल्मों की शूटिंग गोवा में क्यों होती है। उन्होंने 'गोलमाल', 'सिंघम' और 'दृश्यम' जैसी फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि अजय की कई फिल्मों का संबंध गोवा से रहा है। आगामी फिल्म 'दृश्यम- द कंक्लूजन' की भी अधिकांश शूटिंग गोवा में हुई है और फिल्म की कहानी का पृष्ठभूमि भी इसी स्थान से जुड़ी है। कपिल ने मजाकिया अंदाज में सवाल किया कि क्या अजय को वास्तव में गोवा खूबसूरत लगता है या फिर इसकी वजह वहां मिलने वाली फेनी और पोमफ्रेट मछली है। कपिल के सवाल का जवाब देते हुए अजय देवगन ने कहा कि गोवा उन्हें बहुत सुकून देने वाली जगह लगता है और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह फेनी नहीं पीते। इसके बाद कपिल ने फिर मजाक करते हुए कहा कि अगर अजय खुद फेनी नहीं पीते तो क्या वह किसी और के लिए वहां से फेनी नहीं ला सकते। कपिल के इस सवाल पर अजय देवगन ने तुरंत पलटवार किया और मजाकिया अंदाज में कहा कि फेनी ने कपिल की जिंदगी में पहले ही काफी गड़बड़ की है और उन्हें इसे याद रखना चाहिए। अजय के जवाब के बाद शो का माहौल और भी मजेदार हो गया। कार्यक्रम की जज अर्चना पूरण सिंह भी इस मजाक में शामिल होती नजर आईं।

उन्होंने कपिल की टांग खींचते हुए कहा कि अगर उन्हें कोई चीज मुफ्त में मिल जाए तो वह उसे भी पी सकते हैं। 'दृश्यम- द कंक्लूजन' अजय देवगन की चर्चित 'दृश्यम' श्रृंखला की अगली फिल्म है। फिल्म की पिछली कड़ियों की तरह इसमें भी गोवा की पृष्ठभूमि महत्वपूर्ण है। कपिल शर्मा के शो में फिल्म के प्रचार के दौरान अजय और कपिल की यह मजेदार बातचीत दर्शकों के लिए आकर्षण का हिस्सा बन गई। बता दें कि अभिनेता अजय देवगन और कॉमेडियन कपिल शर्मा जब एक ही मंच पर नजर आते हैं तो बातचीत में हास्य और मजाक का सिलसिला शुरू होना तय माना जाता है।

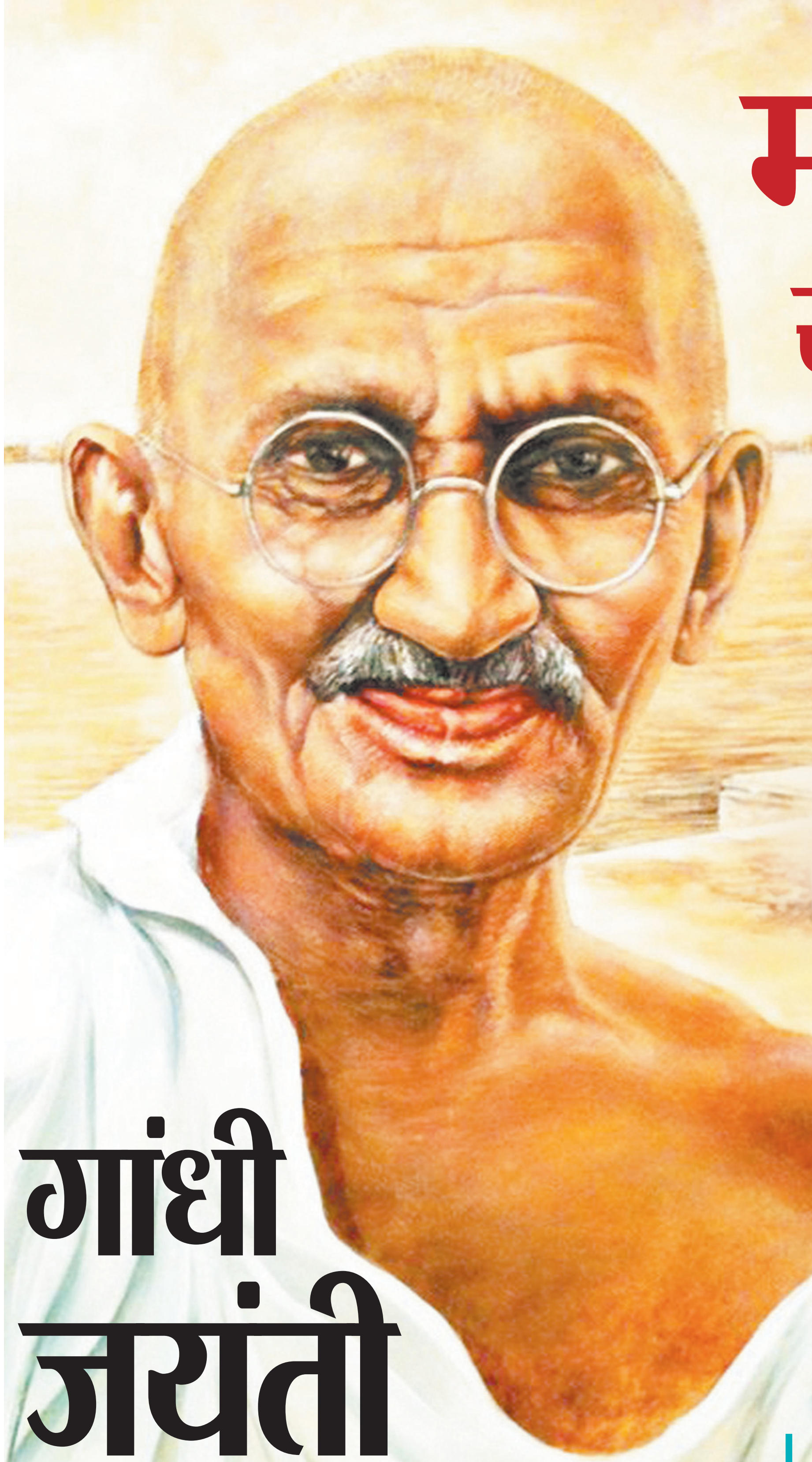

महात्मा गांधी स्वतंत्र भारत के पिता

भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है ।

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत- महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टेगौर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों , कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरूद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में , ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेडकर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और पंरपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

1906 के ज़ुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरूद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती हे कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

चंपारण और खेड़ा – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

असहयोग आन्दोलन – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

स्वराज और नमक सत्याग्रह – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा

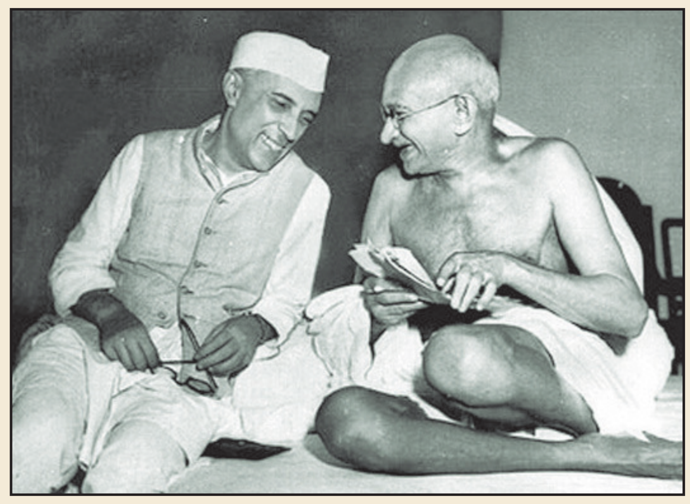

गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्टी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।

गांधी जयंती आत्ममूल्यांकन का दिन

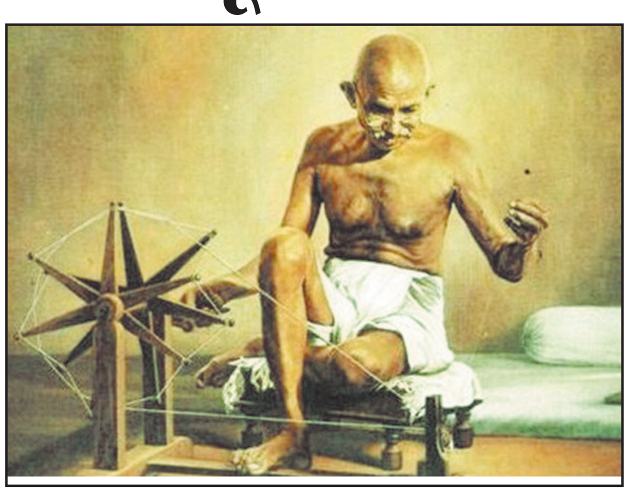

आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन्? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक

आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुन: आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलत: ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।